राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 111 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,28 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

पेगासस कांड पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जासूसी मंजूर नहीं,व्यक्ति की निजता अहम

एक्सपर्ट कमेटी करेगी जांच

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पेगासस जासूसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतंत्र जांच की मांग वाली 12 याचिकाओं पर अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पेगासस जासूसी केस की जांच एक्सपर्ट कमेटी करेगी। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि लोगों की जासूसी किसी भी कीमत पर मंजूर नहीं की जा सकती। व्यक्ति की निजता अहम है।

सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है और जांच करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है। पेगासस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस पर केंद्र द्वारा कोई विशेष खंडन नहीं किया गया, इस प्रकार हमारे पास याचिकाकर्ता की दलीलों को प्रथम दृष्टया स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, हम एक विशेषज्ञ समिति नियुक्त करते हैं जिसका कार्य सुप्रीम कोर्ट द्वारा देखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने एक्सपर्ट कमेटी को आरोपों की पूरी तरह से जांच करने और अदालत के समक्ष रिपोर्ट पेश करने को कहा है। साथ ही मामले की सुनवाई आठ सप्ताह के बाद तय कर दी है। शीर्ष अदालत द्वारा डॉ. नवीन कुमार चौधरी (प्रोफेसर, साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक और डीन, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विवि, गांधीनगर), डॉ. प्रभारन पी. प्रोफेसर (इंजीनियरिंग स्कूल, अमृता विश्व विद्यापीठम, अमृतापुरी, केरल) और डॉ. अश्विन अनिल गुमस्ते(एसोसिएट प्रोफेसर कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, आएआईटी बॉम्बे को समिति का सदस्य नामित किया गया है। पूर्व जज रवींद्रन, तकनीकी समिति के काम की निगरानी करेंगे। इस काम में रवींद्रन की मदद पूर्व आईपीएस अधिकारी आलोक जोशी व डॉ संदीप ओबेरॉय करेंगे।

छह सदस्यीय कमेटी आठ सप्ताह में देगी रिपोर्ट

इसलिए बनाई जांच समिति

निजता व अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार प्रभावित होने के आरोप थे, जिनकी जांच की आवश्यकता है। लगाए आरोपों के खतरनाक प्रभाव से नागरिक प्रभावित हैं। इस केस में कार्रवाई के बारे में केंद्र ने कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाया। दूसरे देशों ने आरोपों को गंभीरता से लिया। भारत के नागरिकों के खिलाफ जासूसी में कुछ विदेशी अथारिटीज या एजेंसी या निजी निकायों के शामिल होने की संभावना। आरोप है कि नागरिकों को अधिकारों से वंचित करने में केंद्र या राज्य सरकारें पार्टी हैं। तथ्यात्मक पहलुओं में जाने की रिट क्षेत्राधिकार में सीमा है।

पेगासस पर हमारी बात सही साबित हुईः राहुल

सुप्रीम कोर्ट में पेगासस मामले पर सुनवाई और जांच के लिए समिति बनाने के आदेश पर सरकार को घेरते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमारी बात पर मुहर लगाई है और हमारी पार्टी यह मामला फिर से संसद में उठाएगी।

राहुल गांधी ने तीन सवाल उठाए 1. पेगासस को किसने खरीदा। 2. किन-किन लोगों पर इस्तेमाल हुआ। 3. हमारा डेटा हमारी सरकार के पास है या किसी अन्य देश के पास भी है ।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भाजपा ने किया स्वागत

भाजपा ने पेगासस मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह भ्रम की राजनीति फैला रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ संबित पात्रा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि भ्रम और राहुल गांधी जी का गहरा रिश्ता रहा है।

आने वाले समय में सकारात्मक साबित होंगे इंडो पैसिफिक के रीजनल डायलॉग : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय नौसेना का शीर्ष अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन इंडो पैसिफिक रीजनल डायलॉग बुधवार से शुरू हो गया है. ये सम्मलेन तीन दिनों तक ऑनलाइन आयोजित किया जा रहा है जो 27 से 29 अक्टूबर तक चलेगा. इसमें समुद्र से जुड़ी भविष्य की चुनौतियों से निपटने पर चर्चा की जाएगी.

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मुझे खुशी है कि इस वर्ष इंडो पैसिफिक के रीजनल डायलॉग पूरी चुनौतियों के साथ सुचारू ढंग से हुए. आने वाले समय में ये हमारे लिए सकारात्मक साबित होंगे. पैसिफिक रीजन में हम भारत के जल और विशेष आर्थिक क्षेत्र के लिए वैध अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं. इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, भारत समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीएलओएस) 1982 में निर्धारित किए गए सभी देशों के अधिकारों का सम्मान करने के लिए भी प्रतिबद्ध है. हम यूएनसीएलओएस, 1982 के तहत शासनादेश के रूप में कानून आधारित समुद्री प्रणालियों के रखरखाव का समर्थन करते हुए अपने क्षेत्रीय जल और विशेष आर्थिक क्षेत्र के संबंध में अपने देश के वैध अधिकारों और हितों की रक्षा करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं.

रक्षा मंत्री ने कहा कि जहां समुद्र मानव जाति के पालन-पोषण और विकास के लिए अनेक अवसर प्रदान करते हैं, वहीं वे आतंकवाद, समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां भी पेश करते हैं. उन्होंने इन चुनौतियों के लिए सहयोगी प्रतिक्रिया का आह्वान किया और कहा कि इसके काफी अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थ हैं. उन्होंने कहा कि समुद्री मुद्दों पर हितों और समानता के समावेश का पता लगाने की जरूरत है.

इंडो-पैसिफिक रीजनल डायलॉग का पहली बार आयोजन साल 2018 में किया गया था. राष्?ट्रीय समुद्री फाउंडेशन नौसेना के इस आयोजन के हर एडिशन के मुख्?य आयोजनकर्ता है. इस आयोजन के हर एडिशन का उद्देश्य इंडो-पैसिफिक में पैदा होने वाले अवसरों और चुनौतियों दोनों की ही समीक्षा करना है.

एक नज़र...

डजाइनरों को खादी आयोग ने किया पुरस्कृत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने खादी वस्त्रों को नए रुप रंग में प्रस्तुत करने के लिए नवोदित फैशन डिजाइनरों को पुरस्कृत किया है। खादी आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार ससेना ने बुधवार को यहां बताया कि खादी ने पिछले दिनों खादी के वस्त्रों को आकर्षक रुप रंग देने के लिए एक प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इसमें 60 डिजाइनों का चयन किया गया और इन डिजाइनर कृतियों का मंगलवार देर शाम सार्वजनिक प्रदर्शन किया और इन्हें पुरस्कृत किया गया।

शुआट्स मे मनाया गया 111वाँ स्थापना दिवस

प्रयागराज । सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) में बुधवार को 111वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। छात्र और कर्मचारी वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से संस्थापक दिवस कार्यस्त्र5म में शामिल हुए हैं, जबकि निदेशकगण, डीन आदि ने सोशल डिस्टेन्सिंग व सुरक्षा के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। शुरूआत परमेश्वर की प्रार्थना से हुई। गॉस्पल एवं प्लाऊ इन्स्टीट्यूट आफ थियोलॉजी के छात्र-छात्राओं ने गीत की प्रस्तुति दी।

हसा में मृत गैर स्थानीय के परिजनों को भी मदद

श्रीनगर, (एजेंसी)। जमू-कश्मीर सरकार ने घाटी में हालिया हिंसा में मारे गए और गैर स्थानीय लोगों के परिजनों को सहायता राशि मुहैया कराने की घोषणा की है। इस माह कश्मीर में कई लक्षित हत्याओं को अंजाम दिया गया है। अटूबर में 11 नागरिकों की हत्या हुई जिनमें से पांच प्रवासी मजदूर थे।

चीन का नया सीमा कानून हमारे लिए चिंता का विषय, द्विपक्षीय संबंधों पर डाल सकता है असरः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली,एजेंसी। चीन ने सीमावर्ती इलाकों के संरक्षण और उपयोग संबंधी एक नया कानून पारित किया है, जिस पर भारत ने चिंता जताई है. चीन के नए सीमा कानून पर मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय (स्थ्न्न्न) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि नई दिल्ली ने नोट किया है कि बीजिंग ने 23 अक्टूबर 2021 को एक नया भूमि सीमा कानून पारित किया है. अरिंदम बागची ने कहा है कि चीन की ओर से कानून लाने का एकतरफा निर्णय बॉर्डर मैनेजमेंट के साथ-साथ सीमा के सवाल पर हमारी मौजूदा द्विपक्षीय व्यवस्था पर प्रभाव डाल सकता है. यह मारे लिए चिंता का विषय है.

चीन के नए 'भूमि सीमा कानून' पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह ध्यान दिया जा सकता है कि भारत और चीन ने अभी भी सीमा के मामले को हल नहीं किया है. दोनों पक्ष समान स्तर पर परामर्श के माध्यम से सीमा मुद्दे को निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान प्राप्त करने पर सहमत हुए हैं. दोनों पड़ोसी देशों ने आंतरिक रूप से भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में एलएसी पर शांति बनाए रखने के लिए कई द्विपक्षीय समझौते, प्रोटोकॉल और व्यवस्थाएं की हैं. इस नए कानून का पारित होना हमारे विचार में 1963 के तथाकथित चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को कोई वैधता प्रदान नहीं करता है, जिस पर भारत सरकार कायम रही है और वह एक अवैध व अमान्य समझौता है.

अभी हाल ही में चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने कहा था कि नेशनल पीपल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति के सदस्यों ने संसद की समापन बैठक के दौरान इस कानून को मंजूरी दी. यह कानून अगले वर्ष एक जनवरी से प्रभाव में आएगा. इसके मुताबिक ''पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता पावन और अक्षुण्ण है.''

खबर में कहा गया था कि देश क्षेत्रीय अखंडता और जमीनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए तथा जमीनी सीमाओं और क्षेत्रीय संप्रभुता को कमतर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कदम उठाएगा. कानून में यह भी कहा गया है कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने, आर्थिक एवं सामाजिक विकास में मदद देने, सीमावर्ती क्षेत्रों को खोलने, ऐसे क्षेत्रों में जनसेवा और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, उसे बढ़ावा देने और वहां के लोगों के जीवन एवं कार्य में मदद देने के लिए देश कदम उठा सकता है. वह सीमाओं पर रक्षा, सामाजिक एवं आर्थिक विकास में समन्वय को बढ़ावा देने के लिए उपाय कर सकता है.

कानून के अनुसार देश समानता, परस्पर विश्वास और मित्रतापूर्ण वार्तालाप के सिद्धांतों का पालन करते हुए पड़ोसी देशों के साथ जमीनी सीमा संबंधी मुद्दों से निबटेगा और काफी समय से लंबित सीमा संबंधी मुद्दों और विवादों को उचित समाधान के लिए वार्ता का सहारा लेगा. चीनी सेना अभ्यास करके और हमलों, अतिक्रमण, उकसावे एवं अन्य गतिविधियों को दृढ़ता से रोकने के लिए सीमा पर अपना कर्तव्य निभाएगी.

चीन ने पिछले कुछ सालों में अपने सीमा संबंधी बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है. उसने हवाई, रेल और सड़क नेटवर्क का विस्तार किया है. उसने तिब्बत में बुलेट ट्रेन की शुरुआत भी की है जिसके मार्ग का निर्माण अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती कस्बे नींगची तक किया गया है. नए कानून में सीमाओं पर व्यापार क्षेत्रों की स्थापना तथा सीमा आर्थिक सहयोग क्षेत्र बनाने का प्रस्ताव है.

देश में कोविड संक्रमितों की संख्या में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। त्योहारी सीजन और मौसम में बदलाव के कारण देश में कोविड संक्रमितों की संख्या में इजाफा हो रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड संक्रमितों के कुल 13,451 नए मामले सामने आए हैं जबकि मंगलवार को यह संख्या 12,428 थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि कई राज्यों में कोविड के नए संस्करण के मामले सामने आए हैं। इन पर पूरी नजर रखी जा रही है। लोगों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नहीं जाने की सलाह दी गई है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 55 लाख 89 हजार 124 कोविड टीके दिए गए हैं।

बुधवार सुबह सात बजे तक कुल 103 करोड़ 53 लाख 25 हजार 577 हो गया है। आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में पिछले 24 घंटे में 13,451 नए कोविड मामले सामने आए । कल यह आंकड़ा 12428 था। इस समय देश में एक लाख 62 हजार 661 कोविड रोगियों का इलाज चल रहा है। यह 242 दिनों में सबसे कम है। संक्रमण दर 0.48 प्रतिशत है। इसी अवधि में 14,021 कोविड रोगी स्वस्थ हुए हैं। देश में अभी तीन करोड़ 35 लाख 97 हजार 339 लोग कोविड संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं।

स्पूतनिक वी वैक्सीन सभी स्ट्रेन पर कारगर

मॉस्को। रूस की स्पूतनिक वी वैक्सीन कोरोना वायरस के सभी वेरिएंट्स से सुरक्षा दिलाने में कारगर है। गामालेया नेशनल रिसर्च सेंटर ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक एलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह नए प्रकार के डेल्टा स्ट्रेन के खिलाफ भी कारगर है। रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को और मॉस्को प्रांत में सोमवार को डेल्टा स्ट्रेन के नए वेरिएंट के तीन मामलों की जानकारी मिली। श्री गिंट्सबर्ग से जब यह पूछा गया कि क्या स्पूतनिक वी डेल्टा स्ट्रेन के नए वेरिएंट के लिए प्रभावी है? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा,''स्पूतनिक वी वैक्सीन सभी वेरिएंट्स के खिलाफ प्रभावी है। ओरिजिनल वेरिएंट के मुकाबले कोई भी वेरिएंट्स महामारी के रूप में उल्लेखनीय नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि नए डेल्टा वेरिएंट्स का असर लगातार दिख रहा है। इससे पहले वैज्ञानिकों ने ब्रिटेन में सामान्य डेल्टा स्ट्रेन के मुकाबले कहीं अधिक तेजी से फैलने वाले एवाई.4.2 वेरिएंट के होने की जानकारी दी थी।

समीर वानखेड़े के खिलाफ एनसीबी की 5 सदस्यीय टीम ने शुरू की जांच, दर्ज होंगे गवाहों के बयान

मुंबई ,एजेंसी। मुंबई में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जोनल अफसर समीर वानखेड़े पर लगे गंभीर आरोपों की जांच-पड़ताल शुरू हो गई है। जिस क्रूज ड्रग्स केस की छानबीन अभी समीर वानखेड़े कर रहे हैं इसी मामले के एक गवाह प्रभाकर सैल ने आरोप लगाए हैं कि शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को छोड़ने के एवज में 25 करोड़ रुपए की डील की गई थी। प्रभाकर सैल ने पैसों की इस लेनदेन में समीर वानखेड़े का नाम लेकर सनसनी मचा दी थी। जिसके बाद अब एनसीबी की विजिलेंस टीम इस मामले की जांच कर रही है। यहां बता दें कि इससे पहले मुंबई पुलिस न भी इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अपनी जांच शुरू कर दी है।

एनसीबी ने इस मामले की जांच के लिए 5 सदस्यों की एक टीम बनाई है। यह टीम बुधवार को दिल्ली से मुंबई पहुंची। एनसीबी के उप महानिदेश ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया कि 5 सदस्यों की टीम दिल्ली से मुंबई पहुंच चुकी है। इस टीम का गठन प्रभाकर सैल के आरोपों की जांच के लिए की गई है। एनसीबी कार्यालय से कागजात और सभी रिकॉर्ड लिए गए हैं। इसके अलावा गवाहों को भी बुलाया गया है। हमने मामले की जांच शुरू कर दी है और गवाहों के बयान जल्द लिए जाएंगे। ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा कि इस जांच में जिस भी गवाह की जरुरत होगी उसे बुलाया जाएगा, लेकिन मैं अभी किसी का नाम नहीं लूंगा।

ज्ञानेश्वर सिंह ने बताया की समीर वानखेड़े का बयान दर्ज किया जा रहा है। बता दें कि प्रभाकर सैल, किरण गोसावी का बॉडीगार्ड रहा है। प्रभाकर का दावा है कि गोसावी ने आर्यन खान को छोड़ने के लिए 25 करोड़ रुपए की मांग की थी। गोसावी वहीं शख्स है जो आर्यन खान के साथ सेल्फी लेकर चर्चा में आया था।

कुछ अन्य तस्वीरों के जरिए यह दावा किया जा रहा है कि गोसावी, समीर वानखेड़े के साथ खड़ा नजर आ रहा है। प्रभाकर का आरोप है कि आर्यन खान को लेकर डील 18 करोड़ में सेटल हुई, जिसमें से एक मोटी रकम समीर वानखेड़े को दिये जाने की बात उसने सुनी। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक भी समीर वानखेड़े पर आरोप लगा चुके हैं कि वो लोगों को फंसा कर वसूली करते हैं। हालांकि एनसीबी के तेज-तर्रार अफसर माने जाने वाले समीर वानखेड़े इन सभी आरोपों से इनकार करते आए हैं।

'बीजेपी के वफादार मुख्यमंत्री रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह-ईडी करती है कंट्रोल': नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली,एजेंसी। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर निशाना साधा है.उन्होंने अमरिंदर सिंह को बीजेपी का वफादार मुख्यमंत्री बताया है. इसी के साथ उन्होंने ये भी आरोप लगाया है कि अमरिंदर सिंह को ईडी कंट्रोल करती है. उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा, हम कांग्रेस के 78 विधायक, कभी सोच भी नहीं सकते थे कि हमें क्या मिला, ईडी ने पंजाब के भाजपा के वफादार मुख्यमंत्री को नियंत्रित किया, जिसने अपनी चमड़ी बचाने के लिए पंजाब के हितों को बेच दिया! आप पंजाब के न्याय और विकास को रोकने वाली नकारात्मक शक्ति थे. नवजोत सिंह सिद्धू ने आगे कहा, आप मुझ पर दरवाजे बंद करना चाहते थे, क्योंकि मैं लोगों की आवाज उठा रहा था, सत्ता से सच बोल रहा था. पिछली बार जब आपने अपनी पार्टी बनाई थी, तो आप अपना मतपत्र हार गए थे, केवल 856 वोट हासिल किए थे. पंजाब के लोग फिर से पंजाब के हितों से समझौता करने के लिए आपको दंडित करने का इंतजार कर रहे हैं.

नवजोत सिंह सिद्धू का ये बयान ऐसे समय में सामने आया है जब बुधवार को कैप्टन अमरिंदर सिंह ने नई पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है. उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं एक पार्टी बना रहा हूं. अब सवाल ये है कि पार्टी का नाम क्या है, ये मैं आपको नहीं बता सकता क्योंकि ये मैं खुद नहीं जानता. जब चुनाव आयोग पार्टी के नाम और चिन्ह को मंजूर करता है, मैं आपको बता दूंगा.'

कुछ समय पहले ही कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले नई पार्टी बनाने की बात कही थी और बीजेपी के साथ गठबंधन के भी संकेत दिए थे. इसी कड़ी में अब उन्होंने पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया है. इसी के साथ उन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर कहा कि वो जहां से भी लड़ेंगें, हम उस सीट से लड़ेंगे. कैप्टन अमरिंदर सिंह ने आगे बताया, पंजाब में हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, फिर चाहे लड़ाई गठबंधन में हो या अपने दम पर.

योग गुरु रामदेव के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस, 4 हफ्ते में दाखिल करना होगा हलफनामा

नई दिल्ली,एजेंसी। एलोपैथी के खिलाफ कथित रूप से गलत जानकारी फैलाने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को योग गुरु रामदेव के खिलाफ नोटिस जारी किया है. कोर्ट ने योग गुरु को 4 हफ्ते के अंदर हलफनामा दाखिल करने का भी निर्देश दिया है. न्यायमूर्ति सी हरिशंकर ने स्पष्ट किया कि वह रामदेव के खिलाफ वाद में आरोपों के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं कर रहे और किसी प्रकार की राहत देने के बारे में बाद में विचार किया जाएगा.

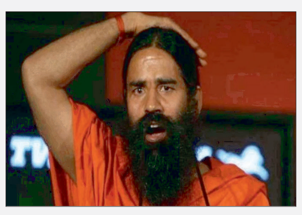

रामदेव के अलावा आचार्य बालकृष्ण और पंतजलि आयुर्वेद को भी मामले में समन जारी कर जवाब देने को कहा गया है. अदालत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म गूगल, फेसबुक और ट्विटर को भी नोटिस जारी किये. न्यायमूर्ति हरिशंकर ने रामदेव के वकील राजीव नायर से कहा, 'मैंने वीडियो क्लिप देखे हैं. वीडियो क्लिप देखकर लगता है कि आपके मुवक्किल एलोपैथी उपचार प्रोटोकॉल पर उपहास कर रहे हैं. उन्होंने लोगों को स्टेरॉइड की सलाह देने और अस्पताल जाने वाले लोगों तक का उपहास उड़ाया है. क्लिप देखकर यह निश्चित रूप से वाद दर्ज करने का मामला है.' वरिष्ठ अधिवक्ता नायर ने कहा कि उन्हें मामले में समन जारी होने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उन्होंने आरोपों का विरोध किया. नायर ने अदालत से अनुरोध किया, 'वाद के तीन हिस्से हैं. कोरोनिल, मानहानि और टीकाकरण के खिलाफ असमंजस. अदालत केवल मानहानि के मामले में ही नोटिस जारी कर सकती है.' न्यायाधीश ने कहा, 'मैं कोई आदेश जारी नहीं कर रहा. आप अपने लिखित बयान दाखिल कीजिए. कहिए कि कोई मामला नहीं बनता.' दरअसल, डॉक्टरों के एसोसिएशन ने रामदेव पर कोरोना वायरस महामारी के बीच कथित तौर पर एलोपैथी के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया है. उनके विवादित बयान के खिलाफ एसोसिएशन ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. जिसमें आरोप है कि उन्होंने लोगों के सामने एलोपैथी को गलत तरीके से पेश किया.

भारत ने किया अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय सेना ने बुधवार को बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया. इस मिसाइल को एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से बुधवार को लॉन्च किया गया. इस मिसाइल की रेंज 5000 किलोमीटर बताई जा रही है. अग्नि-5 मिसाइल से न्यूक्लियर अटैक किया जा सकता है. इसके साथ ही यह 5000 किलोमीटर की दूरी में अकेले ही एक साथ गई टारगेट को तबाह कर सकता है.

अग्नि-5 मिसाइल शुद्ध रूप से भारत की बनाई हुई इंटरकांटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है. जो 5 हजार किलोमीटर दूर तक मार कर सकती है और दुश्मनों के ठिकानों को खाक कर सकती है. अग्नि-5 भारत की पहली और एकमात्र इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बनाया है. ये भारत के पास

मौजूद लंबी दूरी की मिसाइलों में से एक है. 10 दिसंबर 2018 को मिसाइल का आखिरी टेस्ट किया गया था. खास बात ये है कि इससे पहले मिसाइल के 7 टेस्ट किए जा चुके हैं, सभी सफल रहे हैं. अग्नि- 5 बैलिस्टिक मिसाइल एक साथ कई हथियार ले जाने में सक्षम है. ये मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल से लैस है.

एक्सपर्ट्स के मुताबिक अग्नि फाइव को डेवलप करने का आधार अग्नि 3 है. जिसमें पहले और दूसरे स्टेज के मोटर एक जैसे ही लगे हैं. लेकिन अग्नि फाइव में तीसरे स्टेज का मोटर बदल गया है. जिसने इसे बाकी मिसाइलों से अलग बना दिया है. यहां तक कि इसे रोड मोबाइल लांचर से भी लांच किया जा सकता है. जिससे तत्काल हमला करना मुमकिन है. इसकी लंबाई 17.5 मीटर, 2 मीटर की परिधि, 50000 किलोग्राम लॉन्च वेट और 1550 किलोग्राम पेलोड वाले इस ब्रह्मास्त्र को एंटी बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम से भी इंटरसेप्ट कर पाना मुश्किल है. आने वाले दिनों में आगर इसकी मारकर क्षमता के बढ़ाना हो तो वो भी बढ़ाया जा सकता है. डीआरडीओ ने अग्नि सीरीज की जिस मिसाइल को 2008 में डेवलप करना शुरू किया था. उसका सॉलिड फ्यूल टेस्ट पहली बार 2012 में किया गया.

रूबरू | पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, मेरे संपर्क में हैं पंजाब कांग्रेस के कई विधायक

नई पार्टी बनाने का अमरिंदर ने किया ऐलान

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपनी नई पार्टी बनाने का ऐलान करते हुए कहा है कि नई पार्टी की प्रक्रिया पूरी होते और चुनाव आयोग से नाम तथा चुनाव चिन्ह मिलते ही पार्टी की घोषणा करेंगे।

मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद बुधवार को पहली बार कैप्टन सिंह पत्रकारों से रूबरू हुए और अपनी साढ़े चार की उपलब्धियां और प्रदेश के विकास के लिए कुछ नए कदम उठाने से लेकर जो कुछ उन्होंने अब तक किया, उस बारे में अपना पक्ष रखने के लिए दस्तावेजों का चिट्ठा भी साथ लेकर आए। उन्होंने सीमा पार से आए ड्रोनों से लेकर हथियारों, नशों का ब्यौरा दिया। कैप्टन सिंह ने कहा कि वो चुनाव आयोग से नाम और चिन्ह मिलने के बाद नई पार्टी की घोषणा करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई लोग उनके संपर्क में हैं तथा वे समय आने पर खुलकर सामने आयेंगे। हम इस बारे में पहले से किसी के नाम का खुलासा नहीं करेंगे और समय पर सब कुछ लोगों के सामने आ जाएगा। उनके समर्थकों को परेशान किया जा रहा है लेकिन ऐसा करने से वे न तो मेरे समर्थकों को मुझसे दूर कर सकते हैं और न ही लोगों के दिल जीत सकते। हमारी जीत तय है । समझ में नहीं आता कि राहुल गांधी को पंजाब कांग्रेस के विधायकों से बैठकें करने की जरूरत क्यों पड़ी । कांग्रेस से इस्तीफा देने के बारे में पूछे गये एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक पार्टी से इस्तीफा नहीं दिया है

मुख्यमंत्री काल के साढ़े चार साल की उपलब्धियों का लिखित ब्यौरा रखा

पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने सरकार के उन मंत्रियों की कड़ी आलोचना की जिन्होंने कहा है कि अमरिंदर सिंह के साढ़े चार साल के कार्यकाल में कोई काम नहीं हुआ। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा, उन्होंने पंजाब में पिछले चुनाव में जनता से जो वादे किए थे जो वादे किए थे साढ़े चार साल में उनमें 90 प्रतिशत काम काम पूरा किया। कुछ पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा, दिल्ली में बैठक में मलिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मेरी सरकार को लेकर मुझसे पूछा था कि 'आखिर समस्या क्या है?' मैंने उनसे कहा था 'कोई समस्या नहीं है। पंजाब में पिछले चुनाव में जनता से जो वादे किए थे, साढ़े चार साल में उनमें 92 प्रतिशत काम काम पूरा किया। कुछ पर काम चल रहा है। भारतीय सीमा सुरक्षा बल पंजाब में किसी चीज को नियंत्रण में नहीं लेने जा रहा है। पंजाब का काम पंजाब सरकार ही देखेगी। पुलिस को जहां मदद की जरूरत होगी बीएसएफ उसकी मदद करेगी। वहीं दूसरी और पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह गुरूवार को गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे।

एनएचपीसी ने वर्ष 2020-21 के लिए भारत सरकार को 249.44 करोड़ का अंतिम लाभांश दिया

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

एनएचपीसी, एक अग्रणी जलविद्युत कंपनी और भारत सरकार की मिनी रत्न श्रेणी- I उद्यम ने 21 अक्टूबर, 2021 को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए भारत सरकार को 249.44 करोड़ रुपए के अंतिम लाभांश का भुगतान किया है। लाभांश भुगतान की बैंक डवाईस श्री आर.के. सिंह माननीय माननीय केंद्रीय मंत्री, विद्युत, नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा श्री आर. के. सिंह को ए.के. सिंह, सीएमडी, एनएचपीसी द्वारा 26 अक्तूबर 2021 को आलोक कुमार, सचिव (विद्युत), भारत सरकार, एस.के.जी. रहाटे, अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, एनएचपीसी से एन.के. जैन, निदेशक (कार्मिक), वाई.के. चौबे, निदेशक (तकनीकी), आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), श्री बिश्वजीत बासु , निदेशक (परियोजनाएं) व के.के. गोयल, कार्यपालक (वित्त), एनएचपीसी। की उपस्थिति में प्रस्तुत की गई। एनएचपीसी ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए भारत सरकार को 526.53 करोड़ रुपये के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया था ।इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 890.85 करोड़ के अंतरिम लाभांश का भुगतान 05 मार्च, 2021 को किया गया था । इस तरह, वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 1140.28 करोड़ रूपए का कुल लाभांश प्रदान किया गया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 10 जून 2021 को हुई अपनी बैठक में 0.35 रुपये प्रति इक्विटी शेयर अर्थात अंकित मूल्य के 3.50 प्रतिशत की दर से वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अंतिम लाभांश की सिफारिश की थी जिसे 29 सितंबर, 2021 को सम्पन्न वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में मंजूरी दी गई थी । इसके अतिरिक्त, 1.25 रुपए प्रति इक्विटी शेयर अर्थात अंकित मूल्य के 12.50 प्रतिशत की दर से 05 मार्च, 2021 को अंतरिम लाभांश का भुगतान किया गया था । इस प्रकार, वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 1.60/- रूपए प्रति शेयर के कुल लाभांश का भुगतान किया गया है । एनएचपीसी के पास आज सात लाख (लगभग) शेयरधारक हैं।

सोना वायदा कीमतों में कमी

कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे स्थानीय वायदा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 123 रुपए घटकर 47,690 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया।

आईपीओ का आकार बढ़ाकर 18,300 करोड़ रुपए करेगी पेटीएम

नई दिल्ली। डिजिटल रूप से वित्तीय सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनी पेटीएम अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का आकार बढ़ाकर 18,300 करोड़ रुपए करेगी। सूत्रों के मुताबिक कंपनी के सबसे बड़े शेयरधारक अलीबाबा समूह की फर्म एंट फाइनेंशियल और सॉफ्टबैंक सहित अन्य मौजूदा निवेशकों ने पेटीएम में अपनी अधिक हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया है। इससे पहले कंपनी की योजना आईपीओ के जरिए कुल 16,600 करोड़ रुपए जुटाने की थी, जिसमें 8,300 करोड़ रुपए का ताजा निर्गम और 8,300 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। मौजूदा शेयरधारकों द्वारा अधिक हिस्सेदारी बेचने के फैसले से ओएफएस का आकार।,700 करोड़ रुपए बढ़कर 10,000 करोड़ रुपए हो जाएगा। एक सूत्र ने कहा, बिक्री पेशकश का लगभग आधा हिस्सा एंट फाइनेंशियल और बाकी अलीबाबा, एलिवेशन कैपिटल, सॉफ्टबैंक और अन्य मौजूदा शेयरधारकों द्वारा है। पेटीएम ने अपने आईपीओ दस्तावेज में सॉफ्टबैंक द्वारा हिस्सेदारी बेचने का जिक्र नहीं किया था। नियामकीय आवश्यकताओं के तहत अपनी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से नीचे लाने के लिए कम से कम पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचनी है।

एक्सिस बैंक का शेयर सबसे अधिक 6.52 प्रतिशत टूटा

शेयर बाजारों में दो दिन की तेजी थमी, सेंसेक्स 207 अंक टूटा

मुंबई ,(एजेंसी)।

वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख के बीच शेयर बाजारों में पिछले दो दिन से जारी तेजी का सिलसिला बुधवार को थम गया। मासिक डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। कारोबारियों ने कहा कि रुपए में गिरावट तथा कंपनियों के मिलेजुले तिमाही नतीजों से भी बाजार धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 206.93 अंक या 0.34 प्रतिशत के नुकसान से 61,143.33 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 57.45 अंक या 0.31 टूटकर 18,210.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक का शेयर सबसे अधिक 6.52 प्रतिशत टूटा। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील और एनटीपीसी के शेयर भी नुकसान में रहे। वहीं दूसरी ओर

एशियन पेंट्स, सन फार्मा, इन्फोसिस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल और एचसीएल टेक के शेयर 4.42 प्रतिशत तक के लाभ में रहे। मारुति सुजुकी का सितंबर तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 487 करोड़ रुपए रहा है। इसके बावजूद कंपनी का शेयर मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक धारणा के अनुरूप घरेलू बाजार भी नकारात्मक दायरे में रहे। वित्तीय कंपनियों के शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, मिलेजुले वैश्विक रुख के बीच बाजार में कारोबार सुस्त रहा। शुरुआत में एशियाई बाजारों के कमजोर रुख से धारणा प्रभावित हुई। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 0.30 प्रतिशत तक चढ़ गए। अन्य एशियाई बाजारों में चीन के शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग के हैंगसेंग, जापान के निक्की तथा दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में नुकसान रहा। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजारों में गिरावट थी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 1.09 प्रतिशत के नुकसान से 84.72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सात पैसे के नुकसान से 75.03 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच, शेयर बाजारों के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 2,368.66 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे टूटकर 75.03 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने तथा घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को रुपया सात पैसे टूटकर 75.03 (अस्थाई) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.02 रुपए पर खुला तथा कारोबार के दौरान यह 74.90 से 75.05 रुपए के दायरे में रहा। अंत में यह पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की गिरावट के साथ 75.05 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। मंगलवार को रुपया 74.96 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

स्विस रे लगभग 920 करोड़ रुपए में पेटीएम इंश्योरटेक में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा फर्म पेटीएम ने बुधवार को कहा कि स्विट्जरलैंड स्थित प्रमुख पुनर्बीमा कंपनी स्विस रे लगभग 920 करोड़ रुपए में पेटीएम इंश्योरटेक में 23 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। पेटीएम की बीमा इकाई- पेटीएम इंश्योरटेक (पीआईटी), बीमा उत्पादों को विकसित करने के लिए पेटीएम के ग्राहक आधार और कारोबारी तंत्र का लाभ उठाने की योजना बना रही है। पीआईटी में निवेश के जरिए स्विस रे और पेटीएम बाजार में बीमा की पहुंच को बढ़ाने के लिए काम करेंगे। पेटीएम ने एक बयान में कहा, स्विस रे कुल 23 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए (इक्विटी शेयरों और अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय तरजीही शेयरों के जरिए) लगभग 920 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। पेटीएम इंश्योरटेक द्वारा रहेजा क्यूबीई के अधिग्रहण के बाद पीआईटी में निवेश किया गया है।

पेटीएम के चेयरमैन, एमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कहा, हम अपने बीमा क्षेत्र के लिए एक प्रमुख रणनीतिक निवेशक के रूप में स्विस रे के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं।

एनएचपीसी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 का शुभारंभ किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी और भारत सरकार का एक मिनी रत्न श्रेणी-I उद्यम एनएचपीसी लिमिटेड ने 26 अक्टूबर 2021 को निगम मुख्यालय, फरीदाबाद और अपने विभिन्न पावर स्टेशनों / परियोजनाओं / क्षेत्रीय कार्यालयों और फील्ड यूनिटो में 26 अक्टूबर से 01 नवंबर 2021 तक स्वतंत्र भारत 75 प्रतिशत सत्यनिष्ठा से आत्म निर्भरता% थीम के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 के आयोजन का शुभारंभ किया । सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदय, भारत के माननीय उपराष्ट्रपति महोदय, भारत के माननीय प्रधानमंत्री और केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के संदेशों को पढ़ने के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । ए.के. सिंह, सीएमडी, एनएचपीसी ने निगम मुख्यालय,

फरीदाबाद में वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा की शपथ दिलाई । एन.के. जैन, निदेशक (कार्मिक), वाई.के. चौबे, निदेशक (तकनीकी), आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), बिश्वजीत बासु, निदेशक (परियोजनाएं) और ए.के. श्रीवास्तव, सीवीओ, एनएचपीसी सहित एनएचपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे । इस अवसर पर बोलते हुए, एनएचपीसी ए.के. सिंह सीएमडी ने स्वतंत्र भारत 75 प्रतिशत सत्यनिष्ठा से आत्म निर्भरता थीम पर प्रकाश डाला और कार्य करते समय पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों का अनुपालन करने हेतु सभी कार्मिकों से अपील की । उन्होंने सभी कार्मिकों से पूरी ईमानदारी के साथ कड़ी मेहनत करने और शीघ्रता से निर्णय सुनिश्चित करने के लिए कहा जिससे एनएचपीसी और राष्ट्र की समृद्धि की दिशा में लक्ष्य प्राप्त किया जा सके । उद्घाटन समारोह के दौरान, ए.के. सिंह, सीएमडी, एनएचपीसी ने एनएचपीसी सतर्कता विभाग की ई-पत्रिका चेतना का भी विमोचन किया ।

सऊदी अरब पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर की सहायता देगा

इस्लामाबाद एजेंसी।

सऊदी अरब नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सुरक्षित जमाओं के रूप में तीन अरब डॉलर और 1.2 अरब डॉलर तथा 1.5 अरब डॉलर मूल्य का तेल उधार देने पर सहमत हो गया है। समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक इस हफ्ते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की सऊदी यात्रा के दौरान हुए समझौते के बारे में औपचारिक घोषणा उनके सलाहकार (वित्त और राजस्व) शौकत तारिन और ऊर्जा मंत्री हम्माद अजहर करेंगे। सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने सऊदी अरब सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता के बारे में ट्विटर बताया। उन्होंने ट्वीट किया, सऊदी अरब ने पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक में जमा के रूप में तीन अरब अमेरिकी डॉलर देने पर सहमत होकर

पाकिस्तान का समर्थन किया है, और साथ ही वह वर्ष के दौरान 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद का खर्च भी उठाएगा। रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से कहा गया कि सऊदी सरकार तत्काल एक साल के लिए पाकिस्तान के खाते में तीन अरब अमेरिकी डॉलर जमा करेगी और कम से कम अक्टूबर 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम के पूरा होने तक इसे जारी रखा जाएगा। इसके अलावा सऊदी सरकार हर साल 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक का तेल उधार देगी।

एनएमडीसी सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2021 मना रहा है

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार एनएमडीसी स्वतंत्र भारत की 75 वीं सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता विषय पर 26.10.2021 से 01.11.2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2021 (वी ए डब्ल्यू -2021) मना रहा है। वीएडब्ल्यू-2021 के उद्घाटन समारोह की शुरुआत करते हुए एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब ने अपने प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। अमिताभ मुखर्जी, निदेशक (वित्त) ने भारत के माननीय राष्ट्रपति के संदेश को पढ़कर सुनाया; निदेशक (तकनीकी) सोमनाथ नंदी ने भारत के माननीय उप राष्ट्रपति का संदेश

पढ़ा; डी.के. मोहंती, निदेशक (उत्पादन) ने माननीय प्रधानमंत्री का संदेश पढ़ा और बी साहू, अधिशासी निदेशक (उत्पादन और सुरक्षा)ने केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के संदेश के संदेश को पढ़कर सुनाया । सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलवाने का कार्यक्रम एनएमडीसी के सतर्कता विभाग ने आयोजित किया। भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और एनएमडीसी इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान भारत का 75 के उपलक्ष्य में सत्यनिष्ठा पर विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और संवेदीकरण कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है । आज एनएमडीसी कार्मिकों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुए। इस सप्ताह के दौरान अनेक अन्य कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं जैसे नारा लेखन, वाक, निबंध लेखन, सर्वश्रेष्ठ हाउसकीपिंग प्रतियोगिताएं एवं गतिविधियां निर्धारित किए गए हैं । इसके अलावा 28 अक्टूबर 2021 को कारपोरेट गवर्नेंस-लीवरेज टेक्नोलॉजी एंड व्हिसल ब्लोअर मैकेनिज्म पर एक सत्र आयोजित किया जा रहा है जिसमें केंद्रीय सतर्कता आयोग की अपर सचिव डॉ प्रवीण कुमारी सिंह द्वारा प्रमुख व्याख्यान दिया जाएगा । सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन इसके अंतिम दिन अर्थात 01.11.2021 को समापन और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संपन्न होगा

पंजाब एण्ड सिंध बैंक सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर बैंक के सभी उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वीएडब्ल्यू समारोह की शुरुआत बैंक के शीर्ष प्रबंधन तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा प्रधान कार्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों को हिंदी व अंग्रेजी में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाकर की गई। तत्पश्चात माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री तथा माननीय केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के संदेशों को बैंक के उच्चाधिकारियों द्वारा पढ़ा गया। बैंक के उच्चाधिकारियों ने स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया तथा पीआईडीपीआई (लोकहित प्रकटीकरण और मुखबिर संरक्षण) शिकायतों और माननीय आयोग द्वारा दिए गए केंद्रीय विषय के अनुसार

सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता पर विशेष आग्रह के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन क्रमशः कार्यकारी निदेशक तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा हिंदी व अंग्रेजी में प्रधान कार्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों को संगठन के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाकर किया गया। उपमहाप्रबंधक, सतर्कता द्वारा बैंक के सभी उच्चाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

महंगाई — *पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 35 पैसे प्रति लीटर और बढ़ गए हैं।*

अगले सप्ताह बढ़ सकते हैं रसोई गैस सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम अगले सप्ताह बढ़ सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस बीच, दो दिन के अंतराल के बाद बुधवार को वाहन ईंधन कीमतों में फिर बढ़ोतरी हुई। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 35 पैसे प्रति लीटर और बढ़ गए हैं। सूत्रों ने बताया कि एलपीजी के मामले में लागत से कम मूल्य पर बिक्री से होने वाला नुकसान (अंडररिकवरी) 100 रुपए प्रति सिलेंडर पर पहुंच चुका है। इस वजह से इसकी कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि रसोई गैस सिलेंडर का दाम कितना बढ़ेगा, यह सरकार की अनुमति पर निर्भर

करेगा। इससे पहले छह अक्टूबर को रसोई गैस सिलेंडर के दाम 15 रुपए बढ़ाए गए थे। जुलाई से 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर का दाम 90 रुपए बढ़ चुका है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को खुदरा दाम लागत के अनुरूप करने की अनुमति नहीं दी गई है। इसके अलावा इस अंतर को पाटने के लिए अभी तक सरकार की ओर से कोई सब्सिडी भी नहीं दी गई है।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी के बीच एलपीजी की बिक्री पर नुकसान 100 रुपए प्रति सिलेंडर पर पहुंच गया है। जहां सऊदी अरब में एलपीजी की दर इस महीने 60 प्रतिशत के उछाल के साथ 800 डॉलर प्रति टन हो गई है, वहीं अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 85.42 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुका है। एक अन्य सूत्र ने कहा, एलपीजी अभी नियंत्रित जिंस है। ऐसे में तकनीकी रूप से सरकार इसके खुदरा दाम का नियमन कर सकती है। लेकिन ऐसा करने पर सरकार को पेट्रोलियम कंपनियों को लागत से कम मूल्य पर बिक्री के नुकसान को पूरा करना होगा। इस समय दिल्ली और मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर का दाम 899.50 रुपए है। वहीं कोलकाता में यह 926 रुपए है। देश में पात्र परिवारों को इन्हीं दरों पर सब्सिडी वाला रसोई गैस सिलेंडर मिलता है। एक साल में उन्हें 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी वाली दरों पर मिलते हैं। इस बीच, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बुधवार को 35 पैसे प्रति लीटर की और वृद्धि हुई। इससे पहले दो दिन तक वाहन ईंधन के दाम नहीं बढ़ाए गए थे। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में अब पेट्रोल 107.94 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में यह 113.80 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसी तरह दिल्ली में डीजल 96.67 रुपए प्रति लीटर और मुंबई में 104.75 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। देश के सभी प्रमुख शहरों में पेट्रोल पहले ही शतक लगा चुका है। वहीं डेढ़ दर्जन से ज्यादा राज्यों और संघ शासित प्रदेशों में डीजल 100 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गया है। पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने 28 सितंबर से पेट्रोल कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला फिर शुरू किया था। इससे पहले तीन सप्ताह तक इस वाहन ईंधन के दाम नहीं बढ़ाए गए थे।

एमएफआई को परिसंपत्ति में भारी वृद्धि के लिए असावधान नहीं होना चाहिए

मुंबई ,(एजेंसी)।

भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय बैंक माइक्रोफाइनेंस (एमएफआई) क्षेत्र को बढ़ावा देगा, लेकिन ऋणदाताओं को उच्च परिसंपत्ति वृद्धि और प्रतिफल पाने के लिए असावधान नहीं होना चाहिए। एमएफआई क्षेत्र के एक स्व-नियामक संगठन सा-धन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में राव ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस ऋणदाताओं को मुख्यधारा के वित्त की रणनीतियों की नकल नहीं करनी चाहिए, क्योंकि उनकी सेवाओं में सामाजिक उद्देश्यों को जगह देने की अधिक जरूरत होती है।

राव ने कहा, उच्च परिसंपत्ति वृद्धि और प्रतिफल पाने के लिए (एमएफआई) ऋणदाताओं को असावधान नहीं होना चाहिए। एमएफआई की प्रतिकूल कार्वाई के जरिए कोई भी चूक दशकों में हासिल की गई जबरदस्त प्रगति को खत्म कर सकती है। उन्होंने कहा कि माइक्रोफाइनेंस की शुरुआत के उद्देश्यों को नहीं भूलना चाहिए।

डिप्टी गवर्नर ने कहा कि एमएफआई को पहले ग्राहकों की जरूरतों को समझने पर ध्यान देना चाहिए और सही वित्तीय उत्पादों के जरिए उन्हें पर्याप्त सहायता देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि चूंकि एमएफआई ग्राहकों में वित्तीय जागरूकता का स्तर कम है और वे कहीं से भी कर्ज लेने के लिए बेताब हैं, इसलिए उन्हें देखभाल और सहानुभूति की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऐसा सिर्फ बातों में नहीं, बल्कि असल में होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

निकेल वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को निकेल वायदा भाव 2.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ।,532.20 रुपए प्रति किलो रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में नवंबर माह में डिलीवरी होने वाले निकेल अनुबंध का भाव 33 रुपए यानी 2.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ।,532.20 रुपए प्रति किलो रह गया। इसमें।,539 लॉट के लिए सौदे किए गए। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्यतः यहां निकेल वायदा कीमतों में गिरावट दर्ज हुई।

जस्ता वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। हाजिर बाजार से कमजोरी का संकेत लेते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को जस्ता की कीमत 1.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 277.45 रुपए प्रति किलो रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में नवंबर माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिए जस्ता का भाव 5.45 रुपए यानी 1.93 प्रतिशत घटकर 277.45 रुपए प्रति किलो रह गया। इसमें।,084 लॉट के लिए सौदे किए गए। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे मुख्यतः वायदा कारोबार में जस्ता कीमतों में गिरावट आई।

चांदी वायदा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से वायदा कारोबार में बुधवार को चांदी की कीमत 239 रुपए की गिरावट के साथ 64,750 रुपए प्रति किलो रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के दिसंबर डिलीवरी वाले वायदा अनुबंध का भाव 239 रुपए यानी 0.37 प्रतिशत घटकर 64,750 रुपए प्रति किलो रह गया। इस वायदा अनुबंध में 10,321 लॉट के लिए सौदे किए गए। वैश्विक स्तर पर, न्यूयार्क में चांदी का भाव 0.30 प्रतिशत की हानि के साथ 24.02 डालर प्रति औंस रह गया।

कच्चातेल वायदा कीमतों में हानि

नई दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमत 99 रुपए की गिरावट के साथ 6,261 रुपए प्रति बैरल रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के नवंबर माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 99 रुपए अथवा 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,261 रुपए प्रति बैरल रह गई जिसमें 5,862 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कमजोर हाजिर मांग के बीच व्यापारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में कच्चा तेल कीमतों में गिरावट आई। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का दाम 1.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.37 डालर प्रति बैरल रह गया। इस बीच वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड का दाम 1.11 प्रतिशत घटकर 85.44 डालर प्रति बैरल रह गया।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली में सेक्सटॉर्शन गैंग का भंडाफोड़, टिंडर ऐप से शिकार बनाने वाले 5 लोग गिरफ्तार, सेक्स टॉयज और वेब कैमरा बरामद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली में डाबरी में कथित तौर पर एक सेक्सटॉर्शन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, इस गैंग के सदस्य टिंडर ऐप के जरिए अपने टारगेट से संपर्क करते थे और उससे रकम वसूल करते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से सेक्स टॉयज, आभूषण, चार मोबाइल फोन, तीन चेक बुक, दो पासपोर्ट, तीन आधार कार्ड, पैन और एटीएम कार्ड, छह वेब कैमरा, लैपटॉप और 8,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, इससे पहले पिछले हफ्ते गाजियाबाद पुलिस ने भी सेक्सटॉर्शन रैकेट चलाने और भोलेभाले लोगों से करोड़ों रुपये लूटने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, पहले आरोपी स्ट्रिपचैट नामक एक ऐप पर लोगों से बात करते थे और रकम कमाते थे। इसके बाद में, उन्होंने चैटिंग के दौरान छेड़छाड़ करते हुए पीड़ितों के साथ अश्लील वीडियो बना लिए थे। पुलिस ने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपियों द्वारा पीड़ितों से मोटी रकम भी वसूल की गई। डाबरी में आज यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस द्वारा राजस्थान के भरतपुर जिले से एक अंतरराज्यीय सेक्सटॉर्शन गैंग के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार करने के कुछ दिन बाद हुई है। पुलिस ने कहा कि आरोपी की पहचान नासिर के रूप में हुई थी और उसने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़ितों के आपत्तिजनक वीडियो इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देकर उनसे कथित तौर पर लाखों रुपये ऐंठ लिए थे। यह वीडियो फेसबुक और वॉट्सऐप पर उनके साथ चैटिंग के जरिए बनाए गए थे।

नोएडा में घर के बाहर वकील की गोली मारकर हत्या, पुलिस ने हत्यारों को पकड़ने के लिए 4 टीमें बनाई

नोएडा,(एजेंसी)। दिल्ली से सटे नोएडा के फेज दो थानाक्षेत्र के इलाबास गांव में सोमवार रात अज्ञात बदमाशों ने एक वकील की उनके घर के बाहर दो गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। निशांत पीलवान (28) सूरजपुर जिला न्यायालय में प्रैक्टिस करते थे। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। इस हत्याकांड से गुस्साए वकीलों ने मंगलवार को अदालत परिसर में एक शोक सभा कर काम का बहिष्कार किया। माना जा रहा है कि जमीनी विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया गया है। जानकारी के अनुसार, निशांत सोमवार रात करीब पौने दस बजे वह अपने घर के बाहर टहल रहे थे। इसी बीच अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। परिजन उन्हें नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बदमाशों ने एक गोली निशांत की पीठ और दूसरी पेट में मारी। मृतक के परिजनों ने पुलिस को दी शिकायत में कुछ रिश्तेदारों पर हत्या का शक जाहिर किया है। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि निशांत का उनके परिजनों व बहन के ससुराल पक्ष के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस इन्हीं एंगलों पर मामले की जांच कर रही है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) हरीश चंदर ने बताया कि वकील की हत्या के मामले में मृतक के परिजनों ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मामले के खुलासे के लिए पुलिस की चार टीम बनाई गई हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि निशांत का कुछ लोगों से जमीन को लेकर विवाद था। उन्होंने बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि निशांत का अपनी बहन के ससुराल पक्ष के लोगों से भी कुछ विवाद था। उन्होंने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। वहीं, वकील की हत्या पर जनपद गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन ने नाराजगी जताई है। बार एसोसिएशन के सदस्यों ने अदालत परिसर में मंगलवार को एक शोक सभा आयोजित की तथा काम का बहिष्कार किया। अधिवक्ता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज भाटी ने कहा कि आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं होने पर वकील इस मामले में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

गैर कानूनी तरीके से चल रही आनलाइन पैथ लैब पर दिल्ली हाईकोर्ट ने की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली । गैर कानूनी तरीके से संचालित आनलाइन पैथ लैब के खिलाफ दायर याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि आम जनता को भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति नज्मी वजीरी की पीठ ने कहा कि जांच के लिए नमूने सिर्फ अधिकृत लैब में ही जाने चाहिए, ताकि सही रिपोर्ट मिल सके। इससे पहले अदालत ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली व हरियाणा पुलिस को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान हरियाणा पुलिस की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता अनिल ग्रोवर ने पीठ को बताया कि जांच के बाद ऐसा एक भी मामला सामने नहीं आया जहां अवैध तरीके से लैब संचालित की जा रही हो। आनलाइन लैब ने भी कहा कि वह संबंधित प्राधिकार से पंजीकृत है। करार के तहत उसने दूसरे लैब को नमूने इकट्ठा करने को कहा था। पीठ ने इस पर अनिल ग्रोवर से पूछा कि तो क्या किसी भी व्यक्ति को भ्रमित नहीं किया जा रहा है, अधिवक्ता ने इसका न में जवाब दिया। याचिकाकर्ता रोहित जैन की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता शशांक देव सुधि ने हरियाणा के अधिकारियों द्वारा दिए गए बयान को गलत व झूठा होने का दावा किया। हरियाणा पुलिस की स्थिति रिपोर्ट रिकार्ड पर नहीं होने के कारण अदालत ने सुनवाई 25 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत के आदेश के बावजूद भी गैरकानूनी तरीके से चल रहे आनलाइन पैथ लैब पर कार्रवाई नहीं होने के चलते अवमानना याचिका दायर की है।

राम जन्मभूमि केस के वकील की वापस ली गई सुरक्षा पर पुनर्विचार करे दिल्ली पुलिस : हाईकोर्ट

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में राम जन्मभूमि मामले से जुड़े वकील की निजी सुरक्षा वापस लेने के निर्णय पर पुनर्विचार करें। इस मामले में केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का प्रतिनिधित्व कर चुके वकील आर. पी. मेहरोत्रा की निजी सुरक्षा वापस लेने के खिलाफ दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए जस्टिस रेखा पल्ली ने निर्णय पर पुनर्विचार करने के लिए दिल्ली पुलिस को दो हफ्ते का समय दिया और कहा कि वह अदालत के समक्ष अपनी रिपोर्ट एवं मूल रिकॉर्ड पेश करे। मामले को अगली सुनवाई के लिए 15 नवंबर को सूचीबद्ध करते हुए न्यायाधीश ने दिल्ली पुलिस के वकील से मौखिक रूप से कहा कि उनसे (पुलिस) कहिए कि फिलहाल एक सुरक्षा (कर्मी) देना शुरू करें। अदालत ने आदेश दिया कि याचिका पर गुण-दोष के आधार पर विचार करने से पहले प्रतिवादी संख्या दो (दिल्ली पुलिस) को यह निर्देश देना उचित प्रतीत होता है कि वह आज से दो हफ्ते के अंदर निर्णय पर पुनर्विचार करे। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के सितंबर 2013 के निर्देश के आलोक में वकील को पुलिस सुरक्षा दी गई थी। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि सुरक्षा नहीं हटाई जा सकती, इसके बावजूद सुरक्षा वापस ली गई। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने सुरक्षा कवर को तथ्यात्मक रूप से गलत आधार पर वापस ले लिया कि मेहरोत्रा आधिकारिक पक्षों के बजाय मामले में एक निश्चित हिंदू संगठन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वकील लूथरा ने मेहरोत्रा के खिलाफ वर्तमान में खतरे की आशंका नहीं होने के पुलिस के रुख पर आपत्ति जताई और कहा कि सुरक्षा वापसी का निर्णय एक कानूनी सलाहकार की राय पर आधारित था, जब मामले के अन्य समान रूप से रखे गए वकीलों को अभी भी इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार सुरक्षा दी जा रही थी।

डेटिंग एप पर कर रहे रजिस्ट्रेशन तो हो जाएं होशियार, कहीं गिरोह के जाल में न फंस जाएं

नई दिल्ली। डाबड़ी थाना पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो डेटिंग एप टिंडर पर शिकार की तलाश कर उनसे उगाही करता था। बदनामी व कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर ये शिकार से रुपये ऐंठते थे। वे डायरी पर उनका कबूलनामा भी लिखवाते थे। पुलिस को करीब 40 पीड़ितों का कबूलनामा मिल चुका है। शिकार के सामने गिरोह के सदस्यों में कोई खुद को जज तो कोई स्वयंसेवी संस्था का सदस्य तो कोई कानूनी सलाहकार के रूप में पेश करता था। पुलिस ने गिरोह के बदमाशों के पास से उगाही से हासिल 1,78,400 रुपये, तीन सोने की अंगूठी, चार मोबाइल फोन, तीन पुलिस फाइल, एक कार, एक स्कूटर, वाहन पर लगाने वाली लालबत्ती, एयर गन बरामद किए हैं। आरोपितों में रेवती, वैभव, सोनू सूरी, शीतल व हरविंदर शामिल हैं।

दिल्ली में 1 नवंबर से सभी कक्षाओं के लिए खुलेंगे स्कूल और कॉलेज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली में 1 नवंबर से सभी कक्षाओं के लिए स्कूल और कॉलेज खुलेंगे। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि कोरोना की वजह से बच्चों की पढ़ाई का काफी नुकसान हुआ है। अब दिल्ली में कोरोना की स्थिति काफी नियंत्रण में है। ऐसे में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक में 1 नवंबर से सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को सभी कक्षाओं के लिए खोलने का फैसला लिया गया है। स्कूलों को कुछ शर्तों के साथ खोला जाएगा।

सिसोदिया ने कहा कि कोई भी स्कूल बच्चों को आने के लिए बाध्य नहीं कर सकता है। स्कूल सुनिश्चित करेंगे की पढ़ाई ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में चले। बच्चों के पेरेंट्स की इजाजत लेनी जरूरी होगा। हर कक्षा के बच्चों को 50 फीसदी क्षमता के साथ बुलाया जाएगा। सिसोदिया ने कहा, स्कूल यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उनके टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ का वैक्सीनेशन 100 फीसदी पूरा हो चुका हो। डीडीसीए को बताया गया है कि दिल्ली में स्कूलों के 98-99 प्रतिशत स्टाफ को कम से कम एक डोज लग चुकी है। इससे पहले दिल्ली सरकार ने 1 सितंबर से 9वीं से 12वीं कक्षा तक के स्कूलों को खोलने की अनुमति दी थी।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा गठित विशेषज्ञों की एक समिति ने दिल्ली में चरणबद्ध तरीके से दिल्ली में सभी कक्षाओं के लिए स्कूलों को फिर से खोलने का सुझाव दिया था। समिति ने सुझाव दिया था कि इसे स्टेपवाइज किया जाना चाहिए, जिसमें पहले हायर क्लासेस और इसके बाद छोटी क्लासेस के छात्रों के लिए स्कूल फिर से खोले जाएं। कोविड-19 संक्रमित मामलों की समीक्षा के बाद, प्राइमरी के छात्रों को स्कूल बुलाना चाहिए।

पिछले साल मार्च में कोरोना के चलते राष्ट्रीय राजधानी में स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया था। कई राज्यों ने पिछले साल अक्टूबर में स्कूलों को आंशिक रूप से फिर से खोलना शुरू कर दिया था, वहीं दिल्ली सरकार ने इस साल जनवरी में केवल 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए नियमित कक्षाओं की अनुमति दी थी। लेकिन महामारी की दूसरी लहर के दौरान संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बाद फिर से कक्षाओं को स्थगित कर दिया गया था।

मोटर साइकिल पर 4 साल तक के बच्चे को पहनना होगा हेलमेट

नई दिल्ली/नोएडा । दिल्ली-एनसीआर में समेत समूचे देशभर के लोग अगर बच्चे के साथ दुपहिया वाहनों पर सफर करते हैं तो सतर्क हो जाएं, क्योंकि मोटर साइकिल पर अब 9 माह से ऊपर की आयु के बच्चे को हेलमेट पहनना होगा। इतना ही नहीं 9 माह से चार साल तक के बच्चे को हेलमेट के साथ मोटर साइकिल चला रहे व्यक्ति को बच्चे को अपने साथ रखने के लिए अपने और बच्चे के बीच बेल्ट भी लगाकर रखनी होगी। इतना ही नहीं, बच्चे का हेलमेट भी भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानदंड के अनुसार पहनना होगा। इसके अनुसार हेलमेट ऐसा होना चाहिए जो बच्चे के सिर पर ठीक से फिट बैठता हो। इसके अलावा जब चार साल तक की उम्र का बच्चा मोटर साइकिल पर बैठा हो तब मोटर साइकिल की गति सीमा भी 40 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक नहीं होनी चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस या उपयुक्त संस्था चालान भी कर सकती है।

केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसके लिए मोटर वाहन अधिनियम 2019 की धारा 129 को संशोधित कर दिया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने विभिन्न रोड सेफ्टी संगठनों के सुझावों पर मोटर वाहन अधिनियम में यह संशोधन मसौदा स्वीकार करते हुए इस बाबत संशोधन प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रोड सेफ्टी आरगेनाइजेशन के उपप्रधान एसके शर्मा का कहना है कि बच्चे की सुरक्षा के लिए यह प्रविधान जरूरी हैं।

इसके अलावा, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने दुपहिया वाहनों पर बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर एक ओर प्रस्ताव भी तैयार किया है। इसके तहत अगर किसी बाइक यानी मोटरसाइकिल पर पीछे चार साल से कम उम्र का बच्चा बैठा हो तो उसकी गति सीमा 40 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि 9 महीने से लेकर 4 साल की उम्र तक का बच्चा अगर पीछे बैठा है तो वह क्रैश हेलमेट पहना हो।

15 अक्टूबर तक सरकारी कर्मचारियों के लिए वैक्सीन की एक डोज लेना है जरूरी वरना होगी कार्रवाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली सरकार के कई विभागों ने अपने कर्मचारियों को रिमाइंडर जारी किया है। इसमें उनसे 15 अक्टूबर तक कोविड-19 वैक्सीन की कम से कम एक खुराक लेने को कहा गया है। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनका ऑफिस में आना प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और उस दिन उनकी अब्सेंट (अनुपस्थिति) लगाई जाएगी।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय ने सख्ती करते हुए अपने रिमाइंडर सर्कुलर में यह भी उल्लेख किया है कि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के आदेश का उल्लंघन करने पर आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई, एक साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। यह सर्कुलर मंगलवार को जारी किया गया है।

यह सुनिश्चित करने के लिए, डीडीएमए के सभी आदेशों के उल्लंघन पर कानून के समान प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। डीडीएमए के अधिकांश आदेशों में आखिरी कुछ पैराग्राफों में इसका उल्लेख किया गया है। सरकारी विभाग द्वारा एक सर्कुलर में दंडात्मक प्रावधान का उल्लेख करना थोड़ा असामान्य मामला है।

वित्त, राजस्व, श्रम, स्वास्थ्य और नागरिक आपूर्ति विभागों ने भी 16 और 26 अक्टूबर को इसी तरह के सर्कुलर जारी किए हैं लेकिन उसमें दंडात्मक कार्रवाई का उल्लेख नहीं है। सरकार के लगभग 100 विभागों में लगभग 3,00,000 कर्मचारी काम करते हैं।

डीडीएमए ने 8 अक्टूबर को एक आदेश जारी कर दिल्ली सरकार के सभी कर्मचारियों के लिए यह सुनिश्चित करना अनिवार्य कर दिया था वे 15 अक्टूबर तक कोविड वैक्सीन की कम से कम एक खुराक ले लें। ऐसा न करने की स्थिति में उन्हें ऑफिस आने की अनुमति नहीं दी जाएगी और ड्यूटी से उनकी अनुपस्थिति को अवकाश के तौर पर गिना जाएगा। बता दें कि वर्तमान में दिल्ली सरकारी कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम का प्रावधान नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हाल ही में हुए एक सर्वे से पता चला है कि दिल्ली सरकार के 95त्न से अधिक कर्मचारियों ने वैक्सीन की एक खुराक ले ली है।

दिल्ली के बुजुर्ग मुफ्त में करेंगे अयोध्या में राम लला के दर्शन, सीएम अरविंद केजरीवाल ने किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । दिल्ली कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में अयोध्या को भी शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसकी जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के जो बुजुर्ग अयोध्या में रामलला का दर्शन करना चाहेंगे उन्हें दिल्ली सरकार मुफ्त में अयोध्या के दर्शन कराएगी। उनकी यात्रा का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। फिलहाल कोरोना की वजह से यह यात्रा करीब डेढ़ साल से बंद पड़ी है, लेकिन जल्द ही शुरू हो जाने की उम्मीद है।

केजरीवाल ने कहा कि अब कोरोना नियंत्रण में है, हमारे अधिकारी इस प्रयास में लगे हुए हैं कि अगले एक माह में तीर्थ यात्रा दोबारा से शुरू हो जाए। अभी तक इस योजना में 35 हजार दिल्ली वाले लाभान्वित हो चुके हैं। मैं श्रवण कुमार बनकर सभी बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा कराना चाहता हूं।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने मंगलवार को रामनगरी अयोध्या पहुंचकर राम लला का दर्शन किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में हम दिल्लीवासियों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराते हैं। इसमें वैष्णो देवी, शिर्डी साई मंदिर, रामेश्वरम, द्वारिकापुरी, जगन्नाथ पुरी, हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वृंदावन आदि की तीर्थ यात्रा शामिल है। अब हम इसमें अयोध्या को भी शामिल करेंगे, जिससे दिल्ली के लोग रामलला का भी दर्शन कर पाएंगे। इस योजना के तहत यात्रियों के आवागमन सहित आवास और भोजन की भी व्यवस्था दिल्ली सरकार करती है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में अगर आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है, तो सभी प्रदेशवासियों को रामलला का दर्शन कराने की निश्शुल्क व्यवस्था होगी। जिस तरह से मुझे रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला और मैं चाहता हूं कि यह सौभाग्य हर भारतवासी को प्राप्त हो।

स्पेशल सेल को है पाकिस्तानी आतंकी अशरफ के साथी फैजान की तलाश, ट्रस्टों के जरिए मंगाता था हवाला का पैसा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की पूछताछ में लक्ष्मी नगर से गिरफ्तार पाकिस्तान निवासी मोहम्मद अशरफ ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पूछताछ में पुलिस के सामने भारत में मौजूद अशरफ के नए साथी का नाम सामने आया है। आरोपी का साथी फैजान पाकिस्तान से हवाला के जरिए आए पैसों को विभिन्न नामों से चलाए जा रहे ट्रस्ट के जरिए लेन-देन करता था।

इन ट्रस्टों में दावत-ए-इस्लामी, कुंजल इमाम, फैज-ए-मदीना समेत कुछ अन्य नाम शामिल हैं। इतना ही नहीं वेस्टर्न यूनियन के जरिए भी बड़ी रकम मंगाई गई थी, जिसकी मदद से वह भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता था। साथ ही इस पैसे के लिए देश भर में स्लीपर सेल को सक्रिय किया जा रहा था। यह जानकारी मिलने के बाद स्पेशल सेल की टीम ने देशभर में फैजान और सक्रिय स्लीपर सेल की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है।

फैजान की तलाश में की जा रही है छापेमारी- पुलिस को अशरफ ने बताया है कि वह भारत में अपने स्लीपर सेल को सक्रिय कर रहा था। जिसके बाद अब पुलिस फैजान और अशरफ द्वारा सक्रिय किए गए स्लीपर सेल की तलाश में दिल्ली और मुम्बई समेत विभिन्न जगहों पर रेड मार रही है और इन ट्रस्टों के अलावा वेस्टर्न यूनियन के ट्रांजक्शन को खंगाल रही है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आतंकी मोहम्मद अशरफ कई सवालों के जवाब देने में पुलिस का सहयोग नहीं कर रहा है। जिसको देखते हुए कोर्ट के आदेश पर उसका पॉलीग्राफिक टेस्ट करवाया गया। लेकिन इस दौरान भी

उसने डॉक्टरों का सहयोग नहीं किया। नतीजा पॉलीग्राफिक टेस्ट को उम्मीद के अनुरूप परिणाम नहीं निकल पाया। इसके बाद पुलिस टीम ने अर्जी देकर अशरफ के नार्को टेस्ट की मंजूरी मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। अब स्पेशल सेल की टीम अशरफ को गुजरात के गांधी नगर ले जाएगी। जहां उसकी नार्को जांच की जाएगी। पुलिस टीम को पूरी उम्मीद है कि नार्को टेस्ट में आतंकी से उन सवालों के जवाब मिलेंगे, जिनके बारे में जानना पुलिस के अहम है।

8 दिन की पुलिस रिमांड बढ़ी- पुलिस अधिकारी ने बताया कि आतंकी मोहम्मद अशरफ पूछताछ में पुलिस टीम के साथ सहयोग नहीं कर रहा है। अभी पुलिस को उससे कई सवालों के जवाब जानने हैं। अधिवक्ता दीपक त्यागी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा कोर्ट में आतंकी की पुलिस रिमांड को 10 दिनों के लिए बढ़ाने के लिए अर्जी दी थी। जिस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आतंकी की 8 दिनों की पुलिस कस्टडी बढ़ा दी।

अब इस दौरान आतंकी से पूछताछ के अलावा उसका नार्को टेस्ट भी पूरा किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि दिवाली और छठ पर्व से पहले दिल्ली में आतंकी हमले का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारी-भरकम भीड़भाड़ के बीच सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ा चैलेंज बन गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिवाली और छठ के त्योहार से पहले पुलिस व सेंट्रल खुफिया एजेंसियों की टीम खुफिया तौर पर एक बड़ा कॉम्बिंग ऑपरेशन चला रही है।

खुफिया सूत्रों की मानें तो अगले कुछ दिनों में सुरक्षा एजेंसियों व स्पेशल सेल की टीम कुछ लीड्स पर काम कर रही हैं। ?आशंका जताई जा रही है कि अगले कुछ दिनों में कुछ और संदिग्धों की गिरफ्तारी हो सकती है। यह पूरा ऑपरेशन दिल्ली समेत, जम्मू-कश्मीर, वेस्ट बंगाल, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र समेत अन्य जगहों पर चलाए जा रहे हैं।

दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा, सभी वार्डों में धरना देंगे विधायक

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति के विरोध में भाजपा ने बुधवार को प्रेसवार्ता कर सीएम केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि विधानसभा में भाजपा विधायकों ने नई शराब नीति का विरोध किया था। शराब पीने की उम्र कम कर दी गई। पहले 250 शराब की निजी दुकानें थीं जिनकी संख्या बढ़ाकर साढ़े आठ सौ की जा रही है। सभी होटल, रेस्तरां, बैंक्वेट हाल में भी शराब मिलेंगे। ठेके के बाहर लोग शराब पी सकते हैं। प्रत्येक वार्ड में तीन दुकानें खुलेंगी। इससे महिलाओं की परेशानी बढ़ेगी।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आरोप लगाया कि ड्राई डे के दिन भी कम कर दिए गए हैं। ठेकेदार शराब के ब्रांड व दाम तय करेंगे। शराब पर टैक्स दो फीसद से बढ़ाकर 12 फीसद कर दिया गया है जिसमें से छह फीसद ठेकेदार के पास जमा होगा। इससे भ्रष्टाचार बढ़ेगा। इसकी जांच होनी चाहिए। भाजपा विधायकों और महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं के साथ प्रत्येक वार्ड में धरना देगी।

वहीं, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष योगिता सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार शराब की दुकानें खोल रही है। सभी को पानी तो उपलब्ध नहीं कराया, शराब उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को महिला सुरक्षा बढ़ाना चाहिए। सरकार को बताना चाहिए कि जहां दुकानें खुल रही हैं वहां का वातावरण कैसा रहेगा। घरेलू हिंसा बढ़ेगी।

महिला उत्पीड़न बढ़ेगा। एक भी नई दुकान नहीं खोलने दी जाएगी। महिला मोर्चा के कार्यकर्ता प्रदर्शन करेंगी। आम आदमी पार्टी पंजाब को नशा मुक्त करने की बात करती है वहीं दिल्ली में शराब को बढ़ावा दिया जा रहा है। पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि निजी एजेंसियों के हाथों में शराब का कारोबार देकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में जल्द खराब श्रेणी में जा सकता है वायु प्रदूषण

नई दिल्ली । मानसून की वापसी और हवा के रुख में बदलाव होने के साथ ही दिल्ली-एनसीआर में हवा की गुणवत्ता बिगड़ने लगी है। इसके पीछे एक वजह पंजाब और हरियाणा में किसानों द्वारा पराली का जलाया जाना भी है। दिल्ली-एनसीआर में ज्यादातर जगहों पर वायु गुणवत्ता स्तर 150 के आसपास है, जिसमें बुधवार से इजाफा होने के आसार हैं। उधर, सरकारी एजेंसियों की मानें तो पड़ोसी पंजाब, हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में प्रवेश करने की संभावना है। आशंका जताई गई है कि एक ही दिन में एयर इंडेक्स संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में आ गया है और बुधवार को दोपहर बाद इसके खराब श्रेणी में जाने की संभावना है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के अनुसार मंगलवार को दिल्ली एनसीआर में सभी जगहों का एयर इंडेक्स 100 से ऊपर यानी मध्यम श्रेणी में रहा। सोमवार को यह 100 से नीचे संतोषजनक श्रेणी में था। सफर इंडिया के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने के 348 मामले रिकार्ड किए गए। पीएम 2.5 में पराली के धुएं की हिस्सेदारी आठ फीसद तक रही। पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर भी सोमवार के मुकाबले बढ़ गया। मंगलवार को यह क्रमशः 66 और 92 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया।

सफर का पूर्वानुमान है कि बदली हुई मौसमी परिस्थितियों के चलते बुधवार से प्रदूषण के स्तर में तेजी से इजाफा होने की संभावना है। बृहस्पतिवार तक एयर इंडेक्स 300 पार यानी बहुत खराब श्रेणी के शुरुआती स्तर तक पहुंच सकता है। शुष्क मौसम रहने पर पीएम 2.5 के साथ-साथ पीएम 10 के स्तर में भी इजाफा होगा।

दूसरी तरफ मंगलवार को दिन भर दिल्ली एनसीआर में मौसम साफ रहा। हल्की धूप भी खिली रही। लेकिन ठंडक का एहसास बरकरार रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 28.0 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 16.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 49 से 94 फीसद रहा। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को आसमान साफ रहेगा। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 और 15 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

दिल्ली में पैर पसार रहा है डेंगू फॉगिंग अभियान चलाएगी आप, बीजेपी पर साधा निशाना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी में डेंगू के बढ़ते मामलों के लिए आम आदमी पार्टी ने भाजपा शासित निगम को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी ने फैसला किया है कि डेंगू से दिल्ली को बचाने के लिए 27 अक्तूबर से पूरी दिल्ली में फॉगिंग अभियान शुरू करेगी। आप प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में अबतक सिर्फ पांच से सात फीसदी इलाकों में ही फॉगिंग हो रही है। डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं, इसलिए हमने फॉगिंग अभियान चलाने का फैसला किया है।

पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी के सभी 62 विधायक के अलावा सभी पार्षद अपने-अपने वार्ड के मोहल्ला स्तर पर फॉगिंग अभियान चलाएंगे, जिससे डेंगू के बढ़ते मामलों को कम किया जा सके। उन्होंने निगम पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा दिल्ली में डेंगू फैलाने की साजिश रच रही है। यही वजह है कि मलेरिया और अन्य जिम्मेदार अधिकारी एक बार भी किसी के घर चेकिंग करने नहीं गए हैं। उन्हें अब तक कम से कम 10 बार कॉलोनी घरों में मलेरिया, डेंगू की जांच के जाना चाहिए था। भारद्वाज ने कहा कि इस सीजन में हर साल मलेरिया-डेंगू-चिकनगूनिया फैलने का खतरा होता है।

नगर निगम की जिम्मेदारी होती है कि वह घरों में पानी तो नहीं जमा है इसकी जांच करे। फॉगिंग की जाए, मगर एक साजिश के तहत दिल्ली को डेंगू के नाम पर बदनाम करने के लिए निगम में बैठे भाजपा नेता चुप बैठे हैं। निगम की ओर से डेंगू, मलेरिया से बचाव के लिए किसी दवाई का छिड़काव नहीं किया गया है। न ही ब्रीडिंग चेक की गई है।

दिल्ली में लोग सार्वजनिक रूप से मना सकेंगे छठ, 1 नवंबर से खुलेंगे स्कूल; डीडीएमए से मिली मंजूरी

नई दिल्ली । छठ पर्व को लेकर दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी की ओर से खासकर यूपी और बिहार के लोगों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की गई है। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की एक अहम बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली में छठ पूजा को सार्वजनिक रूप से मनाने की अनुमति मिलेगी। यह सरकार द्वारा पहले से तय किए गए स्थानों पर बहुत सख्त प्रोटोकाल के साथ किया जाएगा। कोविड प्रोटोकाल के पालन के साथ सार्वजनिक स्थानों पर बेहद सीमित संख्या में लोगों को अनुमति दी जाएगी। इसके साथ 1 नवंबर से दिल्ली में सभी स्कूलों को खोलने पर भी सहमति बनी है।

1 नवंबर से खुलेंगे सभी स्कूल- वहीं, मनीष सिसोदिया ने यह भी जानकारी दी कि आगामी 1 नवंबर से दिल्ली में सभी स्कूलों को खोलने की अनुमति मिलेगी। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि किसी भी माता-पिता को अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। सभी स्कूलों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कक्षाओं में अधिकतम 50 फीसद क्षमता के साथ हाइब्रिड मोड में कक्षाएं होंगी।

बता दें कि इससे पहले पिछले महीने ही दिल्ली में यमुना घाट समेत किसी भी सार्वजनिक स्थलों पर छठ पूजा का आयोजन नहीं किए जाने का ऐलान हुआ था। उस समय उपराज्यपाल की अध्यक्षता वाली दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने छठ पूजा को लेकर निर्देश जारी किए थे। डीडीएमए ने कहा था कि कोविड के मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है कि छठ पर्व सार्वजनिक रूप से नहीं मनाया जाएगा। प्राधिकरण ने लोगों को सलाह दी थी कि वह अपने घर पर ही सुरक्षित तरीके से छठ पूजा मनाएं, लेकिन अब इस फैसले पर पुनर्विचार के साथ त्योहार को सार्वजनिक रूप से मनाने की छूट मिल गई है।

दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी समेत सभी राजनीतिक दलों ने छठ पर्व को सार्वजनिक रूप से मनाने की मंजूरी देने की मांग की थी। खासकर भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज यादव ने पिछले दिनों अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर जोरदार प्रदर्शन भी किया था, जिसमें उन्हें चोट भी आई थी।

संपादकीय

राज्यों को मिले किसानों की जिम्मेदारी

देश के ग्रामीण परिवारों के पास उपलब्ध भूमि और पशुधन के अलावा किसान परिवारों की स्थिति का आकलन करने वाला एसएएस, 2019 (इसे हाल में जारी किया गया है) भारत में खेती-किसानी के विविध व क्षेत्रोन्मुख चरित्र को प्रमुखता से उजागर करता है। यह बताता है कि कृषि आय और कृषि व गैर-कृषि गतिविधियों के अंतर्संबंध राज्य-दर-राज्य अलग-अलग हैं। लिहाजा, 'किसानों की आमदनी दोगुनी करने' या बाजार में प्रतिस्पर्द्धा के जरिये पैदावार बढ़ाने के रास्ते राज्यों की हकीकत समझने के बाद तय किए जाने चाहिए। यही वह मूल वजह है कि आखिर क्यों कृषि राज्य का विषय है और नए कृषि कानूनों में बुनियादी रूप से क्या गलत है।

आंकड़ों के मुताबिक, साल 2018-19 (जून-जुलाई) में एक कृषि परिवार की औसत मासिक आमदनी 10,829 रुपये (पेंशन और प्रेषित-धन सहित) थी। इसमें कृषि आय (फसल उत्पादन और मवेशी पालन) की हिस्सेदारी परिवार की औसत आय में 50 फीसदी से भी कम थी। मगर इस अखिल भारतीय आंकड़े में जिसकी जानकारी नहीं मिलती है और जिसकी ओर 'सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च' इशारा करता है, वह है राज्यवार विविधता। मसलन, केरल (22 फीसदी), पश्चिम बंगाल (28 फीसदी) और ओडिशा (35 फीसदी) जैसे राज्यों में कुल आय में कृषि की हिस्सेदारी एक तिहाई है, जबकि पंजाब (61 फीसदी) और मध्य प्रदेश (66 फीसदी) में यह 60 फीसदी से अधिक है। आय के स्रोतों पर करीब से नजर डालने पर उलझन और बढ़ जाती है। बिहार में औसत मासिक कृषि आय 4,478 रुपये थी, जबकि झारखंड में 1,929 रुपये। हालांकि, मजदूरी से औसत कमाई लगभग समान थी। बिहार में कुल आय में कृषि का हिस्सा 57 फीसदी है, जबकि झारखंड में यह बमुश्किल 37 प्रतिशत। झारखंड में औसतन कृषि परिवार की कुल आमदनी बिहार की तुलना में बहुत कम है। यहां एक चौंकाने वाला आंकड़ा भी है। दरअसल, केरल में कृषि से होने वाली औसतन मासिक आमदनी 4,688 रुपये है, जो बिहार से बहुत ज्यादा नहीं है। कर्नाटक के किसान महाराष्ट्र के किसानों की तुलना में करीब 26 प्रतिशत अधिक कमाते हैं। इतना ही नहीं, जोत के आकार पर कृषि आय निर्भर करती है। देश भर की बात करें, तो जमीन का आकार जब एक हेक्टेयर से अधिक हो जाता है, तब कुल आमदनी में कृषि आय की हिस्सेदारी 50 फीसदी की सीमा तक पहुंच पाती है। मगर इसमें भी राज्यवार भिन्नताएं हैं। मसलन, केरल में लगभग 37 फीसदी किसान परिवारों के पास .01 से एक हेक्टेयर के बीच जमीन थी, और वहां कुल मासिक आय में कृषि का योगदान सिर्फ 19 प्रतिशत है। दिलचस्प बात यह है कि केरल में बड़ी जोत (दो-चार हेक्टेयर) वाले परिवार भी अपनी आय का केवल 36 फीसदी हिस्सा खेती से कमा पाते हैं। तमिलनाडु में यह आंकड़ा 47 प्रतिशत, बिहार में 78 प्रतिशत और मध्य प्रदेश में 80 फीसदी है। बिहार में 80 प्रतिशत परिवारों के पास .01 से एक हेक्टेयर के बीच भूमि है। यहां की कुल आय में कृषि कर्म का योगदान 45 फीसदी है। मध्य प्रदेश में बहुत कम 52 फीसदी परिवारों के पास एक हेक्टेयर से कम जमीन है और उनकी आमदनी में खेती की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है। मगर वहां औसतन कृषक परिवार खेती से अपनी कुल आय का 56 प्रतिशत हिस्सा कमाता है।

वैसे, कृषि उत्पाद बाजार समितियों (एपीएमसी) और बाजारों के उलझे सवालों पर एसएएस डाटा एक सच्चाई की पुष्टि करता है, जिसकी तरफ पिछले सर्वेक्षण और जमीनी अध्ययन, दोनों ने इशारा किया है। पूरे देश में, एकाधिकार होने की बातों से कहीं दूर, बाजार समिति की मंडियां बिक्री के लिहाज से महत्वहीन हैं और सच्चाई यही है कि ज्यादातर किसान अपनी कृषि उपज को राज्यों की मंडियों के बाहर स्थानीय बाजार में बेचते हैं। हालांकि, इसमें भी क्षेत्रवार और फसल के हिसाब से अलग-अलग परिस्थितियां हैं, जिससे राज्यों में खरीद की सरकारी प्रणाली भी अछूती नहीं है। जाहिर है, इन आंकड़ों पर महज सरसरी निगाह डालने से समझ आ जाता है कि नीतिगत मोर्चे पर कितनी जटिल परिस्थिति है। कृषि उत्पादकता, बाजार तक पहुंच, गैर-कृषि जुड़ाव, अन्य रोजगार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा, सभी पर संजीदगी से काम करने की जरूरत है। मगर कृषि और गैर-कृषि, दोनों कार्यों से होने वाली ग्रामीण आय को बढ़ाने के लिए किस नीति को कितनी प्राथमिकता मिलनी चाहिए और इसकी रणनीति क्या होनी चाहिए, यह राज्यों के हिसाब से अलग-अलग तय करना श्रेयस्कर होगा। संसद ने जब कृषि कानूनों को पारित किया था, तभी हमने कहा था कि इन कानूनों में गड़बड़ी है, क्योंकि इनमें सुधार का ऐसा नजरिया अपनाया गया है, जो एक अत्यंत विविध और भिन्नता समेटे क्षेत्र में केंद्रीकृत नीति की वकालत करता है। राज्यों में कृषि कार्यों, बाजारों और राज्य संस्थानों के आपसी संबंध इतने अलग-अलग होते हैं कि बिहार में औसत कृषि आय केरल जैसी ही काफी ज्यादा है, लेकिन इसके कारण बिल्कुल अलग हैं। इस दिशा में काम करने के लिए हमें राष्ट्रीय बहसों में दो महत्वपूर्ण बदलाव करने पड़ेंगे। सबसे पहले यह मानना होगा कि राज्यों को हम नजरंदाज नहीं कर सकते। हमें राज्यों की विफलता की चर्चा करने के बजाय राज्य सरकारों की जवाबदेही तय करनी होगी। और दूसरा बदलाव यह करना होगा कि हमें राज्य सरकार के स्तर पर राज्य की क्षमता बढ़ाने के प्रयास तेज करने पड़ेंगे। इसका अर्थ है, नियोजन क्षमता का निर्माण, एक साझा तंत्र द्वारा राज्यों को आपस में जोड़ना (यह भूमिका नीति आयोग बहुत ही प्रभावी ढंग से निभा सकता है) और स्थानीय निकायों में निवेश। क्षेत्रीय विशिष्टता के आधार पर कृषि और गैर-कृषि कार्यों में संबंध बनाने और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए बेहतर समन्वय और विकेंद्रीकरण, दोनों की दरकार है। लिहाजा, हम कितने भी केंद्रीय कानून बना लें, लेकिन इन महत्वपूर्ण मसलों का वे कतई समाधान नहीं कर सकते। अब हमें नीतिगत बहसों का रुख बदला होगा और पूछना होगा कि बड़े सुधारों में निवेश करने और कृषि की महत्वपूर्ण चुनौतियों से पार पाने के लिए राज्यों की क्या-क्या आवश्यकताएं होंगी?

प्रवीण कुमार सिंह

भरोसे पर खरे उतरे प्रधानमंत्री मोदी, सुरक्षित हाथों में है भारत को महाशक्ति बनाने का सपना

इसके बाद मैं और मेरी पत्नी उनके साथ फोटो खिंचा सके। यह छोटा सा घटनाक्रम उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है। उनके जैसे करिश्माई और शक्तिशाली व्यक्ति के लिए इतना विनम्रता भाव आसान नहीं है। उनको नमन करना बनता है। उन्होंने अपना जीवन सुशासन को समर्पित कर दिया है। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और अब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में वह ऐसा कर रहे हैं। मेरी राय थी कि वह भारत के बेहतरीन प्रधानमंत्री हैं। मुझे लगता है कि वह भारत के सर्वकालिक महान प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। मैं ये बात बहुत हल्के अंदाज में नहीं कह रहा। भारत को महाशक्ति बनाने का मेरा सपना सुरक्षित हाथों में है।

हाल में मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैं पहले से ही उनसे बहुत प्रभावित रहा हूं। उनकी सादगी, ईमानदारी, विजन, काम को अंजाम देने पर फोकस, दृढ़ संकल्प, लचीलापन और इन सबसे बढ़कर उनके सामाजिक, आर्थिक और कल्याणकारी एजेंडे ने मुझे हमेशा बहुत प्रभावित किया है। भारत को एक वैश्विक महाशक्ति बनाने की उनकी आकांक्षा से भी मैं भाव विभोर रहा हूं। भारत को लोकतंत्र, सहिष्णुता, कौशल और उद्यमिता वर्ग का सदैव लाभ मिलता आया है। संप्रति भारत में विश्व की सबसे अनुकूल जनसांख्यिकी वास करती है, जहां देश की 25 प्रतिशत से अधिक आबादी 25 वर्ष से कम आयु वालों की है। कई वैश्विक कारक भी भारत के अनुकूल हैं। मसलन पूंजी की प्रचुरता, कम ब्याज दर, बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा विनिर्माण के लिए चीन का विकल्प तलाशना। ऐसी अनुकूल परिस्थितियों में भारत को एक उत्प्रेरक की आवश्यकता थी।

इतिहास के इस अहम पड़ाव पर प्रधानमंत्री मोदी ऐसे ही उत्प्रेरक हैं, जिनकी भारत को हमेशा से दरकार थी। वह दृढ़निश्चयी हैं, राजनीतिक रूप से कुशाग्र हैं और उनका नजरिया दीर्घकालिक है। वह निर्भीक हैं और बड़े फैसले लेने में बिल्कुल नहीं हिचकते, भले ही वे कुछ समय के अलोकप्रिय ही क्यों न हों। वह समय की भूमिका के साथ-साथ लोगों द्वारा परिवर्तन को स्वीकार करने की चुनौती को भी समझते हैं। सामाजिक विकास से जुड़ी उनकी नीतियों में भी मुझे पूरा भरोसा है और मैं पूरे विश्वास के साथ उनका समर्थन करता हूं। समान नागरिक संहिता वास्तव में किसी भी प्रगतिशील समाज के लिए आवश्यक तत्व है। उनका एजेंडा देश के सभी नागरिकों और

समुदायों के लिए उचित भाव वाला है। अतीत के उलट कल्याणकारी योजनाओं की सफलता को सुनिश्चित करने के लिए वह प्रत्यक्ष नकदी अंतरण यानी डीबीटी जैसी पहल पर जोर दे रहे हैं।

मुझे इसे लेकर भी बहुत खुशी है कि उनका प्रशासन भारत, भारतीयता और भारत के गौरव पर ध्यान दे रहा है। उनकी आर्थिक नीतियों में भी मुझे पूरा भरोसा है और मैं पुरजोर तरीके से उनका समर्थन करता हूं। आइबीसी, रेरा, बिजली सुधार, कृषि सुधार, श्रम सुधार, खनन सुधार, जीएसटी, कारपोरेट कर को तार्किक बनाने, निजीकरण, संपदा मौद्रीकरण और कर प्रणाली से जुड़े अर्थव्यवस्था के विभिन्न आयामों में सुधारों को गति देकर वह समृद्धि के लिए एक आधार तैयार कर रहे हैं। इन सुधारों की शक्ति 10 प्रतिशत या उससे अधिक की सतत आर्थिक वृद्धि के लिए आधारभूत स्तंभ बनेगी। यह सतत आर्थिक वृद्धि प्रत्येक भारतीय के लिए लाभदायक होगी, विशेषकर हाशिये पर मौजूद सबसे कमजोर तबकों के लिए। प्रधानमंत्री मोदी की विकास एवं कल्याणकारी नीतियों पर मुझे पूरा भरोसा है। स्वच्छ भारत, उज्ज्वला योजना, नल से जल पहल, जन आरोग्य योजना, जन धन योजना और पीएम आवास योजनाएं भारतीयों के जीवन में बदलाव लाई हैं। खासतौर से वंचित वर्गो को इनका सबसे अधिक लाभ मिला। इन योजनाओं ने न केवल उन्हें ऊपर उठाया, बल्कि उन्हें आर्थिक एवं वित्तीय तंत्र की मुख्यधारा में भी ले आई। इन योजनाओं से उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ। मैं इनसे हुए लाभ पर कुछ प्रकाश डालता हूं। यूनिसेफ के अनुसार देश की 50 प्रतिशत से कम आबादी को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। करीब 54 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं, जिनमें किशोरियां भी शामिल हैं, के रोजाना करीब 35 मिनट पानी का बंदोबस्त करने में खर्च होते हैं। तमाम बीमारियां भी पानी की वजह से होती हैं। नल से जल जैसी पहल इस बदरंग तस्वीर को सुधारेगी। आज लगभग प्रत्येक भारतीय का बैंक खाता है, जिसका श्रेय जन धन योजना को जाता है। जन धन के साथ ही यूपीआइ जैसे प्लेटफार्म से भारतीय बिना किसी खर्च और समय गंवाए आसानी से पैसों का लेनदेन करने में सक्षम हुए हैं, जबकि पहले यह इतना आसान नहीं था। काम के सिलसिले में दूर रहने वाला प्रत्येक भारतीय आज वीडियो काल के जरिये अपने परिवारजनों से बात कर सकता है।

ईश्वर ने मुझे मेरी आवश्यकता से अधिक ही दिया है, लेकिन मेरा यही सपना है कि प्रत्येक भारतीय के पास अपना घर, स्वच्छता से परिपूर्ण जीवन, पोषण, पेयजल, शिक्षा, बढ़िया नौकरी और एक प्रगतिशील समाज का हिस्सा होने के नाते इन सबसे बढ़कर भी बहुत कुछ होना चाहिए। मोदी जी सामाजिक, आर्थिक और विकास के इन पहलुओं पर केवल आज को ध्यान में रखकर ही नहीं, अपितु भावी पीढ़ियों के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। वह आर्थिक वृद्धि को इस प्रकार गति देने में सक्षम होंगे, जिससे प्रत्येक भारतीय के विकास और कल्याण के ये लक्ष्य वास्तविकता का रूप ले सकें। वह केवल अगले चुनाव को नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को ध्यान में रखकर सोच रहे हैं। मोदी जी भारत को तीन अद्भुत धाराओं की त्रिवेणी के मुहाने पर ले आए हैं। इनमें एक धारा तो 10 प्रतिशत से अधिक की सतत आर्थिक वृद्धि वाली है। दूसरी धारा सामाजिक नीतियों को सशक्त बनाने वाली है। तीसरी धारा प्रभावी कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी है, जिसके केंद्र में प्रत्येक भारतीय के जीवन की गुणवत्ता सुधारना है। भारत पहले कभी इतना सौभाग्यशाली नहीं रहा, जब ये सभी धाराएं एक ही साथ इस प्रकार सध रही हों।

जब मैं उनसे मिला तो उनकी विनम्रता देखकर हतप्रभ रह गया। करीब 18-20 घंटे काम करने के बावजूद उनके चेहरे पर शिकन का कोई नामोनिशान नहीं था। उनके साथ फोटो खिंचाने के लिए मेरी पत्नी के अनुरोध पर वह मेरी सेहत संबंधी कठिनाइयों को देखते हुए मेरे पास तक आए और दयालुता से मुझे उठने में मदद की। इसके बाद मैं और मेरी पत्नी उनके साथ फोटो खिंचा सके।

यह छोटा सा घटनाक्रम उनके विनम्र स्वभाव को दर्शाता है। उनके जैसे करिश्माई और शक्तिशाली व्यक्ति के लिए इतना विनम्रता भाव आसान नहीं है। उनको नमन करना बनता है। उन्होंने अपना जीवन सुशासन को समर्पित कर दिया है। पहले गुजरात के मुख्यमंत्री और अब भारत के प्रधानमंत्री के रूप में वह ऐसा कर रहे हैं। मेरी राय थी कि वह भारत के बेहतरीन प्रधानमंत्री हैं। मुझे लगता है कि वह भारत के सर्वकालिक महान प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। मैं ये बात बहुत हल्के अंदाज में नहीं कह रहा। भारत को महाशक्ति बनाने का मेरा सपना सुरक्षित हाथों में है।

मजबूत इच्छाशक्ति की मिसाल भारत, भागीदारी से कोविड-19 टीकाकरण को बनाया सफल

भारत की क्षमताओं ने मुझे बार-बार प्रभावित किया है। करीब 130 करोड़ की आबादी वाले उपमहाद्वीप सरीखे इस देश ने स्वास्थ्य के मोर्चे पर कठिन चुनौतियों का बखूबी तोड़ निकाला है। इसी कड़ी में भारत ने अब सौ करोड़ से अधिक कोविड रोधी टीके लगाकर एक और अविस्मरणीय उपलब्धि हासिल की है। यह वैक्सीन अभियान बहुत बड़ा होने के साथ ही तेज रफ्तार भी रहा। भारत की 73 प्रतिशत से अधिक आबादी को टीके के पहली खुराक दी जा चुकी है। वहीं 30 प्रतिशत लोग दोनों खुराक ले चुके हैं। इनमें से 48 प्रतिशत महिलाएं हैं। भारत की इस सफलता का विश्लेषण दो कारणों से बहुत महत्वपूर्ण है। एक तो यह कि इससे उत्साहित भारत इस मोर्चे पर निरंतरता के साथ आगे बढ़ सके। दूसरा यह कि भारत के अनुभव से सीख लेकर दूसरे देश अपनी परिस्थितियों के अनुसार उसे अपना सकें।

जहां तक भारत की सफलता के बिंदुओं की बात है तो सबसे पहली बारी दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति की आएगी। इसकी कमान स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभाली। उन्होंने इस साल 31 दिसंबर तक सभी वयस्क भारतीयों के टीकाकरण का लक्ष्य तय किया। अन्य नेताओं ने उनके आह्वान पर तत्काल अपेक्षित प्रतिक्रिया दी। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उच्च स्तरीय समितियां गठित की गईं, जिन्होंने वैक्सीन के शोध एवं विकास और विनिर्माण का खाका तैयार करने के साथ ही देश भर में वैक्सीन की चरणबद्ध आपूर्ति की योजना बनाई। इसकी शुरुआत सबसे अधिक जोखिम वाले वर्गों को वरीयता देने के साथ हुई। भारत की सफलता का दूसरा बिंदु टीकाकरण में भारत की महारत से जुड़ा है। भारत ने कई व्यापक टीकाकरण अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। भारत का सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम दुनिया में स्वास्थ्य पर होने वाले सबसे विस्तृत सरकारी खर्चों में से एक है। भारत में हर साल 2.7 करोड़ नवजात शिशुओं का आवश्यक टीकाकरण किया जाता है। वहीं हर साल एक से पांच वर्ष के 10 करोड़ से अधिक बच्चों को बूस्टर डोज दी जाती है। भारत में करीब 27,000 कोल्ड चेन फैसिलिटी हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़े यही दर्शाते हैं कि एक कारगर एवं प्रभावी स्वास्थ्य तंत्र को बनाने के लिए साल दर साल निरंतर रूप से निवेश होता आया है। ऐसा तंत्र जो दुर्गम और दूरदराज, के इलाकों में भी स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा पाए। महामारी के दौरान यह बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। अभी भारत में करीब 3,48,000 सरकारी और 28,000 निजी केंद्र कोविड-19 टीकाकरण में लगे हैं। इनमें उत्तर और पूर्वोत्तर के तमाम दुर्गम इलाके भी हैं। भारत में सक्रिय 23 लाख आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी पेशेवर स्वास्थ्य कर्मियों जैसा प्रशिक्षण दिया गया, ताकि देश में कोविड-19 का सुगम टीकाकरण सुनिश्चित हो सके। इस सफलता का तीसरा पहलू वैक्सीन और टीकों के विकास एवं उनके उत्पादन में भारत की विशेषज्ञता को भुनाने से जुड़ा है।

कोविड महामारी से पहले भी भारतीय टीकों ने मेनिनजाइटिस, निमोनिया और डायरिया जैसी बीमारियों से दुनिया भर में करोड़ों लोगों की जान बचाई है। हमें गर्व है कि हमारे फाउंडेशन ने भारत के विभिन्न हिस्सों से लेकर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग वाले कई देशों में इन टीकों को सुरक्षित एवं किफायती रूप से उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार सहित कई विनिर्माताओं के साथ मिलकर काम किया। इनमें सीरम इंस्टीट्यूट, भारत बायोटेक और बीआइओई जैसे संस्थान शामिल हैं। अब भारत में निर्मित कोविशील्ड और कोवैक्सीन भारतीयों को कोविड-19 के खिलाफ रक्षा कवच प्रदान कर रही हैं। भारत ने टीकाकरण अभियान की डिजिटल निगरानी के लिए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी शक्ति का बखूबी इस्तेमाल किया। कोविन जैसा ओपन सोर्स प्लेटफार्म इसकी उम्दा मिसाल है, जो टीकाकरण से जुड़ी विविध सूचनाओं और जानकारियों को समाहित किए हुए है। यह प्लेटफार्म भारत में अन्य स्वास्थ्य संबंधी अभियानों को सार्थक बनाने में सक्षम होगा। ऐसे प्लेटफार्म दूसरे देशों के लिए भी उपयोगी होंगे।

भारतीयों ने अपनी भागीदारी से कोविड-19 टीकाकरण को सफल बनाया है। पोलियो उन्मूलन में मिले अनुभवों से सीख लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों ने लोगों को लामबंद करने पर ध्यान केंद्रित किया। लोगों को जागरूक करने के लिए हरसंभव उपाय किए, जिनके अपेक्षित नतीजे भी मिले। टीके को लेकर लोगों की हिचक तोड़ी गई। इसके लिए 'वैक्सीन महोत्सव' भी आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी की। इस प्रगति के बावजूद हम तब तक सहज नहीं हो सकते जब तक कि दुनिया में अधिकांश लोगों को टीका न लग जाए। हमें कोरोना के नए प्रतिरूपों से भी सावधान रहना होगा।

वैक्सीन का असमान वितरण भी चिंताजनक है। निम्न आय वर्ग वाले देशों की तीन प्रतिशत से भी कम आबादी को टीका मिल पाया है। इन सवालों के जवाब अधिक से अधिक वैक्सीन विकास और उनके तेज उत्पादन में निहित हैं। इसके लिए वैक्सीन की वैश्विक विनिर्माण क्षमता को धार देनी होगी। कोवैक्स और वैक्सीन मैत्री जैसी गतिविधियों के जरिये भारत इसमें महती भूमिका निभाकर योगदान के लिए तैयार है। भारत मुझे आशान्वित करता है, क्योंकि उसने दिखाया है कि कोई देश मजबूत नेतृत्व और स्वास्थ्य तंत्र में निरंतर निवेश के माध्यम से कैसे अपनी जनता की रक्षा करने में सक्षम है। जो त्रासद समय बीत गया, उसका कुछ नहीं किया जा सकता, परंतु आने वाले समय को अवश्य संवारा जा सकता है।

आधी जंग बाकी है

इस सप्ताह देश ने कोरोना महामारी के खिलाफ जंग में एक जबर्दस्त बढ़त दर्ज की। भारत में टीका लगवाने वाले लोगों की संख्या सौ करोड़ के पार चली गई है। निश्चित रूप से यह संतोष और राहत की ही नहीं, गर्व की भी बात है। जब टीकाकरण की मुहिम देश में शुरू हुई थी, उस समय के माहौल की निराशा और चारों तरफ से व्यक्त की जा रही आशंकाओं के संदर्भ में देखें तो इतनी जल्दी इस अहम पड़ाव तक पहुंचना डॉक्टरों, नर्सों और तमाम स्वास्थ्यकर्मियों की लगातार मेहनत और उनके अद्भुत समर्पण के बगैर संभव नहीं था।

कुछ अपवादों के बावजूद आम देशवासियों के पॉजिटिव नजरिए की भी इसमें बड़ी भूमिका रही है। इन सब कारकों के सम्मिलित प्रभावों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश के एक टीम बन जाने की संज्ञा दी है। निश्चित रूप से यह उदाहरण बताता है कि एक टीम के रूप में देश बड़ी से बड़ी समस्या को चुटकी बजाते हल कर सकता है। मगर यह मौका संतोष महसूस करने के साथ ही यह याद करने का भी है कि इस उपलब्धि तक पहुंचने में कौन-कौन सी बाधाएं हमारे सामने आईं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि पहली लहर के उतार के बाद उपलब्धि का कुछ ऐसा ही एहसास हमारे मन में वह निश्चिंतता ले आया था कि कोरोना महामारी कोई बड़ी चीज नहीं है।

इस बेफिक्री के कारण जहां हममें से बहुतों ने टीके लगवाने के मामले में ढीला-ढाला रवैया अपनाया, वहीं भीड़भाड़ से बचने और दूरी बरतने की भावना भी कमजोर हुई। नतीजतन हमने दूसरी लहर की कभी न भूलने वाली विभीषिका देखी। सो ताजा उपलब्धि पर संतोष महसूस करते हुए भी हमें यह ध्यान में रखना होगा कि कोरोना की चुनौती को हलके में लेने की गलती न करने लग जाएं। दूसरी बात यह भी याद रखने की है कि इस उपलब्धि के बाद भी अभी हम आधे रास्ते में ही हैं। संपूर्ण वयस्क आबादी को पूरी तरह टीकाकरण के दायरे में लाने के लिए अब भी 90 करोड़ टीके लगाने की जरूरत है। दो साल से ऊपर के बच्चों की बात करें तो और 80 करोड़ डोज लगाने होंगे। यानी सौ करोड़ टीके लगाने के बावजूद अभी 170 करोड़ टीके लगाने का काम बाकी है। इस बीच कोरोना वायरस के फिर सिर उठाने की खबरें भी कई देशों से आ रही हैं। खासकर रूस, ब्रिटेन और सिंगापुर से। रूस में दोनों टीके लगवा चुकी वयस्क आबादी हमारी ही तरह 30 फीसदी के आसपास है। मगर ब्रिटेन और सिंगापुर में तो क्रमशः 67 फीसदी और 80 फीसदी लोग टीकाकरण के दायरे में आ चुके हैं। फिर भी वहां कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। जाहिर है, हम न तो टीकाकरण के मोर्चे पर कोई सुस्ती दिखा सकते हैं और न ही कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में किसी तरह की असावधानी बरतने का जोखिम ले सकते हैं।

मोहम्मद शमी पर ट्रोल अटैक बिलकुल बर्दाश्त के काबिल नहीं

गुमनाम आपराधिक धमकी के मामलों में आर्टिकल 507 के मुताबिक कार्रवाई हो सकती है. हालांकि, आईटी एक्ट 2008 में ऐसे मामलों के लिए विशेष रूप से कानून का उल्लेख नहीं है. लेकिन अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया, ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से प्रताड़ित किया गया है तो आरोपियों पर शिकंजा कसा जा सकता है. इन कानूनों का इस्तेमाल पलटवार करने के लिए भी किया जा सकता है. हम ऐसा नहीं करते, क्योंकि हम जानते ही नहीं कि इनका इस्तेमाल कैसे होता है? दरअसल, कुछ समय में इस तरह का हो-हल्ला शांत हो जाता है और घाव भी भर जाता है, लेकिन उसके निशान हमेशा के लिए रह जाते हैं.

उन्हें ट्रोल्स इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे बेहद निम्न स्तर के और बेकार लोग होते हैं. ये सोशल मीडिया की आड़ में छिपने वाले कायर और ओछे लोग होते हैं. हमें उन्हें नजरअंदाज करना चाहिए, लेकिन कभी-कभी उन्हें हकीकत बताने की भी जरूरत होती है. क्योंकि उनकी नफरत भरी बातें सुनने वाले लोगों की कोई कमी नहीं है, और जब हम इस पर चुप्पी साध लेते हैं तो जाने-अनजाने में उन्हें अन्याय करने की इजाजत दे देते हैं. रविवार को पाकिस्तान के साथ हुए क्रिकेट मैच के बाद ट्रोल्स ने मोहम्मद शमी पर अपशब्दों की बौछार लगा दी. जबकि भारत के सभी पांचों गेंदबाजों को विकेट नहीं मिला और शमी उनमें से एक थे. हमने मिस्ट्री बॉलर वरुण चक्रवर्ती को काफी ज्यादा तवज्जोह दी थी, लेकिन मुकाबले के दौरान उनकी गेंदबाजी में कोई रहस्य नजर नहीं आया और उनके खिलाफ मैदान में चारों तरह शॉट लगाए गए. जसप्रीत बुमरा का प्रदर्शन भी उनके करियर में डेंट लगाने जैसा रहा.

इस मामले में हमें दूसरे देशों को फॉलो करना चाहिए. ब्रिटेन में इंटरनेट ट्रोलिंग में लिप्त व्यक्ति के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण संचार अधिनियम के तहत तुरंत कार्रवाई होती है. यदि इस तरह के कम्युनिकेशन से किसी व्यक्ति को तनाव या अन्य परेशानी होती है तो मैसेज भेजने वाले को दोषी माना जडेजा ने ऐसा खेल दिखाया, जैसे यह आईपीएल का कोई मुकाबला था. भुवी ने शमी की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की, लेकिन वह भी महंगे साबित हुए. कुल मिलाकर दो पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने

पांचों भारतीय गेंदबाजों पर जोरदार हमला किया और उन्हें बेहद कमजोर साबित कर दिया. जब पांचों भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा तो निशाने पर सिर्फ एक पर क्यों लिया गया? क्योंकि वह मुस्लिम है? और इसी वजह से उसने विकेट न लेने साजिश रची? ट्रोल्स सोचते हैं उनकी हरकतों को जायज ठहराने के लिए यही तर्क काफी है, लेकिन बाकी चारों गेंदबाजों के लिए उनके पास क्या बहाना है? उन्हें तो किसी ने ट्रोल नहीं किया. वे चारों तो गैर-मुस्लिम थे. उन्हें तो मैच के दौरान सभी 10 विकेट लेने चाहिए थे.क्या शमी 2017 के दौरान मुस्लिम नहीं थे, जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विजाग में 35 रन देकर 5 विकेट लिए थे? या 2013 में तब जब उन्होंने 47 रन पर 5 विकेट चटकाकर वेस्ट इंडीज को जोर का झटका दिया था? या फिर पर्थ में जब उन्होंने 56 रन देकर ऑस्ट्रेलियाई टीम के 6 विकेट चटकाए थे? उन मौकों पर तो हम खुशी से झूम रहे थे. शमी, ऐसी ओछी हरकतों से आपको जरूर तकलीफ हुई होगी, लेकिन आप इस बात से सुकून महसूस करें कि हममें से ज्यादातर लोग भी इन ट्रोल्स की बातों से उतने ही आहत हैं. न सिर्फ आपको निशाना बनाया जाना अक्षम्य है. बल्कि सोशल मीडिया पर किसी को भी ऐसे चुनकर टारगेट करने का फैशन एक घिनौनी हरकत है.

अगर इस मुकाबले का छोटा-सा विश्लेषण करें तो हमने इस मैच को आईपीएल के तमाशाई माइंडसेट के साथ खेला. एक आम मैच की तरह. इसके अलावा मैच को लेकर हमारा रुख भी प्रतिक्रियात्मक था. रोहित पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने बेबस नजर आ रहे थे. राहुल को नो बॉल पर आउट दिए जाने पर ट्विटर पर हंगामा मचा है, लेकिन जो हुआ उसे आप बदल नहीं सकते कि हमने एक भी विकेट हासिल नहीं किया. मजेदार बात यह है कि हार-जीत का अंतर इतना ज्यादा था कि आप बुरा भी नहीं मान सकते. अगर 1986 में मियांदाद द्वारा आखिरी गेंद पर लगाए गए छक्के की तरह मैच खत्म होता तो मुझे बहुत बुरा लगता. मैच के दौरान जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ हास्यास्पद था.लेकिन फिर जब मैंने मोहम्मद शमी के खिलाफ लिखे गए मैसेज पढ़े तो जरूर मुझे बहुत बुरा लगा. सच कहूं तो मुझे ऐसी हरकत पर घिन आ रही थी. इस बेतहाशा मूर्खता और पूर्वाग्रह को छोड़ दिया जाए तो किसी को बदनाम कर उसे आत्मविश्वास के साथ खेलने में मदद कैसे दी जा सकती है? ट्रोल्स जब इस तरह किसी का अपमान करते हैं तो आपको आश्चर्य होता है कि उन्हें इतने सामान्य अंदाज में सहन क्यों किया जाता है, जैसे कि हमें उनके साथ जीना सीखना होगा?

क्यों? आखिरकार, वे लोगों का नुकसान कर रहे हैं. जो भी हो, इन ट्रोल्स कहें या कुछ और, लेकिन इन्हें साइबर लॉ का इस्तेमाल कर दंडित करने का समय आ गया है. इस मामले में हमें दूसरे देशों को फॉलो करना चाहिए. ब्रिटेन में इंटरनेट ट्रोलिंग में लिप्त व्यक्ति के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण संचार अधिनियम के तहत तुरंत कार्रवाई होती है. यदि इस तरह के कम्युनिकेशन से किसी व्यक्ति को तनाव या अन्य परेशानी होती है तो मैसेज भेजने वाले को दोषी माना जाता है.

भारत की भारतीय दंड संहिता, 1860 में ट्रोलिंग या बुलियिंग को परिभाषित नहीं किया गया है. हालांकि, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 में कई ऐसे प्रावधान किए गए हैं, जिनसे इन साइबर बुलीज और ट्रोर्ल्स पर लगाम लगाई जा सकती है. सेक्शन 67 अश्लीलता से संबंधित है और शमी भी ऐसी ही अश्लीलता के शिकार बने हैं. अगर कोई इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अश्लील सामग्री पब्लिश करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है. गुमनाम आपराधिक धमकी के मामलों में आर्टिकल 507 के मुताबिक कार्रवाई हो सकती है. हालांकि, आईटी एक्ट 2008 में ऐसे मामलों के लिए विशेष रूप से कानून का उल्लेख नहीं है. लेकिन अगर कोई व्यक्ति सोशल मीडिया, ईमेल या व्हाट्सएप के माध्यम से प्रताड़ित किया गया है तो आरोपियों पर शिकंजा कसा जा सकता है. इन कानूनों का इस्तेमाल पलटवार करने के लिए भी किया जा सकता है. हम ऐसा नहीं करते, क्योंकि हम जानते ही नहीं कि इनका इस्तेमाल कैसे होता है? दरअसल, कुछ समय में इस तरह का हो-हल्ला शांत हो जाता है और घाव भी भर जाता है, लेकिन उसके निशान हमेशा के लिए रह जाते हैं.

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

फतेहपुर में अधिकारी का जवाब- गाड़ी में पेट्रोल खत्म हो गया, भरवाओ तब जांच करने आएं...

फतेहपुर । पेट्रोल की महंगाई की आंच शायद अब जांच तक भी पहुंच गई है। यही वजह है कि मौके पर पहुंचने के लिए जांच अधिकारी शिकायतकर्ता से ही पेट्रोल की मांग करने में जरा भी नहीं हिचके। मंगलवार को ऐसा ही वाकया सामने आया, जब जगतपुर आदिल गांव में फर्जी हाजिरी लगाकर मनरेगा में सेंध लगाने के मामले की जांच के लिए टीम को वहां पहुंचना था। गांव न पहुंचने पर शिकायतकर्ता ने फोन कर जानना चाहा तो जांच अधिकारी बोले, गाड़ी में पेट्रोल खत्म हो गया है, भरवा दो तो जांच करने आएं...। शिकायतकर्ता ने फोन पर बातचीत का आडियो वायरल किया तो खलबली मच गई। जगतपुर आदिल में मनरेगा में चल रहे खेल को दैनिक जागरण ने जब प्रमुखता से प्रकाशित किया तो प्रशासन की नींद टूटी।

इस गांव में रोजगार सेवक अपने स्वजन और गांव के ऐसे लोगों की हाजिरी लगाकर भुगतान करा रहा है जो मनरेगा का काम करते ही नहीं। भिटौरा बीडीओ इसकी जांच के लिए मंगलवार को सहायक विकास अधिकारी उद्योग मुन्नीलाल पटेल, समाज कल्याण विभाग के अवर अभियंता संदीप श्रीवास्तव और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के अवर अभियंता को जगतपुर आदिल भेजा। जांच टीम जब देर तक नहीं पहुंची तो शिकायतकर्ता राहुल बाजपेयी ने सहायक विकास अधिकारी उद्योग को फोन किया। उन्होंने कहा कि रास्ते में हैं...पेट्रोल खत्म हो गया है, आओ पेट्रोल भरवाओ तो जांच करने पहुंचे। हालांकि शिकायतकर्ता जांच अधिकारी के बुलावे पर नहीं पहुंचा। जब जांच टीम गांव पहुंची तो रोजगार सेवक पक्ष के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। जांच टीम ने कुछ लोगों का बयान दर्ज किया और वापस लौट आई। राहुल बाजपेयी ने फोन पर बातचीत में पेट्रोल की मांग किए जाने का इंटरनेट मीडिया पर आडियो वायरल कर दिया। राहुल के नाम पर भी फर्जी तरीके से जाब कार्ड बनाकर मनरेगा का भुगतान कराया गया है। इधर, सीडीओ सत्य प्रकाश ने कहा कि अगर जांच के नाम पर पेट्रोल खर्च मांगा गया है तो जांच अधिकारी को कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। इससे पहले पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी।

पटना में गंगा घाटों का जायजा लेने निकले सीएम नीतीश कुमार, अधिकारियों के साथ कर रहे निरीक्षण

पटना। महापर्व छठ को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को पटना के गंगा घाटों का जायजा लेने निकले। उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद समेत तमाम आला अधिकारियों के साथ उन्होंने अलग-अलग घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान संपर्क पथ, सुरक्षा समेत अन्य बिंदुओं पर जरूरी निर्देश दिए। गांधी घाट से स्टीमर पर सवार होकर सीएम निकले। गंगा के बढ़े जलस्तर को लेकर अधिकारियों से उन्होंने बात की। बता दें कि लोक आस्था के महापर्व को लेकर राज्य सरकार की ओर से तैयारी की जा रही है। घाटों की सफाई के साथ ही संपर्क पथ की मरम्मत, दलदली जगहों पर मिट्टी भरे जा रहे हैं। नदी का जलस्तर अधिक रहने को देखते हुए बैरिकेडिंग भी की जा रही है। इन्हीं तमाम बिंदुओं का जायजा लेने सीएम निकले हैं। चार दिवसीय महापर्व आठ नवंबर को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। सीएम के साथ मुख्य सचिव दीपक कुमार, आनंद किशोर, कमिश्नर संजय अग्रवाल, डीएम चंद्रशेखर सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

लालू यादव की सभा के लिए न्यौता बांट रहे जदयू प्रवक्ता नीरज, बोले- मौज का पूरा इंतजाम रहेगा

पटना । राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव करीब छह साल के बाद आज किसी चुनाव सभा को संबोधित करेंगे। राजद अध्यक्ष बिहार विधानसभा की दो सीटों कुशेश्वरस्थान और तारापुर में आज चुनावी रैलियां करेंगे। इससे पहले वे 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार करते दिखे थे। इसके बाद करीब साढ़े तीन साल तक वे चारा घोटाले में सजा के तौर पर रांची की जेल में बंद रहे। जमानत पर जेल से बाहर आए लालू की नई सियासी पारी पर जदयू ने तंज कसा है। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार सिंह ने कहा है कि लोग सावधान हो जाएं, जंगल राज के सुल्तान आ रहे हैं। नीरज, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट में सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री रह चुके हैं। नीरज ने लालू पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार विधानसभा की दोनों सीटों पर अब रंगारंग हास्य ठहाकेदार कार्यक्रम होने वाला है।

लोगों की थकान अब मिट जाएगी। जमुरा और चेला के साथ 15 साल जंगल राज के सुल्तान आ रहे हैं। मौज के लिए भारी संख्या में पधारें। उन्होंने ट्वीट करते लिखा है कि अपने पशु चारे की रक्षा स्वयं करें। नीरज ने कहा कि लालू यादव ने अपने बेटों तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को भाड़े पर भीड़ बुलाने, मौका देखकर चेहरा चमकाने, आनन-फानन में दिल्ली से कूद कर आने, हंसी-मजाक करने और गाल बजाने, करतब कर ताली बजवाने और चुनाव के बाद गायब हो जाने का गुण अच्छा सिखाया है। उन्होंने कहा कि जनता उनको खोज रही है। राजद का दोनों सीटों पर चुनाव हारना बिल्कुल तय है।

चरवाहा विद्यालय की जगह खुला पोलीटेक्निक- नीरज ने कहा कि जहां लालू ने चरवाहा विद्यालय खोला था, वहां अब पोलीटेक्निक संस्थान है। बिहार के भविष्य को अपना चरवाहा विद्यालय पहुंचाया था। अपने बेटों को तो दिल्ली भेज कर खूब अंग्रेजी सिखाई। अब तारापुर जाकर क्या मुंह दिखाएंगे

लालू यादव छह साल बाद चुनावी रैली में दहाड़े, खराब सेहत पर भारी दिखा समर्थकों से मिलने का उत्साह

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव छह साल के बाद आज यानी 27 अक्टूबर को चुनावी सभा के मंच पर दिखे। इन छह वर्षों में लालू की सेहत और दमखम पहले की तरह नहीं रहा, लेकिन

उनकी शैली और उत्साह बिल्कुल पहले की तरह ही दिखा। चारा घोटाले के मामले में साढ़े तीन साल तक जेल की सजा काटने के बाद जमानत पर बाहर निकले लालू ने अपनी पहली चुनावी सभा मुंगेर जिले के तारापुर में की। इस दौरान उन्होंने हाथ हिलाकर अपने समर्थकों का अभिवादन किया और उनका उत्साह बढ़ाया। हम आपको लालू की सभा में इन छह साल के बीच हुए बदलाव और कई रोचक तथ्यों की जानकारी देंगे। आखिरी बार 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू ने चुनावी सभाओं को संबोधित किया था। तब उनकी पार्टी राजद का जदयू के साथ गठबंधन था।

वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ और अकेले भी चुनावी सभाएं करते थे। तब राजद की कमान पूरी तरह लालू यादव के हाथ में थी, लेकिन अब पार्टी का मुख्य चेहरा धीरे-धीरे उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव बनते जा रहे हैं। लालू ने अपने दोनों बेटों तेजस्वी और तेज प्रताप को 2015 के विधानसभा चुनाव में ही राजनीति के मंच पर लांच किया था। तब पिता के पीछे-पीछे चलने वाले तेजस्वी यादव अब राज्य की राजनीति में काफी आगे बढ़ गए हैं। लालू ने अपनी राजनीतिक विरासत काफी हद तक उन्हें सौंप दी है।

इससे पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में लालू-राबड़ी की बड़ी बेटी मीसा भारती की राजनीतिक लांचिंग हुई थी। 2015 के विधानसभा चुनाव में लालू यादव ने बिहार के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 250 चुनावी सभाएं की थीं। उनका निशाना भाजपा थी। यह सब तब हुआ था जब महज एक साल पहले यानी 2014 में उनका हार्ट का बड़ा आपरेशन हुआ था। लालू तब अपने दोनों बेटों को साथ लेकर चुनावी सभाओं में जाते थे। लालू ने कहा था कि वे बीजेपी को छठी का दूध याद दिला देंगे। इस चुनाव में राजद-जदयू गठबंधन की जीत हुई थी।

मऊ में बोले सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर-अखिलेश यादव यूपी के अगले मुयमंत्री

मऊ । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के 19वें स्थापना दिवस पर आज बुधवार को रतनपुरा ब्लाक के हलधरपुर (ढ़ोलवन) सुभासपा व सपा की मित्रता का गवाह बन रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-34 के किनारे स्थित मैदान में आयोजित जनसभा की तैयारियां लगभग एक दिन पूर्व ही पूर्ण हो चुकी थीं। सुबह नौ बजे के बाद से आयोजन शुरू हुआ तो मंच पर पदाधिकारियों का संबोधन शुरू हुआ। मंच से एक एक कर महापंचायत के बारे में जनता को संबोधित करते हुए आगामी चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं को जूझने के लिए तैयार रहने की अपील की गई। दोपहर 12.25 बजे समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर एक साथ आयोजन स्थल पर पहुंचे तो भीड़ ने नेताद्वय का जोरदार नारों से स्वागत किया। इससे पूर्व दोनों ही नेता एक साथ वाराणसी में बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचे तो कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहीं दोपहर 2.30 बजे जनसभा खत्म हो गई।

अखिलेश यादव ने सुभासपा के 19 वें स्थापना दिवस समारोह के मौके पर मंच से जनता को संबोधित किया। कहा कि -पूरे मैदान में चारो तरफ पीला और हरा रंग (झंडा) दिख रहा है। यह देख दिल्ली और लखनऊ में बैठे लोग लाल पीला हो रहे होंगे। यह ओम प्रकाश राजभर जी अछी तरह से जान रहे हैं। जिस तरह से बंगाल में खेल हुआ है उसी तरह प्रदेश में खदेड़ा होगा। प्रदेश में अब जो गठबंधन हुआ है उससे भाजपा का सफाया होगा। भाजपा ने जो सपने दिखाए, झूठ बोलकर जनता को बरगलाया। अब झूठ बोलने वालों की कोई सजिश दलित और पिछड़े वर्ग वालों पर सफल नहीं होगा। कोरोना संक्रमण काल में गरीबों को अनाथ छोड़ दिया गया। अब मेडिकल कालेज खोले गए। उद्घाटन कर दिया गया। पर्दा हटा तो अंदर कुछ भी मौजूद नहीं। अब लखनऊ वाले दिल्ली वालों के लिए और दिल्ली वाले प्रदेश के लिए झूठ बोल रहे हैं।

मऊ में जनसभा को संबोधित करते हुए ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मैं अगले मुख्यमंत्री को लेकर आया हूं। सरकार बनते ही गरीबों का बिजली बिल माफ होगा। दुनिया के सबसे बडे झूठे पीएम नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ हैं। अब उत्तर प्रदेश से योगी की विदाई तय है। हर तरफ महंगाई बढ़ी है। पश्चिम बंगाल के बाद अब उत्तर प्रदेश में खेला होगा। प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि योगी जी सुन लीजिए, मैं सत्ता पर बैठाना जानता हूं तो उतारना भी जानता हूं। सरकारी कर्मचारियों की समस्या को उठाते हुए कहा कि प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों संग वेतन की विसंगतियों को दूर करना है और पुलिस कर्मियों की ड्यूटी को आठ घंटे करने के साथ सप्ताह में एक दिन का अवकाश भी दिया जाएगा। भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि - कल के बाद भाजपा अफवाह उड़ाना शुरू कर देगी कि ओम प्रकाश राजभर 500 या एक हजार करोड़ लेकर बिक गया। लेकिन, इस पर विश्वास करने की जरूरत नहीं है। कहा कि अब हमारी पार्टी सुभासपा ने तय कर लिया है कि अगले मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के अखिलेश यादव ही होंगे। कहा कि इस समय हिन्दू नहीं देश ,संविधान, सरकारी संपत्ति खतरे में है। हम अखिलेश यादव के साथ सरकार बनाकर इसे बचाएंगे। पीएम नरेन्द्र मोदी कहते थे कि देश बिकने नही दूंगा और इसे धीरे-धीरे इसे बेच रहे हैं।

अखिलेश यादव बोले : सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को ट्वीट किया और लिखा कि- ग़रीबों, दमितों, शोषितों, वंचितों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, मज़दूरों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, शिक्षकों, कारोबारियों, नौकरीपेशा व पेशेवरों के अधिकारों की रक्षा के लिए झूठी व फ़रेबी भाजपा-सत्ता के ख़िलाफ़ 'मऊ का हलधरपुर मैदान एक राजनीतिक महायुद्ध का कुरुक्षेत्र साबित होगा'।

आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं का उत्साह सातवें आसमान पर बुधवार सुबह से ही नजर आया। मंगलवार को पूरे दिन तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया तो बुधवार सुबह से ही कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जमावड़ा रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के होने से सपाइयों का भी आयोजन में जमावड़ा रहा। यहां से आगामी विधानसभा चुनाव में नए गठजोड़ के पैगाम देने की तैयारी चल रही है।

आयोजन स्थल पर स्वयं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर छोटी-बड़ी हर समस्या के निराकरण के लिए कार्यकर्ताओं को लगातार उत्साहित कर रहे हैं। महा पंचायत की तैयारियों के बाबत उन्होंने बताया कि रैली में लगभग एक लाख लोगों के शामिल हो रहे हैं। इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता रात-दिन एक कर रैली स्थल की तैयारियों को अंतिम रूप देने तथा भ्रमण कर प्रचार-प्रसार में लगे हैं। यहां दो हेलीपैडों का निर्माण अंतिम दौर में है। यहां पर लोगों के बैठने के लिए लगभग 35 हजार से भी अधिक कुर्सियां लगाई गई हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों को लाने के लिए लगभग 13 हजार गाड़ियों की बुकिंग हो चुकी है। जैसा कि पूर्व निर्धारित है इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा मुखिया अखिलेश यादव हैं। आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश राजभर और सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव की राजनैतिक मित्रता का भी यह आयोजन साक्षी बनेगा। लोगों के बीच चर्चा का विषय है कि आगामी विधानसभा चुनावों के पूर्व सुभासपा भागीदारी संकल्प मोर्चा के दलों एवं समाजवादी पार्टी की दोस्ती का आगाज करने वाली यह महापंचायत क्या गुल खिलाएगी।

कानपुर के घाटमपुर में बड़ा हादसा, मिट्टी का टीले धंसने से नौ लोग दबे, सास-बहू की मौत

कानपुर । घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के मऊनखत गांव में बुधवार की सुबह बड़ा हादसा हो गया। मिट्टी का टीला ढहने से नौ लोग दब गए, जिसमें सास और बहू की मौत हो गई है। वहीं सात लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस और प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू कराया। घटना के बाद से गांव में अफरा तफरी का माहौल है और भीड़ लगी हुई है।

दीपावली का त्योहार आने पर गांव में लोग घरों की लिपाई-पुताई के लिए खेतों पर बने टीले से मिट्टी खुदाई करते हैं। चिकनी मिट्टी घर लाने के बाद कचे मकान की पुताई का काम करते हैं। मऊनखत गांव में भी कुछ ग्रामीण महिलाएं बुधवार की सुबह मिट्टी लाने के लिए खेतों की ओर गई थीं। गांव से कुछ दूरी पर टीला के नीचे छोटी सी सुरंग के अंदर घुसकर मऊनखत की 70 वर्षीय रामादेवी और उनकी 42 वर्षीय बहू अनीता पत्नी दिनेश के अलावा टिकवांपुर के 70 वर्षीय सितलू, 50 वर्षीय सुकीर्ति पत्नी छोटेलाल, 40 वर्षीय राधा पत्नी राजू, 62 वर्षीय भोली देवी पत्नी जगदीश, 35 वर्षीय गुड़िया, 13 साल का अरविंद और 18 साल का चिल्लू मिट्टी खोद रहे थे। इस बीच अचानक मिट्टी का टीला ढह गया और सभी महिलाएं मिट्टी के अंदर दब गई। घटना होते ही चीख पुकार मच गई और गांव से दौड़े ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया। काफी मिट्टी हटाने के बाद घायलों को बाहर निकालना शुरू कर दिया।

प्रधान की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में रमा देवी और उनकी बहू अनीता को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि बाकी सात लोगों का उपचार शुरू किया गया है। वहीं प्रशासनिक और पुलिस अफसर भी गांव पहुंच गए हैं। मिट्टी के नीचे और लोगों के दबे होने की आशंका पर बुलडोजर से मिट्टी हटवाकर दिखवाया। घटना के बाद से गांव में अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक अब मिट्टी में कोई फसा हुआ नहीं है हालांकि एहतियात के तौर पर सुबह 11ः30 बजे भी खुदाई की जा रही थी।

लखीमपुर खीरी हिंसा की जांच कर रही एसआइटी ने चशमदीद गवाहों से साक्ष्य देने के लिए निकाला विज्ञापन

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा कांड में उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी गवाहों को सुरक्षा देने के निर्देश के बाद विशेष अनुसंधान दल (एसआइटी) ने जांच की गति और तेज कर दी है। एसआइटी ने चश्मदीद गवाहों से साक्ष्य देने का अनुरोध करते हुए विज्ञापन निकाला है। विज्ञापन में एसआइटी अपने सदस्यों के संपर्क नंबर जारी किया है। प्रत्यक्षदर्शियों से आगे आकर अपने बयान दर्ज कराने और डिजिटल साक्ष्य प्रदान करने के लिए उनसे संपर्क करने का आग्रह करती किया है। एसआइटी का कहना है कि ऐसे लोगों की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी और उन्हें पुलिस सुरक्षा दी जाएगी।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार को आदेश दिया है कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले के सभी गवाहों को गवाह सुरक्षा योजना, 2018 के मुताबिक पुलिस सुरक्षा दी जाए। साथ ही कोर्ट ने अन्य महत्वपूर्ण गवाहों के बयान भी सीआरसीपी की धारा-164 के तहत मजिस्ट्रेट के समक्ष जल्द दर्ज कराने का निर्देश देते हुए कहा कि अगर बयान दर्ज करने के लिए मजिस्ट्रेट उपलब्ध नहीं हैं तो जिला जज नजदीक के मजिस्ट्रेट से बयान दर्ज कराएंगे। इसके अलावा कोर्ट ने हिंसा में मारे गए दो लोगों पत्रकार रमन कश्यप और श्याम सुंदर के बारे में प्रदेश सरकार को अलग स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। बता दें कि तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी में चार प्रदर्शनकारी गाड़ी से कुचल गए थे। इसके अलावा तीन अन्य लोगों को उग्र भीड़ ने पीट-पीटकर मार दिया था। इस हिंसा में एक पत्रकार भी मारा गया था। घटना में कुल आठ लोग मारे गए थे। दो वकीलों ने प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर मामले में दखल देने और जांच कराने का आग्रह किया था। कोर्ट ने पत्र पर संज्ञान लिया था और मामले की सुनवाई कर रहा है।

हिंसा से जुड़े दूसरे पक्ष पर भी एसआइटी ने कार्रवाई शुरू कर दी है। तिकुनिया में भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत के मामले में दो और आरोपितों को एसआइटी ने गिरफ्तार कर लिया है। गुरुविंदर सिंह और विचित्र सिंह को एसआइटी ने गिरफ्तार कर सीजेएम की कोर्ट में पेश किया गया। सीजेएम चिंताराम ने दोनों आरोपितों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। हिंसा मामसे में एक पक्ष से किसान जगजीत सिंह की तहरीर पर केंद्रीय राज्य मंत्री के पुत्र आशीष मिश्र समेत 20 अज्ञातों के खिलाफ बलवा, दुर्घटना में मौत व हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस पक्ष के 13 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि दूसरे पक्ष से लखीमपुर के सभासद सुमित जायसवाल की तहरीर पर 20-25 अज्ञात भीड़ में शामिल लोगों के खिलाफ बलवा व हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। गुरुविंदर सिंह की पुलिस कस्टडी रिमांड पर बुधवार को सुनवाई होगी।

यूपी में कांग्रेस के लिए पिछड़ों व दलितों को साधने में जुटे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस का वरिष्ठ पर्यवेक्षक बनाये जाने के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सूबे में पार्टी के मिशन 2022 को धार देने लगे हैं। वह पिछड़ों, दलितों और किसानों को साधने की मुहिम में जुट गए हैं। इसके लिए फिलहाल उन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के गोटियां बिछाना शुरू कर दिया है। कुर्मी बिरादरी से ताल्लुक रखने वाले बघेल को कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में पिछड़ी जातियों को साधने के मकसद से ही आगे किया है। उन्होंने पिछड़ी और दलित जातियों के सामाजिक संगठनों को पार्टी के पक्ष में लामबंद करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी लखनऊ सोमवार को एक होटल में जहां कुर्मी बिरादरी के सामाजिक संगठनों और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से विस्तार से चर्चा की, वहीं मंगलवार को अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाली कोरी बिरादरी के संगठनों के साथ उन्होंने विधानसभा चुनाव को लक्ष्य कर मंथन किया।

सोमवार को भूपेश बघेल ने भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और कुर्मी महासभा व क्रांति मंच जैसे कुर्मी बिरादरी के विभिन्न संगठनों के साथ चुनावी चर्चा की। उन्होंने संगठनों के पदाधिकारियों से कहा कि यदि कुर्मी समाज कांग्रेस के साथ जुड़ता है तो उसे जो सम्मान मिलेगा, वह भाजपा नहीं दे पाएगी। संगठनों के पदाधिकारियों की ओर से मांग की गई कि कुर्मी बहुल क्षेत्र से बिरादरी के लोगों को टिकट दिये जाएं। भूपेश बघेल ने उन्हें इसका आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मंगलवार को कोरी बिरादरी के संगठनों को कांग्रेस के पाले में लाने की कोशिश की। कांग्रेस के प्रदेश महासचिव जयकरन वर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में बघेल के कार्यक्रम मीरजापुर, कौशांबी, शाहजहांपुर, श्रावस्ती और अंबेडकरनगर जैसे जिलों में आयोजित करने की योजना है।

कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद समेत भाजपा के मनोनीत चार नए एमएलसी ली शपथ, सीएम योगी आदित्यनाथ भी रहे मौजूद

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में पिछले दिनों मनोनीत हुए भारतीय जनता पार्ची के चार नए विधान परिषद सदस्यों (एमएलसी) को बुधवार को शपथ दिलाई गई। विधान भवन के राजर्षि पुरुषोत्तम टंडन हाल में आयोजित कार्यक्रम में शपथ विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह ने दिलाई। शपथ लेने वालों में कैबिनेट मंत्री जितिन प्रसाद, संजय निषाद, चौधरी वीरेंद्र सिंह और गोपाल अंजान हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी उपस्थित रहे।

बता दें कि पिछले माहीने भाजपा संगठन और सरकार ने चार ऐसे कार्यकर्ताओं के नाम विधान परिषद सदस्य के लिए चुने, जिनके सहारे विधानसभा चुनाव

की रणनीति को चौतरफा साधने में मदद मिले। अलग-अलग समीकरणों में माफिक बैठ रहे चौधरी वीरेंद्र सिंह गुर्जर, गोपाल अंदाज भुर्जी, जितिन प्रसाद और संजय निषाद को एमएलसी मनोनीत किया है।

ब्राह्मण चेहरे जितिन प्रसाद एमएलसी बनाकर योगी मंत्रिमंडल में भी जगह दी गई। वहीं माना जा रहा था कि निषाद का मंत्री बनना तय है, लेकिन अंततः समझौता एमएलसी पर ही हुआ।

मार्च, 2019 में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए छह बार के विधायक वीरेंद्र सिंह गुर्जर पर पार्टी ने भरोसा जताया है। मूल रूप से शामली के कैराना निवासी गुर्जर का जाट बेल्ट में अछा प्रभाव माना जाता है। इसी तरह पिछड़ों को अपनी चुनावी रणनीति में आगे लेकर चल रहे भगवा दल ने उप्र खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष गोपाल अंजान भुर्जी को भी विधान परिषद भेजने का निर्णय लिया गया। मुरादाबाद निवासी गोपाल सहित पिछड़ा वर्ग से संजय निषाद और वीरेंद्र गुर्जर लिए गए।

कैमूर के खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर, खेल भवन और जिम का जल्द होगा निर्माण

कैमूर । कैमूर के खिलाड़ियों को अब सरकार की तरफ से बेहतर सुविधाएं जल्द मिलने वाली हैं। जिला मुख्यालय भभुआ नगर में खेल भवन सह व्यायामशाला का शीघ्र ही निर्माण होगा। इसके लिए विभाग की ओर से राशि आवंटित कर दी गई है। जिला मुख्यालय पर खेल भवन के साथ व्यायामशाला का निर्माण होने से जिले की खेल प्रतिभाओं को विभिन्न खेल स्पर्धाओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

इस मामले में जिला खेल पदाधिकारी ओमप्रकाश का कहना है कि, जिला मुख्यालय में खेल भवन सह व्यायामशाला के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान हो गई है। कला संस्कृति एवं खेल विभाग द्वारा खेल भवन सह व्यायामशाला के निर्माण के लिए छह करोड़ 60 लाख रुपये की राशि का आवंटन भी कर दिया गया है। आवंटित राशि विभाग द्वारा बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिमिटेड को हस्तांतरित कर दी गई है। जिला खेल पदाधिकारी ने कहा कि खेल भवन सह व्यायामशाला के निर्माण के लिए 51 डिसमिल जमीन उपलब्ध हो चुकी है। कैमूर जिले की स्थापना वर्ष 1991 में की गई थी।जानकारी के मुताबिक जिला के स्थापना के बाद से अब तक खेल विभाग का अपना कोई भवन नहीं था। जगजीवन स्टेडियम में अस्थाई तौर पर खेल कार्यालय का संचालन किए जाने की बात बताई गई। जिला मुख्यालय पर खेल भवन की स्थापना होने के साथ व्यायामशाला बनाए जाने जिले के खिलाड़ियों को काफी फायदा मिलेगा। बेहतर सुविधा मिलने के बाद खिलाड़ियों के खेल और अच्छा होने की उम्मीद है।

सठौराकांड में मोतिहारी शहर से दो गिरफ्तार, अन्य आरोपितों ने नेपाल में ली शरण

पूर्वी चंपारण (मोतिहारी)। जितना थाना क्षेत्र के सठौरा गांव में सोमवार की शाम बेटी की ससुराल में स्वजनों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग कर दामाद की हत्या करने तथा उसके परिजनों को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में गुड्डू सिंह और जितेंद्र सिंह शामिल हैं। दोनों को मोतिहारी शहर के शांतिपुरी मुहल्ले से गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस कांड के अन्य आरोपितों के नेपाल में शरण लेने की सूचना है। इस बीच घटना की वैज्ञानिक जांच के लिए मुजफ्फरपुर से फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री (एफएसएल) टीम घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंचनेवाली है। यहां बता दें कि जितना थाना क्षेत्र के सठौरा गांव में सोमवार की देर शाम गांव के रिटायर्ड फौजी मनोरंजन सिंह ने अपने स्वजनों के साथ अपनी ही बेटी पूजा की ससुराल में जमकर कोहराम मचाया। घर पर धावा बोल अंधाधुंध फायरिंग की जिसमें उसके दामाद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं उसने बेटी, समधी व समधिनी को मारपीट कर तथा धारदार हथियार से गंभीर रूप से घायल कर दिया। सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पूजा की सास को गंभीर स्थिति में एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक नवीन चंद्र झा ने भी घायलों से सदर अस्पताल में जाकर मुलाकात की और घटनास्थल का भी जायजा लिया है। उन्होंने मामले में पुलिस की निष्क्रियता के लग रहे आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही एसआईटी का गठन कर पूरे मामले में कार्रवाई को कहा है। गौरतलब हो कि घटना आर्नर कीलिंग है। 24 वर्षीय पुत्र अवनीश कुमार ने कुछ माह पूर्व गांव की ही एक लड़की से प्रेम विवाह किया था। इसके बाद दोनों भागकर किसी दूसरे प्रदेश में रह रहे थे।

यूपी के मंत्री उपेंद्र तिवारी ने पीएम नरेन्द्र मोदी को बताया भगवान का अवतार, कहा- प्रधानसेवक के रूप में काम करने आए

हरदोई । खेल, युवा कल्याण एवं पंचायतराज विभाग के रायमंत्री स्वतंत्र प्रभार उपेंद्र तिवारी एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। हरदोई में आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वछ भारत अभियान पर रसखान प्रेक्षागृह में आयोजित गोष्ठी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़ते पढ़ते उन्हें साक्षात भगवान को स्वरूप भी बता दिया।

उपेंद्र तिवारी ने कहा कि ऐसा माहपुरुष धरती पर एक बार ही धरती पर आता है। इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई साधारण व्यक्ति नहीं है वो साक्षात भगवान का स्वरूप है। वे प्रधानसेवक के रूप में हमारे आपके बीच काम करने आए हैं। इससे पहले भी उपेन्द्र तिवारी अपने बेतुके बयान को लेकर चर्चा में आ चुके हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के उरई में उन्होंने महंगाई और पेट्रोल, डीजल के बढ़ते दाम को लेकर बेतुका बयान दिया था। उन्होंने कहा कि मुट्ठी भर लोग ही चार पहिया वाहनों का उपयोग करते हैं और उन्हें पेट्रोल की आवश्यकता होती है।

95 पर्सेंट लोगों को पेट्रोल की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने कहा कि लोगों को 100 करोड़ से अधिक वैक्सीन की खुराक मुफ्त में दी गई। यदि आप (ईंधन की कीमत) की प्रति व्यक्ति आय से तुलना करते हैं, तो कीमतें अभी बहुत कम हैं। उन्होंने दावा किया कि आम आदमी की आमदनी बढ़ी है।

मंगलवार को कार्यक्रम में बोलते हुए विरोधी पार्टियों पर जमकर बरसे और सपा, बसपा व कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।रायमंत्री ने कहा कि जो बुआ भतीजे को नहीं देखना चाहती थी, जो भतीजा बुआ को नहीं देखना चाहते थे ऐसे 24 दलों का लोकसभा चुनाव 2019 में महागठबंधन बना।

यह महागठबंधन नहीं ठगबंधन था। जो अब बिखर चुका है। इस महागठबंधन का एजेंडा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाना था, लेकिन मोदी का एजेंडा गरीबी हटाओ, भुखमरी हटाओ, बेरोजगारों को रोजगार दो, मजदूरों को काम दो, किसानों की आमदनी दोगुना करो, जरूरतमंद को आवास दो, शौचालय बनाओ, निश्शुल्क गैस कनेक्शन दो, जिनके घर बिजली नहीं थी, उन्हें बिजली दो, वृद्धा, विधवा व दिव्यांग पेंशन दो आदि था। इसलिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकप्रिय नेता हैं। आम जनता ने महागबंधन को दरकिनार कर वर्ष 2019 में मोदी की सरकार बनवाई।

उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने वर्ष 2019 में शपथ ग्रहण के कुछ दिन बाद ही जम्मू और कश्मीर से 35ए और अनुछेद 370 हटाने का काम किया। उत्तर प्रदेश में मोदी और योगी की सरकार ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रदेश में एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुख शाहाबाद त्रिपुरेश मिश्रा, भाजपा नेता पीके वर्मा, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत स्वाती जैन समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

भाजपा ने हमेशा से विकास को अपना लक्ष्य बनाया : शर्मा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने रैगांव और पृथ्वीपुर में चुनावी सभाओं को किया संबोधित

भोपाल (एजेंसी)।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पिछले 16 वर्षों से चल रही भाजपा की इस विकास यात्रा को आगे बढ़ाना है। प्रदेश में विकास की गंगा तो भाजपा ने ही बहाई है, कांग्रेस ने तो प्रदेश का बंटाढार किया है। श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा ने हमेशा से विकास को ही अपना लक्ष्य बनाया है और विकास के लिए ही राजनीति में आई है। इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान रात-दिन लगे हुए हैं। यह बात श्री शर्मा ने बुधवार को रैगांव में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि देश से गरीबी हटाने का नारा तो कांग्रेस ने दिया था, लेकिन गरीबी हटाने का काम हमारे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने किया है। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 123 काम तो ऐसे किए हैं, जिन्होंने प्रदेश के गरीबों, किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों, अल्पसंख्यकों सहित हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाया है।

कांग्रेस ने कभी नहीं की गरीब और गरीबी की चिंता

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा है कि एक तरफ देश व प्रदेश में भाजपा सरकार विकास का पर्याय बन रही है तो दूसरी तरफ कांग्रेस की घटिया मानसिकता भी सामने आ रही है। देश के जवान सीमा पर अपने प्राणों की आहूति दे रहे हैं, लेकिन कांग्रेस और उसके कमलनाथ, दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं को उनके परिजनों को सांत्वना देने की फुर्सत नहीं है। ये तो सर्जिकल स्टाइक का भी सबूत मांगते हैं। आतंकवादियों को जी कहकर बुलाते हैं, लेकिन शहीदों का अपमान करते हैं। कांग्रेस के तो जींस में ही घटियापन है। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी गरीब और गरीबी की चिंता नहीं की। कमलनाथ ने भाजपा सरकार की गरीब हित की योजनाएं भी बंद कर दी थीं।

पृथ्वीपुर को भयमुक्त बनाकर बनाना है विकासयुक्त

पृथ्वीपुर में भाजपा प्रत्याशी डॉ. शिशुपाल यादव के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में गुंडागर्दी और आतंक चरम पर था। चंबल से लेकर चित्रकूट और पृथ्वीपर तक में जमकर आतंक और गुंडागर्दी थी। लेकिन अब यह स्थितियां नहीं हैं। अब पृथ्वीपुर से भी आतंक और गुंडागर्दी को समाप्त करना है, इसके लिए भाजपा को लेकर आना है। श्री शर्मा ने कहा कि अब पृथ्वीपुर को भयमुक्त बनाकर इसको विकासयुक्त भी बनाना है। श्री शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश को विकास का प्रदेश भाजपा सरकार ने बनाया है। कांग्रेस तो सिर्फ बातें करती थीं, लेकिन भाजपा ने जमीनी स्तर पर कार्य करके दिखाया है। कांग्रेस के दिग्विजयसिंह ने तो मध्यप्रदेश को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। इसके बाद कमलनाथ ने भी 15 माह में भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को ही बंद कर दिया था। अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गरीबों की बेहतरी के लिए फिर से इन योजनाओं को शुरू किया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र खटीक, अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य, प्रदेश सरकार के मंत्री गोपाल भार्गव, विश्वास सारंग, डॉ प्रभुराम चौधरी, प्रद्युम्न सिंह तोमर, भारत सिंह कुशवाह, प्रदेश महामंत्री हरिशंकर खटीक, प्रदेश मंत्री ललिता यादव, पूर्व विधायक अनिता नायक सहित पार्टी पदाधिकारीए कार्यकर्ता एवं आमजन मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में बुधवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री मंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, कोविड इमरजेंसी रिस्पान्स पैकेज और टीकाकरण वृद्धि के लिए आयोजित बैठक में शामिल हुए।

मप्र में 6 करोड़ 90 लाख से अधिक वैक्सीन डोज लगाए : डॉ. मिश्रा

नई दिल्ली में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की बैठक में शामिल हुए गृहमंत्री

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में आयोजित प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अधोसंरचना मिशन और इमरजेंसी कोविड रिस्पांस पैकेज एवं राष्ट्रीय कोविड-19 वैक्सीनेशन की बैठक में शामिल हुए।

श्री मिश्रा ने बताया कि मध्यप्रदेश में अब तक 6 करोड़ 90 लाख 33 हजार वैक्सीन डोज लगाए जा चुके है। श्री मिश्रा के साथ प्रदेश के अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य मोहम्मद सुलेमान भी मौजूद थे। श्री मिश्रा ने बताया है कि केन्द्र सरकार के सहयोग से विश्व के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में मध्यप्रदेश में अब तक 4 करोड़ 97 लाख 95 हजार वैक्सीन की प्रथम डोज और एक करोड़ 92 लाख 38 हजार को वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगाई जा चुकी हैं। प्रदेश में अब तक 47 प्रतिशत वैक्सीन डोज महिलाओं को तथा 53 प्रतिशत वैक्सीन डोज पुरुषों को लगाई गई है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि सर्वाधिक पात्र जनसंख्या वाले प्रदेशों में प्रथम डोज के वैक्सीनेशन में मध्यप्रदेश 90.6 प्रतिशत कव्हरेज के साथ द्वितीय स्थान पर है।

गर्भवती महिलाओं के वैक्सीनेशन में मध्यप्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में 3 लाख 12 हजार गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन की प्रथम डोज और 47 हजार गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन की द्वितीय डोज लगाई जा चुकी है। श्री मिश्रा ने बताया कि बैठक में कोविड वैक्सीनेशन को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही आयुष्मान भारत योजना का लाभ अधिक से अधिक जनता को दिलाने पर जोर दिया गया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के मंत्री मौजूद थे।

उपचुनाव: 30 अक्टूबर को होने वाले मतदान के लिए चुनाव आयोग ने कीं सभी तैयारियां पूरी

प्रदेश में थमा चुनावी शोरगुल

अब प्रत्याशी घर-घर जाकर कर सकेंगे जनसंपर्क

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में खंडवा संसदीय और रैगांव, जोबट तथा पृथ्वीपुर विधानसभा उपचुनावों के लिए बुधवार शाम छह बजे चुनावी शोरगुल थम गया। इसके बाद अब प्रत्याशी घर-घर जाकर जनसंपर्क कर सकेंगे। मतदान को लेकर चुनाव आयोग द्वारा तैयारियों पूर्ण कर ली गयी हैं। चुनाव प्रचार अभियान की समय सीमा समाप्त होने के बाद अब किसी भी तरह की सभाएं, रोड शो नहीं होंगे। प्रत्याशी सिर्फ घर-घर जाकर ही जनसंपर्क कर सकेंगे। राजनीतिक दलों के पदाधिकारी या चुनाव प्रचारक, जो उस विधानसभा के मतदाता नहीं हैं, उन्हें जिले के राजस्व सीमा से बाहर जाना होगा।

मतदान को लेकर चुनाव आयोग द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इन चारों क्षेत्रों में कुल 48 प्रत्याशियों की किस्मत 30 अक्टूबर को मतदान के साथ इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद हो जाएगी। दो नवंबर को मतगणना के साथ ही इनकी किस्मत का फैसला हो जाएगा। पिछले एक पखवाड़े से इन क्षेत्रों में चुनाव प्रचार अभियान प्रारंभ हुआ था और देखते ही देखते यह चरम पर पहुंच गया था। चुनाव प्रचार अभियान के अंतिम दिन भाजपा और कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत लगा दी। भाजपा की ओर से स्टार प्रचारक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सतना जिले के रैगांव विधानसभा क्षेत्र के कोठी में और पृथ्वीपुर विधानसभा क्षेत्र के पृथ्वीपुर में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा में मौजूद रहे। वहीं, खंडवा संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले खरगोन जिले के सनावद में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ राजस्थान के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट की मौजूदगी में चुनावी सभा को संबोधित किया।

इनके बीच होगा मुकाबला

खंडवा: खंडवा संसदीय क्षेत्र में मुख्य मुकाबला भाजपा के ज्ञानेश्वर पाटिल और कांग्रेस के राजनारायण सिंह पुरनी के बीच है। इनके समेत कुल 16 प्रत्याशी मैदान में हैं।

जोबट: अलीराजपुर जिले की जोबट (अजजा) सीट पर भाजपा की पूर्व मंत्री सुलोचना रावत और कांग्रेस के महेश पटेल की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है। इनके समेत कुल 06 प्रत्याशी मैदान में हैं।

रैगांव: सतना जिले की रैगांव (अजा) सीट पर श्रीमती प्रतिमा बागरी (भाजपा) का मुख्य मुकाबला कांग्रेस की श्रीमती कल्पना वर्मा से है। विंध्य अंचल की इस सीट पर कुल 16 प्रत्याशी मैदान में हैं।

पृथ्वीपुर: बुंदेलखंड अंचल के निवाड़ी जिले की पृथ्वीपुर विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी शिशुपाल सिंह के मुकाबले में कांग्रेस के नितेंद्र सिंह राठौर हैं। हालाकि इनके समेत कुल 10 प्रत्याशियों की किस्मत दाव पर लगी है। उपचुनाव के पूर्व की स्थिति में खंडवा और रैगांव में भाजपा का और पृथ्वीपुर तथा जोबट में कांग्रेस का कब्जा था।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिए 58 कंपनियां तैनात: राजौरा

भोपाल, (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव गृह राजेश राजौरा ने बताया है कि भारत के निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रदेश के एक लोकसभा और 3 विधानसभाओं के उपचुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से कराने के लिये सशस्त्र बलों की 58 कंपनियां तैनात की गई हैं। श्री राजौरा ने बताया है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन क्षेत्रों में राज्य के बाहर की विशेष सशस्त्र बल की 50 कंपनियां और एमपी एसएएफ की 8 कंपनियां तैनात की गई हैं। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव के लिए निर्वाचन केंद्रों एवं निर्वाचन क्षेत्रों में 914 डीएसपी, निरीक्षक, उप निरीक्षक और सहायक निरीक्षक, 6992 आरक्षक और प्रधान आरक्षक, 3123 होमगार्ड और 3945 विशेष पुलिस अधिकारी तैनात किए गए हैं। निष्पक्ष निर्वाचन के लिए 42 अंतर्राज्यीय नाके, 37 अंतर-जिला नाके, 55 फ्लाईंग स्कवाड और 64 स्टेटिक्स सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं।

सीएम शिवराज सिंह ने सबसे ज्यादा 39 जनसभाएं लीं

वीडी शर्मा ने 21 और कमलनाथ ने 15 सभाएं

भोपाल। खंडवा लोकसभा सहित तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने धुआंधार प्रचार किया। उन्होंने सर्वाधिक 39 जनसभाएं कीं और चुनाव वाले क्षेत्रों में पांच रात्रि विश्राम किए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने 21 जनसभाएं लीं और सात स्थानों पर युवा सम्मेलन किए। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 15 स्थानों पर सभा को संबोधित किया। इसके अलावा दिग्विजय सिंह तीन, उमा भारती 14, नरेंद्र सिंह तोमर 06, कैलाश विजयवर्गीय 06, ज्योतिरादित्य सिंधिया 06, फग्गन सिंह कुलस्ते 06, पंकजा मुंडे 06, प्रहलाद सिंह पटेल 03, वीरेंद्र खटीक 02, लाल सिंह आर्य 02, केशव प्रसाद मौर्य 02 और नरोत्तम मिश्रा ने चार चुनावी सभाओं को संबोधित किया।

सीएम ने हॉकी अकादमी के विजयी होने पर खिलाड़ियों को दी बधाई

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने प्रथम हॉकी इंडिया जूनियर बालक इंटर अकादमी नेशनल चेंपियनशिप-2021 का विजेता बनने पर मप्र हॉकी अकादमी के सभी खिलाड़ियों को आत्मीय बधाई दी है। श्री चौहान ने ट्वीट कर खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा है कि आप अपनी प्रतिभा का ऐसा ही प्रदर्शन करते रहें और हॉकी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश का नाम विश्व में रोशन करें, यही शुभकामनाएं हैं। सीएम ने सभी खिलाड़ियों से कहा कि खूब खेलो, दिल से खेलो और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो।

डॉ. सुब्बाराव के निधन शिवराज और वीडी शर्मा ने जताया शोक

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित वयोवृद्ध प्रख्यात गांधीवादी चिंतक एवं विचारक डॉ. एसएन सुब्बाराव (भाई जी) के निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री सुब्बाराव जी का देहांत एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि डॉ. सुब्बाराव ने अपना पूरा जीवन समाज-सेवा को समर्पित कर दिया था। उन्होंने चंबल घाटी को डकैतों के आतंक से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत एवं प्रदेश सह संगठन महामंत्री हितानंद जी ने भी सुब्बाराव के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सुब्बाराव जी साधारण व्यक्तित्व वाले असाधारण इंसान थे। उनके निधन से सामाजिक क्षेत्र की बड़ी क्षति हुई है।

28 फरवरी तक कंपाउंडिंग प्रकरणों में मिलेगी 20 प्रतिशत की छूट

आयुक्त श्रीवास्तव ने सभी कलेटरों को जारी किए निर्देश

भोपाल, (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा नगरीय निकायों में 28 फरवरी, 2022 तक कम्पाउंडिंग (प्रशमन) प्रकरणों में शुल्क पर 20 प्रतिशत की विशेष छूट दी जा रही है। राज्य शासन द्वारा भवन अनुज्ञा से अतिरिक्त निर्माण एवं भवन अनुज्ञा के बगैर निर्माण के कंपाउंडिंग के लिण सीमा 10 से बढ़ाकर 30 प्रतिशत की गई है।

आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि भवन अनुज्ञा के बिना निर्माण एवं भवन अनुज्ञा के विरुद्ध अधिक निर्माण के प्रशमन के लिए संचालनालय, नगरीय प्रशासन विकास एवं आवास के माध्यम से भवन अनुज्ञा के लिए संचालित ऑनलाइन सिस्टम एबीपीएएस (ऑटोमेटेड बिल्डिंग प्लान एप्रूवल सिस्टम) में प्रकरणों के ऑनलाइन प्रशमन एवं ऑनलाइन शुल्क प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है। समस्त निकायों को निर्देशित भी किया जा चुका है कि प्रशमन के प्रकरणों का निराकरण ऑनलाइन एबीपीएएस के माध्यम से ही किया जाना अनिवार्य है। श्री श्रीवास्तव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि अपने जिले के सभी नगरीय निकायों में अभियान चलाकर अधिक से अधिक प्रकरणों का प्रशमन कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि जिले में इसका सघन प्रचार-प्रसार भी कराएं। साथ ही नगरीय निकायों में कैम्प लगाकर भी प्रशमन के प्रकरणों का निराकरण करवाएं। इससे राज्य सरकार द्वारा दी जा रही छूट से अधिक से अधिक नागरिक लाभान्वित हो सकेंगे। साथ ही नागरिक अपने भवन के अवैध निर्माण को वैध कराने की कार्यवाही भी करा सकेंगे।

दिग्विजय खुद पर लगे दाग मिटाने वीडी शर्मा पर लगा रहे हैं आरोप : डा. मिश्रा

भोपाल, (एजेंसी)। गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह द्वारा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा पर लगाए गए आरोपों को लेकर बुधवार को उन पर हमला करते हुए कहा कि वह (दिग्विजय सिंह) स्वयं पर लगे दाग को मिटाने श्री शर्मा पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के ही उमंग सिंगार बता चुके हैं कि दिग्विजय सिंह से बड़ा प्रदेश में कोई माफिया नही है।

श्री मिश्रा ने बुधवार को यहां मीडिया से चर्चा में कहा कि श्री शर्मा पर आरोप लगाकर श्री सिंह खुद पर लगे दाग मिटाने की कोशिश कर रहे हैं। गृह मंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि टुकड़े-टुकड़े गैंग के समर्थक दिग्विजय सिंह हमेशा अराजकता और अशांति फैलाने की कोशिश में रहते हैं। धार, जबलपुर और बड़वानी की घटना पर चुप्पी साधने वाले श्री सिंह का बजरंग दल पर किया गया ट्वीट उनकी इसी सोच को उजागर करता है। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट को खंडवा लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए लाए जाने पर गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस श्री पायलट को उस जमीन को बचाने के लिए लाई है, जिसे सचिन बिरला पहले ही साफ कर चुके हैं।

भाजपा जान ले, जनता कभी बिकाऊ नहीं हो सकती : कमलनाथ

भोपाल (एजेंसी)। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने राजस्थान के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के साथ खंडवा लोकसभा क्षेत्र की बड़वाह विधानसभा के सनावद में एक विशाल आम सभा को संबोधित किया।

कमलनाथ ने सभा में उपस्थित जन समूह को देखते हुए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि मैं दावे से कह सकता हूं कि भाजपा यह जान ले, कुछ नेता बिकाऊ हो सकते हैं, लेकिन क्षेत्र की जनता कभी बिकाऊ नहीं हो सकती है और बड़वाह की इस ईमानदार जनता को कभी कोई नहीं खरीद सकता है। एक बिक गया लेकिन यहां की जनता बेहद ईमानदार है और वो भाजपा की इस बिकाऊ राजनीति का बदला जरूर लेगी।

पीएम मोदी की दाढ़ी की तरह बढ़ रही हैं ईंधन की कीमतें

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी अपने संबोधन में बढ़ती महंगाई के मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष किया कि जैसे जैसे उनकी दाढ़ी बढ़ रही है, वैसे वैसे ईंधन की कीमतें भी बढ़ रही है। उन्हें अपनी दाढ़ी एक इंच काट लेना चाहिए, ताकि कीमतें भी कम हो जाए। उन्होंने तीन कृषि कानूनों को न्यूनतम समर्थन मूल्य व स्टॉक लिमिट समाप्त करने, काला बाजारी बढ़ाने, बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा कर किसानों को बंधुआ बनाने और कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश का नौजवान काम चाहता है, लेकिन भाजपा की नीतियां उसका भविष्य अंधकार मय कर रही है। इसके पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी और सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनेंगे।

गिरीश गौतम ने आदिवासी परिवार के यहां किया नाश्ता

लोकगीत गाए और धान भी काटी

रीवा, (एजेंसी)। मप्र विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम जनसंपर्क साइकिल यात्रा के दौरान बुधवार को चौथे दिन लोक संस्कृति के रंग में रंगे नज़र आए। श्री गौतम ने जन समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणजनों से संवाद के दौरान पथरहा गांव में आदिवासी निरपत सिंह के घर पर स्वल्पाहार (कलेवा) ग्रहण किया। इसके उपरांत श्री गौतम खेत में पहुंचकर धान की कटाई भी की और रास्ते में शाहपुर गांव में राजभान कोल के यहां आदिवासी भाइयों को लोकगीत गाते देख रुक कर लोकगीत भी गाए।

ग्रामीणजन भी साइकिल पर अपने क्षेत्र में भ्रमण करते अपने नेता को देख खासे उत्साहित हैं। वे खुलकर विधानसभा अध्यक्ष के सामने अपनी बात रख रहे हैं और उसका निराकरण भी हो रहा है। यात्रा के चौथे दिन श्री गौतम प्रातः ढ़ेरा से रवाना होकर शाहपुर इन्द्रजीत, गोंदरी अम्बिकापुर, अमोच, रामपुर, पिपरा, बेलहाई, डगडौआ, सेमरिया कुंजबिहारी, खीरी कंधवार मोड, घोरहा, भगतपुर, सुअरहा होते हुए खुझवा सुखदेव पहुंचे तथा रात्रि विश्राम किया।

ग्रामीणों ने किया साइकिल यात्रियों का स्वागत: साइकिल यात्रा के संपूर्ण मार्ग में ग्रामीणजनों ने विधानसभा अध्यक्ष सहित सभी साइकिल यात्रियों का स्वागत अभिनंदन किया। जनसंपर्क साइकिल यात्रा के दौरान विभिन्न जनसभाओं के संबोधित करते हुए श्री गौतम ने कहा कि आम जनता से जीवंत संपर्क एवं उनकी समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से वे साइकिल यात्रा कर रहे हैं। देवतालाब विधानसभा क्षेत्र में जनकल्याणकारी और विकासोन्मुखी कार्यों को कराकर इसे विकास की उँचाइयों तक पहुंचाया जायेगा ताकि यह प्रदेश का आदर्श विधानसभा क्षेत्र बने।

लोगों से की साइकिल यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल होने की अपील

उन्होंने कहा कि आमजनता की कठिनाइयों को दूर करने और विकास का लाभ दिलाने के लिए वे सदैव प्रयासरत हैं अब आपके आशीर्वाद से मुझे जो दायित्व मिला है उसका लाभ भी क्षेत्र की जनता को मिलेगा और वे पूरी क्षमता से यह कार्य कर सकेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने आमजनता से अपील की कि आगामी 31 अक्टूबर को साइकिल यात्रा के समापन अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के देवतालाब आगमन पर अधिक से अधिक संख्या में लोग पहुंचे तथा विकास के महाकुंभ में सहभागी बनें। इस दौरान जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष राहुल गौतम, शिवपूजन शुक्ल, सुरेन्द्र सिंह चंदेल, संजय सोनी, प्रसून द्विवेदी, श्यामलाल कुशवाहा, सुरेन्द्र मिश्रा, रामनरेश तिवारी निष्ठुर, मन्नू गुप्ता, श्रवण पाण्डेय, माया कुशवाहा, ममता कुशवाहा, श्यामलाल कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं साइकिल यात्री और समर्थक उपस्थित रहे।

शिवराज जी की उलटी गिनती चालू हो चुकी है : पायलट

सभा को संबोधित करते हुए राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि यह शिवराज जी अब रहने वाले नहीं हैं, इसलिए गली-गली, मारे-मारे फिर रहे हैं, अपनी कुर्सी बचाने में लगे हैं, लेकिन वह यह जान लें कि चारों सीटें कांग्रेसी जीतेगी, उनकी उलटी गिनती प्रदेश में चालू हो चुकी है, साढे 24 माह बाद प्रदेश में कांग्रेस की दोबारा सरकार बनेगी, उसकी शुरुआत 30 अक्टूबर से होगी। क्षेत्र में भाजपा जो सौदेबाजी की राजनीति कर रही है, वह यह जान लें कि इस लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा की 8 सीटें है और कांग्रेस प्रत्याशी की सबसे बड़ी जीत इसी विधानसभा से होगी। श्री पायलट ने कहा कि इन चुनाव से कोई सरकार बनने या बिगड़ने वाली नहीं, लेकिन हमें देश भर में संदेश देने का एक सुनहरा अवसर मिला है। प्रजातंत्र में जनता ताकत होती है और आज जनता सवाल पूछ रही है कि आपके वादों का क्या हुआ, क्या किसानों की आय दोगुनी हुई। आज मध्यप्रदेश में खाद, बिजली, बीज की कमी है, भाजपा सरकार की इन काले कानूनों से मंडियों में ताला लगाने की योजना है। किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। भाजपा सरकार घमंड और अहंकार में जी रही है, उसे जनता की परवाह नहीं। आज महंगाई की क्या स्थिति है, पेट्रोल, डीजल रसोई गैस.सब्जी, दालें, खाने का तेल, आज इन सभी की कीमतें आसमान छू रही है, आज महंगाई से लोगों की जेब में डकैती डाली जा रही है। कोरोना में सरकार का कुप्रबंधन हमने देखा कि कैसे लोग आक्सीजन, इंजेक्शन, इलाज के लिए भटकते रहे। आज वैक्सीन को लेकर भी यह लोग किस प्रकार झूठ फैला रहे हैं, जनता को वैक्सीन मुफ्त देकर इन्होंने कोई एहसान नहीं किया। देश के इतिहास में आज तक जितने भी टीके आए, सब मुफ्त में ही लोगों को लगे हैं। यह बात भ्रष्टाचार खत्म करने की करते थे और वहीं मध्यप्रदेश में आज भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है, आप सभी को पता है। आज चंद पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, वही हमारा किसान तड़प रहा है। हमें आज सच्चाई की विचारधारा को समझना होगा, इनके लोभ-प्रलोभन की राजनीति को समझना होगा।

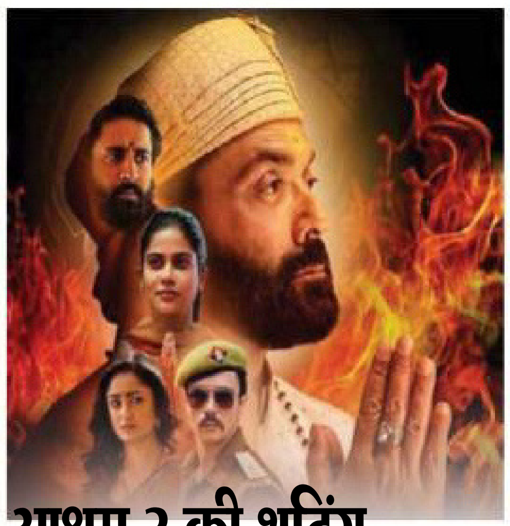

आश्रम 3 की शूटिंग विवादों के बावजूद है जारी, टाइटल बदलने को लेकर सस्पेंस

आश्रम वेबसीरिज भारत में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरिज है और इसके दोनों सीज़न सुपरहिट रहे थे। इसी की सफलता को देखते हुए प्रकाश झा तीसरे सीजन की शूटिंग मध्यप्रदेश के भोपाल में कर रहे हैं। पिछले दिनों बजरंग दल के कार्यकर्ता आश्रम के सेट पर पहुंच गए थे और उन्होंने तोड़-फोड़ मचाने के साथ-साथ प्रकाश झा पर स्याही भी फेंकी थी। साथ ही सीरिज में लीड रोल निभा रहे बॉबी देओल और प्रकाश झा के खिलाफ नारेबाजी भी की थी।

टाइटल और कंटेंट को लेकर है विरोध

विरोध सीरिज के टाइटल और कंटेंट को लेकर है। कहा जा रहा है कि केवल हिंदू धर्म को ही निशाने पर लिया जाता है। दूसरे धर्म पर आधारित इस तरह की सीरिज नहीं बनाई जाती है। एक नेता का कहना है कि टाइटल से यह धार्मिक सीरिज लगती है लेकिन इसमें अश्लील कंटेंट है। यह आश्रम व्यवस्था को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए इसका टाइटल बदला जाए और स्क्रिप्ट दिखाई जाए।

क्या बदलेगा टाइटल?

आश्रम 3 की शूटिंग एक बार फिर शुरू हो गई है। लेकिन टाइटल बदलेगा या नहीं इसको लेकर इस सीरिज के मेकर प्रकाश झा ने कुछ नहीं कहा है। संभवतः वे आने वाले दिनों में इस बात को लेकर खुलासा करेंगे।

दूसरी ओर बजरंग दल की इस हरकत पर फिल्म इंडस्ट्री ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। निर्माता के एसोसिएशन ने भी इसकी भर्त्सना की है। कुछ लोगों का कहना है कि देश में सेंसर बोर्ड है तो फिर कोई किसी भी कंटेंट या टाइटल पर कैसे आपत्ति ले सकता है?

शर्लिन चोपड़ा ने राज-शिल्पा के 50 करोड़ के मानहानि नोटिस का दिया जवाब

जेल से बाहर आने के बाद राज कुन्द्रा ने शर्लिन चोपड़ा पर 50 करोड़ रुपये का मानहानि का केस ठोक डाला। शर्लिन से वे खार खाए बैठे थे जिन्होंने राज की गिरफ्तारी के बाद उनके खिलाफ आग उगलना शुरू कर दी थी। जिनको नहीं पता उन्हें बता दे कि शर्लिन ने कहा था कि राज उनको धमकाने के लिए घर तक पहुंच गए थे और बड़ी मुश्किल से उन्होंने अपने आपको बचाया था। वैसे शर्लिन ने तो राज के खिलाफ मोर्चा महीनों पहले खोल दिया था, लेकिन तब किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। राज ठहरे बड़े आदमी, शिल्पा शेट्टी के पति और बड़े व्यवसायी। जबकि शर्लिन की छवि राज के मुकाबले बहुत कम थी इसलिए सभी ने सोचा कि शायद यह शर्लिन का पब्लिसिटी स्टंट हो। शर्लिन ने तो राज के खिलाफ 14 अप्रैल को जुहू पुलिस स्टेशन में यौन शोषण की शिकायत की थी जिसके बाद 19 अप्रैल को राज ने उनके घर जाकर उन्हें धमकाया था। अंडरवर्ल्ड के कुछ नाम लेकर कहा था कि वह अपनी

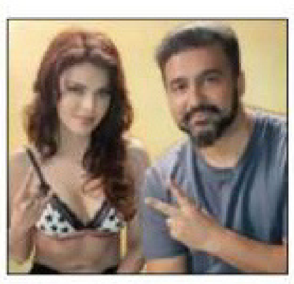

शिकायत वापस ले ले। राज के मानहानि नोटिस के खिलाफ शर्लिन ने अपना जवाब दिया है। उन्होंने ट्वीटर पर जवाबी नोटिस पोस्ट किया है। इसके अलावा कुछ ट्वीट्स भी किए हैं जिसमें उन्होंने कुछ जानकारियां साझा की है। साथ ही लिखा है - हिम्मत का ये मतलब नहीं है कि आप डरेंगे नहीं बल्कि हिम्मत का मतलब ये भी है कि कोई डर आपको रोक नहीं सकता। शर्लिन के इस ट्वीट के कई गहरे अर्थ हैं। साफ है कि वे राज कुन्द्रा से भिड़ने का पूरा मन बना चुकी हैं। भविष्य में यह लड़ाई क्या आकार लेती है जल्दी ही पता चलेगा।

कुणाल खेमू ने बनाई ऐसी बॉडी, सलमान-रणवीर को भी पीछे छोड़ा

कुणाल खेमू बेहद दुबले-पतले हैं, लेकिन अब उन्होंने ऐसी बॉडी बनाई है कि लोग दंग रह गए हैं। इस मामले में उन्होंने सलमान खान और रणवीर सिंह जैसे अभिनेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। कुणाल ने इंस्टाग्राम पर अपना फोटो शेयर किया है जिसमें वे मसल्स दिखाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन दिया है- आपको वही करना चाहिए जिससे आप प्यार करते हो और जो करो उससे प्यार करो। जरूरी नहीं है कि आप जो कर रहे हो उसमें आप सर्वश्रेष्ठ हों, लेकिन जब तक आनंद आए, करते रहो। वर्क फ्रंट की बात की जाए तो कुणाल की 'कंजूस मक्खीचूस' फिल्म आने वाली है। पिछले साल ओटीटी पर रिलीज हुई 'लूटकेस' काफी पसंद की गई थी और कुणाल के अभिनय की भी प्रशंसा हुई थी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में जॉन अब्राहम इंटेंस एक्शन

जॉन अब्राहम और दिव्या खोसला कुमार-स्टारर फिल्म सत्यमेव जयते 2 का ट्रेलर 25 अक्टूबर, 2021 को रिलीज़ हो गया है। यह फिल्म 25 नवंबर, 2021 को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए पूरी तरह तैयार है। जॉन अब्राहम की सत्यमेव जयते 2 को पहले 13 मई को सलमान खान-स्टारर राधे के साथ रिलीज किया जाना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया। अब कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बाद फिल्म को 25 नवंबर, 2021 को रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं द्वारा सत्यमेव जयते 2 की रिलीज की तारीख की घोषणा के बाद, प्रशंसकों को ट्रेलर के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार था। 3 मिनट-17 सेकेंड के ट्रेलर में जॉन अब्राहम को इंटेंस अवतार में दिखाया गया है। ट्रेलर में एक्टर शानदार एक्शन में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में दिव्या खोसला कुमार की भी झलक दिखाई पड़ती है। पहले पार्ट की तरह ही दूसरे पार्ट की कहानी भी भारत में भ्रष्टाचार के मुद्दे से संबंधित है। पुलिस और राजनेताओं से लेकर उद्योगपति और आम आदमी तक, यह फिल्म हर किसी के जीवन में भ्रष्टाचार से होने वाले प्रभाव को दिखा रही है। फिल्म में जॉन अब्राहम, दिव्या खोसला कुमार, राजीव पिल्लई, अनूप सोनी और साहिल वैद मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का लेखन और निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है।

सरदार उधम ऑस्कर की रेस से बाहर, दिया अजीबोगरीब कारण

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 'सरदार उधम' फिल्म रिलीज हुई है जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। यह एक गंभीर किस्म की फिल्म है जिसमें अभिनय, निर्देशन और सिनेमाटोग्राफी शानदार है। शुजीत सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विक्की कौशल ने उधम का रोल निभाया है।

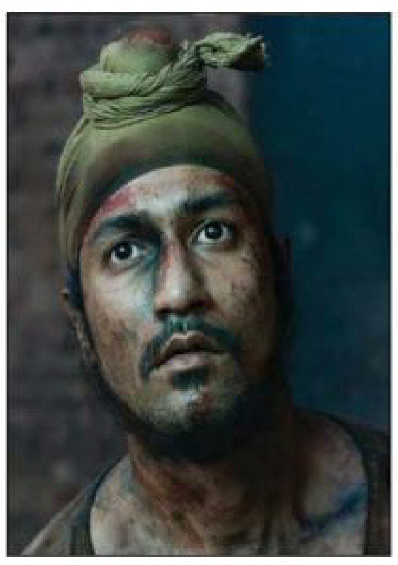

भारत की ओर से ऑस्कर में भेजने के लिए 14 फिल्में शॉर्टलिस्ट की गई थी, जिनमें 'सरदार उधम' भी शामिल है, लेकिन अब इस फिल्म को रेस से बाहर कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि जूरी मेंबर का कहना है कि इस फिल्म में अंग्रेज़ों के प्रति काफी घृणा दिखाई गई है जिसके कारण यह फैसला लिया गया है। यह अजीब कारण किसी को समझ नहीं आ रहा है और सोशल मीडिया पर इस फैसले की काफी आलोचना की जा रही है। लोगों का कहना है कि यह एक वर्ल्डक्लास मूवी है और इसे ऑस्कर में भारत की ओर से भेजा जाना चाहिए। इसे इस दौड़ से बाहर करने का यह बचकाना कारण है। बता दें कि इरफान खान इस फिल्म में काम करने वाले थे। लेकिन बीते साल उनका निधन हो गया था। वह एक गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। इरफान के निधन के बाद उनके इस किरदार को निभाने की जिम्मेदारी विक्की कौशल को मिली। विक्की कौशल ने कहा कि वह दिवंगत अभिनेता इरफान खान से बहुत प्यार करते हैं। उन्होंने कहा, मैं इरफान सर का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह दुनिया के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं। इस फिल्म का हर शॉट, हर टेक इरफान सर को श्रद्धांजलि है।

बिपाशा बसु ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर किया खुलासा

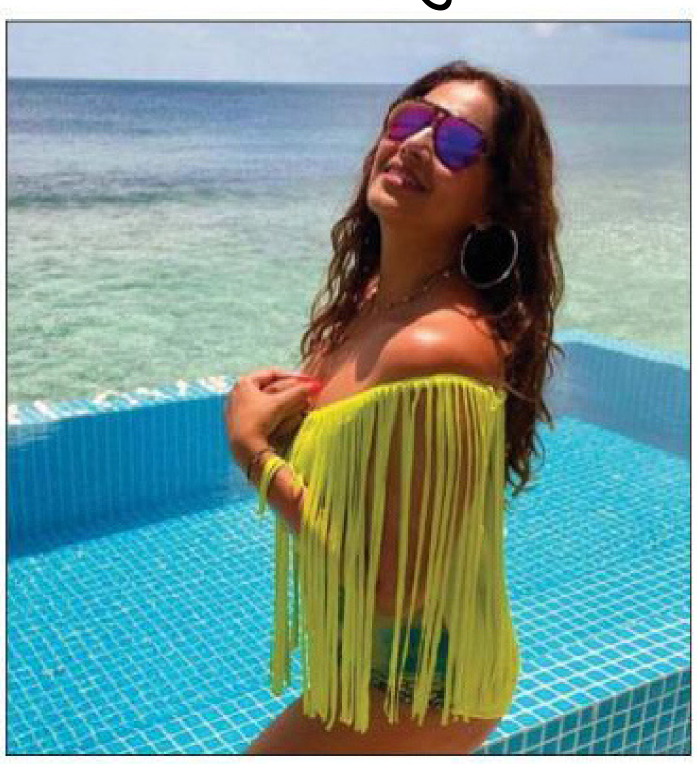

बिपाशा बसु के बारे में फिर कहा जा रहा है कि वे मां बनने वाली हैं। बिपाशा इन बातों का बुरा नहीं मानती हैं और इसे चाहने वालों का प्यार बताती हैं।

बिपाशा बसु के पास इस समय भले ही काम नहीं हो, लेकिन वे छुट्टियों का भरपूर आनंद ले रही हैं। सोशल मीडिया पर उनकी पोस्टिंग इस बात की गवाह है। इसी बीच खबर फैल गई कि बिपाशा प्रेग्नेंट हैं। ऐसी बातें पहले भी कई बार कही जा चुकी है। बिपाशा ने इस बात से परदा हटाते हुए कहा हमेशा से कयास लगाए जाते हैं कि मां बनने वाली हूं और ये कोई नई बात नहीं है। जब भी मेरा वजन बढ़ता है लोग इस तरह की अफवाहें फैलाना शुरू कर देते हैं। मैं फिटनेस पर ध्यान देती हूं लेकिन कई बार मैं जीवन का मजा भी लेती हूं और इससे मेरा वजन बढ़ जाता है और लोगों को बात करने का मौका मिला जाता है। बिपाशा इन बातों का बुरा नहीं मानती। वे कहती हैं कि ये तो शुभचिंतकों का प्यार है। लोग तो मेरे परिवार के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन फिलहाल मैं प्रेग्नेंट नहीं हूं।

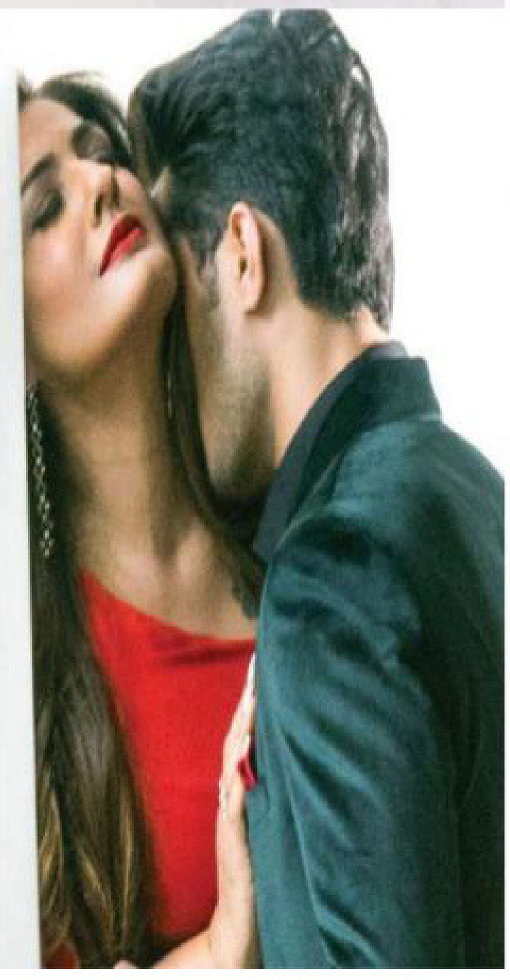

रवीना टंडन के साथ इंटीमेट सीन करते समय जब कांप रहा था उम्र में उनसे बहुत छोटा हीरो

रवीना टंडन की बहुत पहले एक फिल्म आई थी जिसका नाम है 'शब''। इसे ओनिर ने निर्देशित किया था। ओनिर की फिल्मों का विषय बेहद बोल्ड रहता है। इस फिल्म में रवीना टंडन ऐसी महिला बनी थीं जो अपनी वैवाहिक जिंदगी से खुश नहीं हैं। वे 'आनंद' उठाने के लिए युवाओं को अपने जाल में फंसाती हैं। इस फिल्म में युवा अभिनेता आशीष बिष्ट ने अज़्फ़र नामक किरदार निभाया था जो उभरता हुआ मॉडल है और अभिनेता बनना चाहता है। वह रवीना के जाल में फंस जाता है। शब में रवीना और आशीष बिष्ट के बीच इंटीमेट सीन भी थे। आशीष न केवल रवीना से उम्र में छोटे हैं बल्कि रवीना के बहुत बड़े फैन हैं। जब उन्हें पता चला कि रवीना और उनके बीच अंतरंग सीन फिल्माए जाएंगे तो वे कांपने लगे। उनका कहना है कि वे बहुत नर्वस थे, लेकिन निर्देशक ओनिर से डरने के कारण उन्होंने कुछ नहीं बोला। शायद रवीना ने यह बात भांप ली। उन्होंने माहौल को हल्का किया और बड़ी आसानी से ये सीन फिल्मा लिए गए।

टी 20 विश्व कप: इंग्लैंड की लगातार दूसरी जीत, बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

अबुधावी।(एजेंसी)।

टी20 विश्व कप के सुपर-12 मुकाबले में इंग्लैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड के कप्तान ईयोन मार्गन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया और टीम ने उनके फैसले को सही साबित करते हुए बांग्लादेश टीम को महज 124 रनों पर ही रोक दिया।

तेज गेंदबाजों का चला जादू

इंग्लैंड के ऑलराउडंर मोईन अली ने बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन पर लौटने के लिए मजबूर किया। इसके बाद तेज गेंदबाजों ने अपना जलबा दिखाया। टाइमल मिल्स ने 4 ओवर में 27 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए। जबकि लियाम लिविंगस्टोन ने 3 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट झटके और क्रिस वोक्स ने सबसे ज्यादा किफायती गेंदबाजी कर एक विकेट हासिल किया।

सलामी बल्लेबाजों ने विपक्षियों को धोया

इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय और जोस बटलर ने बांग्लादेश के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। हालांकि जोस बटलर महज 18 रन बना पाने में ही कामयाब हो पाए। इसके बाद टी20 क्रिकेट के सबसे बेहतरीन बल्लेबाद डेविड मलान मैदान पर आए और उन्होंने मैच को फिनिश किया। वहीं जेसन रॉय ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंद में 5 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 61 रन की पारी खेली।

बांग्लादेश ने दिया 125 रनों का लक्ष्य

बांग्लादेश के मुश्फिकुर रहीम ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए। जबकि कप्तान महमूदुल्लह और नसुम अहमद ने 19-19 रनों की पारी खेली। वहीं विकेटकीपर नुरुल हसन ने 16 रन ही बना पाने में कामयाब हो पाए।

न्यूजीलैंड टीम को लगा बड़ा झटका, मार्टिन गुप्टिल के पैर के अंगूठे में लगी चोट

शारजाह। अनुभवी सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल का भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले सुपर 12 मैच में खेलना संदिग्ध समझा जा रहा है क्योंकि टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के दौरान उनके पैर का अंगूठा चोटिल हो गया था। गुप्टिल के पैर के अंगूठे में हारिस रऊफ की गेंद लगी थी। पाकिस्तान ने मंगलवार की रात न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया था। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा कि मैच के बाद गुप्टिल सहज महसूस नहीं कर रहे थे जिन्होंने 20 गेंद में 17 रन बनाये थे। स्टीड ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''मैच के बाद गुप्टिल थोड़े असहज दिख रहे थे और अगले 24 से 48 घंटे निर्णायक होंगे। '' उन्होंने कहा, ''हम देखेंगे कि रात में उन्हें कितना आराम मिला। मैच समाप्त होने के बाद वह थोड़े परेशान दिख रहे थे और उनकी स्थिति कैसी रहती है, इसके लिये 24 से 48 घंटे लग सकते हैं। '' अगर भारत के खिलाफ मैच में गुप्टिल नहीं खेलते हैं तो यह न्यूजीलैंड की टीम के लिये करारा झटका होगा क्योंकि उनके तेज गेंदबाजी के अगुआ लॉकी फर्ग्यूसन पिंडली की मांसपेशियों की चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले बाहर हो गये थे।

52 साल बाद फिर आया नस्लीय जिन्न ? नीतियों के चलते आईसीसी ने लगाया था प्रतिबंध, डिकॉक ने बीएलएम से खुद को किया अलग

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने खुद को ब्लैक लाइव्स मैटर से अलग करते हुए क्रिकेट साउथ अफ्रीका का आदेश मानने से इनकार कर दिया था। इतना ही नहीं उन्होंने टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ खुद को अनुपलब्ध करार दिया था। दरअसल, सीएसए ने सभी खिलाड़ियों को ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान में शामिल होने का निर्देश दिया था।

इस मामले में सीएस ने क्विंटन डिकॉक के व्यक्तिगत फैसले का संज्ञान लिया है। क्विंटन डिकॉक ने पहले भी इस पहल में शामिल नहीं होने के संकेत देते हुए कहा था कि यह हर किसी का फैसला होना चाहिए, जीवन में किसी को कुछ भी करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। मैं चीजों को इस तरह देखता हूं।

आपको बता दें कि अमेरिका में जॉर्ज फ्लॉयड के एक श्वेत पुलिस कर्मी के हाथों मारे जाने के बाद दुनियाभर में ब्लैक लाइव्स मैटर अभियान की शुरुआत हुई। इसको लेकर अमेरिका में भी काफी प्रदर्शन हुआ था। इस मुद्दे को लेकर साउथ अफ्रीका की टीम भी बटी हुई दिखाई दे रही है। मैच से पहले कुछ खिलाड़ियों ने घुटने के बल बैठकर अभियान का समर्थन किया तो कुछ ने खड़े होकर।

पुराना है नस्लीय जिन्न

साउथ अफ्रीका की टीम में भेदभाव वाला नस्लीय जिन्न कोई पहली बार नहीं जागा है यह काफी पुराना है और इसके चलते उन्हें क्रिकेट से भी दूर रहना पड़ा था। साउथ अफ्रीका ने साल 1968-69 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खेलने से इनकार कर दिया था क्योंकि इंग्लैंड की टीम में एक अश्वेत खिलाड़ी थी। इसके बाद साल 1970 में आईसीसी ने रंगभेद नीति को लेकर साउथ अफ्रीका टीम के खिलाफ वोट किया था। दरअसल, यह वोटिंग साउथ अफ्रीका टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से निलंबित करने के लिए की गई थी।

साउथ अफ्रीका की सरकार ने रंगभेद को लेकर नीति का निर्माण किया था। जिसके तहत उनकी टीम श्वेत देशों के साथ ही मुकाबला खेल सकती थी। इसके अलावा उनकी यह भी शर्त रहती थी कि विपक्षी टीम में श्वेत खिलाड़ी ही खेलें। साउथ अफ्रीका की इस नीति की वजह से वहां के क्रिकेट को काफी नुकसान पहुंचा। हालांकि 21 साल बाद उन्होंने रंगभेद वाली नीति को समाप्त किया। जिसके बाद साल 1991 में एक बार फिर साउथ अफ्रीका टीम की वापसी हुई।

अश्वेतों के लिए आरक्षण हुआ था लागू

साउथ अफ्रीका टीम में अश्वेत खिलाड़ियों के लिए आरक्षण लागू किया गया था। जिसके तहत टीम में 4 अश्वेत खिलाड़ियों का रहना जरूरी थी। हालांकि साल 2007 में आरक्षण को समाप्त कर दिया गया। लेकिन मौजूदा टीम में अगर आप नजर डालेंगे तो साउथ अफ्रीका के स्टार गेंदबाज कगिसो रबाड़ा अश्वेत हैं और कप्तान तेम्बा बावुमा भी।

मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम में शामिल चार खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव

मुंबई (एजेंसी)।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए मुंबई की टीम में शामिल चार खिलाड़ियों को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया है और उनके स्थान पर नए खिलाड़ियों का चयन कर दिया गया है। विश्वसनीय सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'सीनियर टीम के चार खिलाड़ियों का टेस्ट पॉजिटिव आया है। ये खिलाड़ी शम्स मुलानी, साइराज पाटिल, प्रशांत सोलंकी और सरफराज खान हैं।' यह भी पता चला है कि मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने इन चारों के स्थान पर नए खिलाड़ियों का चयन कर दिया है, जिनके नामों की घोषणा जल्द की जाएगी।

सूत्रों ने कहा, 'हम (चारों नए खिलाड़ियों का) रैपिड आरटी-पीसीआर टेस्ट करवा रहे हैं और उनकी रिपोर्ट जल्द आ जाएगी, जिसके बाद ही वे टीम से जुड़ेंगे। हम टीम के अन्य सदस्यों का भी आरटी-पीसीआर टेस्ट करवा रहे हैं।' मुंबई को चार नवंबर से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए ग्रुप बी में रखा गया है और वह अपने लीग मैच गुवाहाटी में खेलेगा। उसका पहला मैच कर्नाटक से होगा।

जिसको गले लगाया उसी पाक बल्लेबाज ने विराट कोहली को टी- 20 रैंकिंग में पछाड़ा

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली यहां चल रहे टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक बनाने के बावजूद बुधवार को जारी आईसीसी पुरूष टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गये जबकि उनके साथी केएल राहुल को दो पायदान का नुकसान हुआ और वह आठवें नंबर पर लुढ़क गये हैं। भारत को हालांकि पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को हुए सुपर 12 के मुकाबले में 10 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी लेकिन कोहली (725 रेटिंग अंक) ने इसमें 49 गेंद में 57 रन की अर्धशतकीय पारी खेली थी जबकि राहुल (684) ने तीन रन बनाये थे। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान तीन पायदान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गये हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हैं। भारत के खिलाफ मैच में नाबाद 79 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ मंगलवार को टीम की दूसरी जीत में 33 रन का योगदान देने का रिजवान को रैंकिंग में लाभ मिला।

वकार युनुस की 'हिंदुओं के सामने नमाज पढ़ने' वाली टिप्पणी पर बवाल, पूर्व पाक क्रिकेटर ने मांगी माफी

कराची।(एजेंसी)।

वकार युनुस मैतला एक पाकिस्तानी क्रिकेट कोच, कमेंटेटर और पूर्व क्रिकेटर हैं । वकार युनुस पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कप्तानी भी कर चुके हैं। हाल ही में वकार यूनिस ने भारत-पाकिस्तान के टी20 विश्वकप के पहले मैच को लेकर काफी सांप्रदायिक बयान दे दिया है जिसे लेकर काफी बवाल मच गया। वकार यूनिस एक इंटरनेशन टीम को रिप्रेजेंट करते हैं उनके इस बयान ने उनकी छवि को सांप्रदायिक बना दिया है।

वकार यूनिस ने की सांप्रदायिक टिप्पणी

भारत बनाम पाकिस्तान मैच पर एक पाकिस्तानी चैनल पर पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वकार यूनिस की टिप्पणी ने एक नया तूफान खड़ा कर दिया है। यूनुस ने कहा कि 'रिजवान ने मैच के दौरान हिंदुओं के बीच में नमाज अदा की जो मेरे लिए बेहद खास थी।' भारतीय कमेंटेटर हर्षा भोगले ने यूनिस को उनकी टिप्पणी के लिए फटकार लगाई और उनसे माफी की मांग की। भोगले ने यह भी कहा कि यूनिस जैसे क्रिकेटरों को क्रिकेट की दुनिया को एकजुट करना चाहिए न कि इसे धर्म से बांटना चाहिए।

वकार यूनिस ने मांगी माफी

वकार युनुस ने टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान की भारत पर 10 विकेट से जीत के बाद एक टेलीविजन कार्यक्रम के दौरान की गयी अपनी सांप्रदायिक टिप्पणी के लिये बुधवार को माफी मांगी क्योंकि इस पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज की 'जिहादी मानसिकता' के लिये सोशल मीडिया पर कड़ी आलोचना की गयी थी। वकार ने एक खेल चैनल पर न सिर्फ इस मैच को लेकर बात की बल्कि सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान द्वारा पाकिस्तानी पारी में ब्रेक के दौरान मैदान पर नमाज अदा करने पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, ''रिजवान ने जो किया वह मुझे सबसे अच्छा लगा। उसने हिंदुओं के बीच में खड़े होकर नमाज अदा की। यह मेरे लिये बहुत खास बात थी।''

वकार यूनिस के बयान से क्रिकेट जगत में मचा कोहराम

वकार की टिप्पणी पर दोनों देशों में कड़ी प्रतिक्रिया हुई तथा पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने इसके लिये उन्हें कड़ी फटकार लगायी। वेंकटेश प्रसाद ने ट्वीट किया, ''खेल में ऐसी बात करके जिहादी मानसिकता एक अलग स्तर पर पहुंचती है। क्या बेशर्म इंसान है।'' वकार को जब अपनी गलती का अहसास हुआ तो उन्होंने माफी मांगी। वकार ने ट्वीट किया, ''अति उत्साह के उन पलों में मैंने कुछ कहा जिसका मतलब लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। मैं इसके लिये माफी मांगता हूं। मेरा इरादा ऐसा कतई नहीं था, यह वास्तव में गलती है। खेल जाति, रंग या धर्म की परवाह किये बिना लोगों को एकजुट करता है। '' उन्होंने उस चैनल पर भी माफी मांगी थी।

वकार बोले मैंने नहीं की धार्मिक टिप्पणी

वकार ने कहा, ''धार्मिक मामलों में टिप्पणी करना ऐसा है जो मैं कभी नहीं करता क्योंकि मैं हर किसी के धर्म का सम्मान करता हूं। मैं उस समय अति उत्साह में कुछ कह गया और मेरा मतलब पाकिस्तान, भारत और दुनिया में कहीं भी हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''मैं पाकिस्तान की जीत के बाद बेहद उत्साहित था और उसी प्रवाह में यह सब कह गया। मैं इसके लिये माफी मांगता हूं। '' मशहूर क्रिकेट विश्लेषक हर्षा भोगले ने भी वकार की टिप्पणी पर निराशा व्यक्त की थी। भोगले ने ट्वीट किया, ''वकार जैसे व्यक्ति का यह कहना कि रिजवान का हिंदुओं के सामने नमाज अदा करना उनके लिये बहुत खास था, बेहद निराशाजनक है। हम में से कई ऐसी चीजों को तवज्जो नहीं देने की कोशिश करते हैं और खेलों पर बात करते हैं और ऐसे में ऐसा सुनना दिल दुखाने वाला है।

नीरज चोपड़ा समेत इन 11 खिलाड़ियों को मिलेगा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरुस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टोक्यो ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास बनाने वाले भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और रजत जीतने वाले पहलवान रवि दहिया सहित 11 खिलाड़ियों को देश के शीर्ष खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है जबकि क्रिकेटर शिखर धवन सहित 35 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार हर वर्ष 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं लेकिन इस बार उसी समय के आसपास टोक्यो ओलम्पिक और पैरालम्पिक होने के कारण पुरस्कारों को दिए जाने में देरी हो गयी।

खेल रत्न के लिए चुने गए खिलाड़ियों में नीरज चोपड़ा, रवि दहिया, हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश, फुटबाल कप्तान सुनील छेत्री, महिला क्रिकेटर मिताली राज, महिला मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहैन,पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत, सुमित अंतिल, अवनि लेखड़ा, कृष्णा नागर और मनीष नरवाल शामिल हैं।

अर्जुन पुरस्कार के लिए चुने गए 35 खिलाड़ियों में टोक्यो ओलम्पिक में 41 वर्षों के बाद ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सभी सदस्य जिन्होंने इससे पहले यह पुरस्कार नहीं जीता और सभी पैरालम्पिक पदक विजेता शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समिति ने इन 35 खिलाड़ियों के नामों की सिफारिश सरकार को की है।

खेल रत्न पुरस्कार को पहले राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के नाम से जाना जाता था लेकिन सरकार ने इस साल इसमें संशोधन कर पुरस्कार का नाम खेल रत्न कर दिया। इस पुरस्कार में 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। पिछले वर्ष पांच खिलाड़ियों को खेल रत्न पुरस्कार दिया गया था लेकिन टोक्यो ओलम्पिक और पैरालम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों के ऐतिहासिक प्रदर्शन की बदौलत यह संख्या इस बार 11 पहुंच गयी है।

अमेरिका की एक पेशेवर फुटबॉल टीम को चाइना वायरस बोलना पड़ा भारी, जानिए पूरा मामला

ह्यूस्टन। अमेरिका की एक पेशेवर फुटबॉल टीम 'ह्यूस्टन टेक्सस' के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैल मैकनायर ने मई में टीम के एक चैरिटी गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान कोरोना वायरस के लिए 'चाइना वायरस' शब्दों का इस्तेमाल करने पर माफी मांगी है। कोरोना वायरस के लिए 'चाइना वायरस' शब्दों का इस्तेमाल अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर करते थे। कई लोग इसे एशियाई लोगों के प्रति असंवेदनशील रवैया मानते हैं, क्योंकि इन शब्दों के जरिए कोविड-19 के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया जाता है। कोविड-19 का पहला मामला चीन के वुहान में 2019 में सामने आया था। 'बैली स्पोर्ट्स' ने मंगलवार को बताया कि मैकनायर ने गोल्फ टूर्नामेंट शुरू होने से पहले 100 से अधिक प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए इन शब्दों का इस्तेमाल किया था और पिछले साल इस आयोजन को रद्द किए जाने के लिए वायरस को दोषी ठहराया था। मैकनायर ने बैली स्पोर्ट्स को दिए एक बयान में कहा, ''पिछली मई में आयोजित समारोह में मैंने जिन शब्दों का इस्तेमाल किया था, वे अनुचित थे। मैंने उस समय लोगों से तत्काल माफी मांगी थी और मैं आज फिर माफी मांगता हूं। मैं जानता हूं कि अपने शब्दों को सोच-समझकर चुनना चाहिए।

टीवी होस्ट ने शोएब अख्तर को लाइव शो से बाहर जाने को कहा

कराची। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर उस समय विवादों में घिर गये जब उन्होंने एक टीवी कार्यक्रम को बीच में छोड़कर क्रिकेट विश्लेषक के अपने पद से इस्तीफा दे दिया क्योंकि सरकार नियंत्रित पीटीवी के मेजबान ने उन्हें बाहर जाने को कहा था। अख्तर ने कहा कि मंगलवार को पाकिस्तान की टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड पर पांच विकेट से जीत के बाद कार्यक्रम के मेजबान ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया और उनका अपमान किया। पाकिस्तान की तरफ 46 टेस्ट और 163 वनडे खेलने वाले 46 वर्षीय अख्तर उठे, उन्होंने अपना माइक्रोफोन हटाया और चले गये।

कार्यक्रम के मेजबान नौमान नियाज़ ने उन्हें वापस बुलाने का प्रयास नहीं किया और कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखायी और कार्यक्रम जारी रखा। लेकिन कार्यक्रम के अन्य मेहमान सर विवियन रिचर्ड्स, डेविड गॉवर, राशिद लतीफ, उमर गुल, आकिब जावेद और पाकिस्तान महिला टीम की कप्तान सना मीर इससे हैरान थे। अख्तर के कार्यक्रम छोड़कर चले जाने से सोशल मीडिया पर बवाल मच गया और लोगों ने नियाज से माफी मांगने को कहा। अख्तर और नियाज के बीच बहस के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किये गये।

अख्तर ने बुधवार को ट्विटर पर पोस्ट करके अपनी स्थिति स्पष्ट की। अख्तर ने ट्वीट किया, सोशल मीडिया पर कई वीडियो आ रहे हैं इसलिए मैंने सोचा कि मुझे अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। नोमान ने असभ्यता दिखायी और उन्होंने मुझे कार्यक्रम छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने कहा, ''यह काफी शर्मसार करने वाला था क्योंकि आपके साथ सर विवियन रिचड्र्स और डेविड गॉवर जैसे दिग्गज तथा मेरे कुछ समकालीन और वरिष्ठ भी सेट पर बैठे थे और लाखों लोग इसे देख रहे थे।'' अख्तर ने कहा, ''मैंने यह कहकर सभी को शर्मिंदगी से बचाने का प्रयास किया कि मैं आपसी समझ से नौमान की टांग खींच रहा हूं और नौमान भी विनम्रता से माफी मांगेंगे और हम कार्यक्रम जारी रखेंगे। उन्होंने माफी मांगने से इन्कार कर दिया।

इसके बाद मेरे पास और कोई विकल्प नहीं था।'' यह समस्या तब पैदा हुई जब अख्तर ने मेजबान के सवाल पर ध्यान नहीं दिया और तेज गेंदबाज हारिस रऊफ को लेकर बात की और पाकिस्तान सुपर लीग की फ्रेंचाइजी लाहौर कलंदर्स और उसके कोच आकिब की प्रशंसा की। नौमान ने उन्हें रोकने की कोशिश की और वह अख्तर से चिढ़ गये। उन्होंने शोएब से कहा कि वह उन्हें तवज्जो नहीं दे रहे हैं और वह इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मेजबान ने कहा, ''आपने मेरे साथ बुरा बर्ताव किया और मैं आपको बता रहा हूं कि अब आप कार्यक्रम छोड़कर जा सकते हैं। इसके बाद ब्रेक ले लिया गया। अख्तर ने कुछ देर बाद अन्य विशेषज्ञों से माफी मांगी और फिर घोषणा की कि वह पीटीवी स्पोर्ट्स से इस्तीफा दे रहे हैं।